वर्ष 24, अंक 127, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज रविवार 16 नवंबर 2025 विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

कांग्रेस को अब कोई नहीं बचा सकता, बिहार ने दिया जवाब

बिहार दुनिया को राजनीति सिखाता है- पीएम मोदी

नई दिल्ली

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों ने दिखा दिया है कि जनता ने जातिवाद का जहर उगलने वालों को नकार दिया है। उन्होंने यह भी बताया कि नया 'माई' फॉर्मूला महिला और युवा हैं, जिन्होंने बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को निर्णायक जनादेश दिया है। उन्होंने कहा कि बिहार का ऐतिहासिक विजय हुआ हो, और अगर हम सूरत से आगे जा रहे हों और बिहार के लोगों से मिले बिना जाएं, तो लगता है यात्रा अधूरी रह गई है। इसलिए गुजरात में रहने वाले और खासकर सूरत में रहने वाले मेरे बिहारी भाइयों का हक बनता है, और इसलिए मेरी स्वाभाविक जिम्मेदारी भी बनती है कि आप लोगों के बीच आकर के इस विजयोत्सव के कुछ पल का मैं भी हिस्सा बनूं। मोदी ने आगे कहा कि आप भी जानते हैं और बिहार के लोग भी जानते हैं कि हम वो पार्टी हैं जब आपने हमें गुजरात में मुख्यमंत्री के रूप में भी काम दिया था तब भी हमारा एक मंत्र था कि भारत के विकास के लिए गुजरात का विकास। हमारी मूलभूत सोच रही है- नेशन फर्स्ट। यही मंत्र हमारे लिए हिंदुस्तान का हर कोना, हिंदुस्तान का हर राज्य, हर भाषा-भाषी नागरिक... ये हमारे लिए पूजनीय है, वंदनीय है। इसलिए बिहार का भी गौरव करना, बिहार के सामर्थ्य को स्वीकार करना... ये हमारे लिए बहुत सहज बात है। मोदी ने कहा कि इस चुनाव में एनडीए गठबंधन जो विजयी हुआ है और महागठबंधन जो पराजित हुआ है... दोनों के

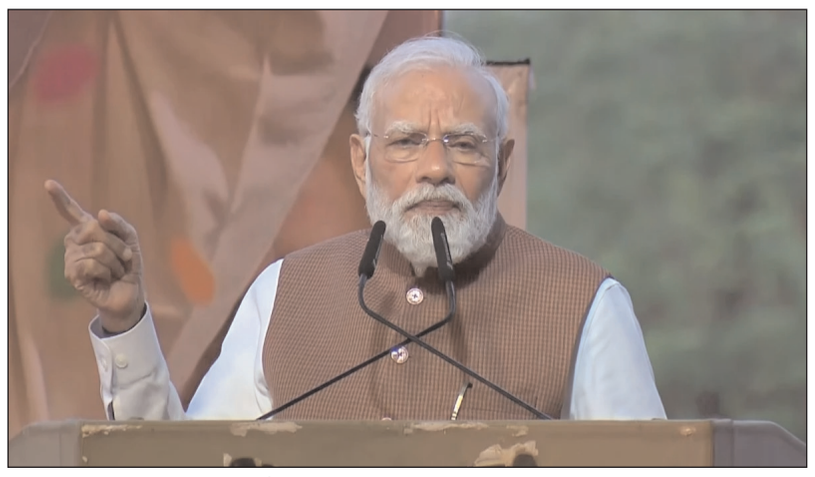

बीच 10 प्रतिशत वोट का फर्क है, ये बहुत बड़ी बात है। यानी, सामान्य मतदाता ने एकतरफा मतदान किया, ये बिहार के विकास के प्रति ललक है। उन्होंने कहा कि बिहार आज दुनिया भर में छाया हुआ है। आप दुनिया में कहीं भी जाइए, बिहार की टैलेंट आपको नजर आएगी। अब बिहार विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने का मिजाज दिखा रहा है। इस चुनाव में उस मिजाज के दर्शन हुए हैं। महिला-युवा एक ऐसा माई कॉम्बिनेशन बना है, जिसने आने वाले दशकों की राजनीति का नींव मजबूत कर दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले दो साल से ये जमानती नेता बिहार में जाकर जातिवाद-जातिवाद का भाषण दे रहे थे। जितनी ताकत थी उन्होंने जातिवाद का जहर फैलाने की कोशिश की। लेकिन बिहार के इस चुनाव ने जातिवाद के इस जहर को पूरी तरह नकार दिया है। उन्होंने कहा कि ये मुस्लिम लीगी माओवादी कांग्रेस को देश अस्वीकार कर चुका है। कांग्रेस पार्टी में जो राष्ट्रीय विचारों से पले-बढ़े लोग हैं, ऐसे कांग्रेस का बहुत बड़ा वर्ग... नामदार के हरकतों से दुखी है। कांग्रेस को अब कोई बचा नहीं सकता है, ऐसी हालत हो गई है। मोदी ने कहा कि बिहार में, सार्वजनिक भूमि पर अक्सर अतिक्रमण कर-के उसे वक्फ संपत्ति बना दिया जाता था। हमने तमिलनाडु में भी ऐसी ही स्थिति देखी, जहाँ सदियों पुराने गाँवों को भी वक्फ घोषित कर दिया गया। तभी हमने वक्फ कानून में सुधार किए। एक नेता जो अब जमानत पर बाहर है, अपने सहयोगियों के साथ कानून की प्रतियां फाड़कर कहता था कि वे बिहार में इसे कभी नहीं होने देंगे। लेकिन बिहार की जनता ने इस सांप्रदायिक जहर को पूरी तरह से नकार दिया और विकास का रास्ता चुना।

6 दशक तक की आदिवासियों की उपेक्षा, अब विकास हमारी प्राथमिकता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि आदिवासी गौरव हजारों वर्षों से भारत की चेतना का अभिन्न अंग रहा है और देश स्वतंत्रता आंदोलन में आदिवासी समाज के योगदान को नहीं भूल सकता। जनजातीय गौरव दिवस पर यहाँ एक सभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाना शुरू किया। उन्होंने कहा कि आदिवासी गौरव हजारों वर्षों से भारत की चेतना का अभिन्न अंग रहा है। जब भी देश के सम्मान, स्वाभिमान और स्वशासन का प्रश्न उठा है... हमारा आदिवासी समाज सबसे आगे खड़ा रहा है। हम स्वतंत्रता आंदोलन में आदिवासी समाज के योगदान को नहीं भूल सकते। मोदी ने कांग्रेस सरकारों पर अपने शासनकाल में आदिवासी समुदाय की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि छह दशकों तक कांग्रेस सरकारों ने आदिवासी समुदायों को उनके हाल पर छोड़ दिया। कुपोषण

कायम रहा, शिक्षा दुर्लभ थी और ये कमियाँ कई आदिवासी क्षेत्रों की दुर्भाग्यपूर्ण पहचान बन गईं। कांग्रेस सरकारें उदासीन रहीं। भाजपा के लिए आदिवासी कल्याण हमेशा प्राथमिकता रही है। हम अपने आदिवासी भाइयों और बहनों के साथ हो रहे अन्याय को समाप्त करने के दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़े हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने जनजातीय समुदाय को सशक्त बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। नरेंद्र मोदी ने कहा कि मां नर्मदा की ये पावन धरती आज एक और ऐतिहासिक आयोजन की साक्षी बन रही है। अभी 31 अक्टूबर को हमने यहां सरदार पटेल की 150वीं जयंती मनाई। हमारी एकता और विविधता को सेलिब्रेट करने के लिए भारत पर्व शुरू हुआ है। और आज भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के इस भव्य आयोजन के साथ हम भारत पर्व की पूर्णता के साक्षी बन रहे हैं। मैं इस पावन अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा को प्रणाम करता हूं। आज काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की चर्चा होती है, उज्जैन महाकाल कॉरिडोर की चर्चा होती है, अयोध्या के राम मंदिर की चर्चा होती है, केदारनाथ धाम की चर्चा होती है। पिछले एक दशक में ऐसे कई हमारे धार्मिक, ऐतिहासिक स्थानों का विकास हुआ है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 2021 में हमने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की शुरूआत की थी। जनजातीय गौरव हजारों वर्षों से हमारे भारत की चेतना का अभिन्न हिस्सा रहा है। जब-जब देश के सम्मान स्वाभिमान और स्वराज की बात आई... तो हमारा आदिवासी समाज सबसे आगे खड़ा हुआ। हमारा स्वतंत्रता संग्राम इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। स्वतंत्रता आंदोलन में ट्राइबल समाज के योगदान को हम भुला नहीं सकते। उन्होंने कहा कि 2014 के पहले भगवान बिरसा मुंडा को कोई याद करने वाला नहीं था। सिर्फ उनके अगल-बगल के गांव तक ही पूछा जाता था। आज देशभर में कई ट्राइबल म्यूजियम बनाए जा रहे हैं।

बिहार हार का साइड इफेक्ट:

लालू परिवार में टूट, रोहिणी ने राजनीति से लिया संन्यास, परिवार से भी नाता तोड़ा

बिहार

लालू प्रसाद यादव की बेटी और तेजस्वी यादव की बहन रोहिणी आचार्य ने शनिवार को घोषणा की कि वह बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नतीजों में राष्ट्रीय जनता दल (राजद)-कांग्रेस के नेतृत्व वाले महागठबंधन की हार के एक दिन बाद राजनीति छोड़ रही हैं और अपने परिवार से नाता तोड़ रही हैं। रोहिणी आचार्य ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि संजय यादव और रमीज ने उन्हें राजनीति छोड़ने और अपने परिवार से नाता तोड़ने के लिए कहा है, इसलिए वह सारा दोष अपने ऊपर ले रही हैं। रोहिणी ने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा कि मैं राजनीति छोड़ रही हूँ और अपने परिवार से नाता तोड़ रही हूँ... संजय यादव और रमीज ने मुझसे यही करने को कहा था... और मैं सारा दोष अपने ऊपर ले रही हूँ।

2025 के बिहार विधानसभा चुनावों में करारी हार के एक दिन बाद, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने शनिवार को कहा कि उतार-चढ़ाव तो आना ही है, और कहा कि यह गरीबों की पार्टी है और उनके मुद्दों और आवाजों को उठाती रहेगी।

पार्टी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर हिंदी में एक पोस्ट में कहा कि जनसेवा एक अनवरत प्रक्रिया है, एक अंतहीन यात्रा है! इसमें उतार चढ़ाव आना तय है। हार में विषाद नहीं, जीत में अहंकार नहीं! राष्ट्रीय जनता दल गरीबों की पार्टी है, गरीबों के बीच उनकी आवाज बुलंद करते रहेगी!

सोनभद्र में खनन के दौरान हादसा, कई मजदूर मलबे में दबे, 2 की मौत

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश के जनपद सोनभद्र जिले में खनन के दौरान बड़ा हादसा हुआ है, जिले के ओबरा थाना क्षेत्र के बिल्ली मारकुंडी खनन क्षेत्र में यह हादसा हुआ है. बताया गया है कि बिल्ली मारकुंडी क्षेत्र के कृष्णा माइनिंग वर्क प्रो0 दिलीप केसरी व मकसूदन सिंह के खदान में हादसा हुआ है. इस हादसे में अब तक दो मजदूरों के शव को बाहर निकाला गया है, जबकि कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है. वहीं, इस घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है. तत्काल राहत बचाव कार्य के निर्देश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिये हैं.

दरअसल, खदान में 7 ड्रिल मशीन चल रही थी और प्रत्येक ड्रिल मशीन पर कम से कम दो व्यक्ति एक साथ काम करते हैं. हालांकि, अभी यह निश्चित नहीं है कि मलबे में कितने लोग दबे हैं.बताया गया है कि ड्रिल करने के दौरान ही खदान से मलवा दरक जाने की वजह से यह हादसा हुआ है.

हादसे की सूचना पर स्पॉट पर पहुंचे आलाधिकारी

वहीं, इस मामले की जानकारी होने के बाद जिले के आलाधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं. जल्द से जल्द रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू करने का प्रयास किया जा रहा है. अंधेरा होने की वजह से रेस्क्यू शुरू करने में विलंब हो रहा है. बावजूद इसके प्रशासन के द्वारा जल्द से जल्द रेस्क्यू शुरू करने का

प्रयास किया जा रहा है. इस हादसे के बाद एसडीआरएफ, एनडीआरएफ की टीम को भी बुलाया गया है. साथ ही मिजार्पुर से भी टीम को बुलाया गया है जिससे रेस्क्यू का कार्य जल्द से जल्द किया जा सके.

हादसे में इन मजदूरों की गई जान

वहीं इस हादसे पर जान गंवाने वालों में दो मजदूर संतोष पुत्र सोभनाथ व इंद्रजीत पुत्र सोभनाथ निवासी करमसार की मौत हुई है. वहीं मलबे के नीचे अभी कुछ मजदूरों के दबे होने की आशंका है. हालांकि, इस हादसे की पीछे की वजह हेवी ब्लास्टिंग बताई जा रही है. माना जा रहा है कि हेवी ब्लास्टिंग के दौरान पत्थर दरकने की वजह से घटना हुई है. वहीं घटना स्थल पर संभावित दबे हुए लोगों के परिजनों में कोहराम मचा है.

हादसे पर क्या बोले अधिकारी?

वहीं इस घटना के बाबद जिला अधिकारी बी एन सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि अभी इस बात की जानकारी नहीं हो पाई है कि अंदर कितने लोग दबे हैं.।

प्लेयर्स की रिटेंशन लिस्ट जारी

कोलकाता

अगले महीने होने वाली मिनी नीलामी से पहले 10 आईपीएल फ्रेंचाइजी ने रिटेन और रिलीज किए गए खिलाड़ियों की सूची की घोषणा कर दी है। संजू सैमसन के ट्रेड डील के तहत पांच बार की चैंपियन टीम में शामिल होने के बावजूद, रुतुराज गायकवाड़ आईपीएल 2026 में सीएसके की कमान संभालेंगे। एक बड़े झटके के रूप में, आंद्रे रसेल को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने रिलीज कर दिया है। तीन बार की चैंपियन ने पिछले साल की बड़ी रकम वाले वेंकटेश

अय्यर (23.75 करोड़ रुपये) को भी रिलीज कर दिया। इस बीच, सीएसके ने श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना को बेच दिया है, जिन्हें पिछले साल आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी से पहले 13 करोड़ रुपये में रिटेन किया गया था। पथिराना का पिछले सीजन में प्रदर्शन निराशाजनक रहा था, उन्होंने केवल 13 विकेट लिए थे और 10 प्रति ओवर से अधिक की औसत से रन लुटाए थे।

कोलकाता नाइट राइडर्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच 16 दिसंबर को अबु धाबी में होने वाली आईपीएल की मिनी नीलामी में खिलाड़ियों को लेकर होड़ लगने की उम्मीद है क्योंकि दस टीमों में से सबसे ज्यादा पैसा इन्हीं दोनों के पास बचा है। केकेआर ने वेंकटेश अय्यर (23 . 75 करोड़ रुपए) और आंद्रे रसेल (12 करोड़) जैसे महंगे खिलाड़ियों को रिलीज कर दिया है जबकि चेन्नई सुपर किंग्स ने संजू सैमसन को खरीदने के बावजूद कई खिलाड़ियों को रिलीज करके 40 करोड़ रुपए बचा लिये हैं।

ईडी ने चीन से लौह अयस्क निर्यात मामले में कर्नाटक कांग्रेस विधायक के खिलाफ आरोप-पत्र दायर किया

नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को कहा कि उसने 44 करोड़ रुपये मूल्य के लौह अयस्क के कथित अवैध निर्यात से संबंधित धन शोधन जांच में कर्नाटक के कांग्रेस विधायक सतीश कृष्ण सैल और उनसे जुड़ी एक कंपनी के खिलाफ आरोप-पत्र दायर किया है। संघीय जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि अभियोजन पक्ष की शिकायत बेंगलुरु में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत के समक्ष दायर की गई। ईडी ने कहा कि उत्तर कन्नड़ के कारवार विधानसभा सीट से 59 वर्षीय विधायक सैल और उनकी कंपनी श्री मल्लिकार्जुन शिपिंग प्राइवेट लिमिटेड को आरोप-पत्र में आरोपी बनाया गया है। इसने कहा कि विधायक कंपनी के प्रबंध निदेशक (एमडी) हैं। सैल को सितंबर में ईडी ने गिरफ्तार किया था। उनके खिलाफ मामला कथित तौर पर उनसे जुड़ी कंपनी द्वारा लौह अयस्क के अवैध निर्यात से संबंधित है। ईडी की जांच कर्नाटक लोकायुक्त द्वारा 2010 में दर्ज मामले से शुरू हुई, जिसमें पाया गया कि लगभग आठ लाख टन लौह अयस्क को अवैध रूप से बेल्लारी से बेलेकेरी बंदरगाह तक ले जाया गया था।

ईडी ने अपनी जांच के दौरान दावा किया कि यह लौह अयस्क आरोपी व्यक्तियों द्वारा बेलेकेरी बंदरगाह के बंदरगाह संरक्षक महेश जे बिलिये की मिलीभगत से चीन में खरीदारों को निर्यात किया गया था। इसने कहा, आरोपी व्यक्तियों के आपराधिक कृत्य से सरकारी खजाने को 44.09 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

अमित शाह ने लिया आतंक के खिलाफ सबसे तगड़ा एक्शन

पहले ही कह दिया था- "ऐसा सबक सिखाएंगे..."

पुलवामा

दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के कोईल गाँव में सुरक्षा बलों ने तीन नियंत्रित धमाके कर दिल्ली कार ब्लास्ट के ह्यसुसाइड बॉम्बरह्ल माने जा रहे डॉक्टर उमर उन-नबी के पैतृक घर को जमींदोज कर दिया। कार्रवाई से पहले परिवार और पास-पड़ोस के घरों को खाली कराया गया और रात 12:30 बजे से 2:30 बजे के बीच दो मंज़िला मकान मलबे में तब्दील हो गया। इस दौरान आसपास के करीब दर्जनभर मकानों को भी हल्का नुकसान पहुंचा। यह कार्रवाई उस बड़े अभियान के साथ की गई जिसमें जम्मू-कश्मीर पुलिस घाटी भर में उन स्रोतों की मैपिंग कर रही है जिन्हें आतंक गतिविधियों के लिए दुरुपयोग

किया जा सकता है।

देखा जाये तो देश ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहाँ आतंकवाद से निपटने के लिए पारंपरिक तरीकों से आगे बढ़कर अत्यधिक निर्णायक कार्रवाइयों की जरूरत है। पुलवामा की इस कार्रवाई को कुछ लोग ह्लसामूहिक दंडह्ल कह रहे हैं, लेकिन सच्चाई कहीं अधिक गहरी है। आतंकवादियों को पता होना चाहिए कि उनके एक कदम का परिणाम सिर्फ न्यायालय की चार दीवारों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उनके आतंक की जड़ें, उनके घर, तंत्र और संरचना, सब नष्ट कर दिए जाएंगे। यही नीति इजरायल, अमेरिका, फ्रांस जैसे देशों ने अपनाई और आतंक को जड़ से कम किया। भारत भी उसी राह पर है।

देखा जाये तो आतंकी अपना घर, अपनी संपत्ति, अपना इलाका, इन सबका इस्तेमाल लॉन्च पैड, स्टोरेज स्पेस, मीटिंग पॉइंट और कवर लोकेशन के रूप में करते हैं। जब तक उनकी यह ह्यसुरक्षा छतरीह्ल सुरक्षित रहती है, उनका नेटवर्क फिर से पनपने की क्षमता रखता है। घर गिराना सिर्फ सजा नहीं, यह आतंक के बुनियादी ढांचे को ध्वस्त करने का तरीका है। जिस डॉक्टर उमर ने दिल्ली में रेड फोर्ट के पास भीड़भाड़ वाले इलाके में 13 लोगों की जान ली, वह भी एक सुनियोजित मॉड्यूल का हिस्सा था। जो लोग उमर के घर को उड़ाने के कदम की आलोचना कर रहे हैं उन्हें समझना होगा कि आतंकी डॉक्टर के परिवार के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं हुई, उनको सुरक्षित निकाल कर घर खाली कराया गया। कार्रवाई ढांचे पर हुई, लोगों पर नहीं। यह अंतर समझना जरूरी है।

खास बात यह रही कि यह कार्रवाई केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान के बाद हुई जिसमें उन्होंने कहा था कि ऐसी सजा देंगे कि दुनिया देखेगी।

क्षेत्र का विकास हमारी पहली प्राथमिकता : महापौर

महापौर ने चंद्रलोक राजश्री टंडन मंडपम एवं मंसूर अली पार्क में दो वार्ड में दो ट्यूबवेल का किया लोकार्पण, लगभग 35000 घरों को मिलेगा शुद्ध पेयजल

मुट्ठीगंज घिसई का हाता में 8 रुपए की लागत से आरसीसी रोड का किया लोकार्पण क्षेत्र की जनता को समर्पित किया

अखंड भारत संदेश

लोगों को संबोधित करते महापौर

प्रयागराज। महापौर गणेश केसरवानी ने दिन शुक्रवार को चंद्रलोक राजश्री टंडन मंडपम के समीप और मंसूर अली पार्क में दो ट्यूबवेल का लोकार्पण किया। इसके अलावा, उन्होंने मुट्ठीगंज घिसई का हाता में 8 लाख रुपए की लागत से आर सी सी रोड का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर महापौर ने क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि इन विकास कार्यों से क्षेत्र के निवासियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और उनका जीवन स्तर सुधरेगा।

ट्यूबवेल का लोकार्पण, महापौर ने चंद्रलोक राजश्री टंडन मंडपम के समीप और मंसूर अली पार्क में बड़े ट्यूबवेल का लोकार्पण किया, जिससे क्षेत्र में पेयजल की समस्या का समाधान होगा।रोड का लोकार्पण, महापौर ने मुट्ठीगंज घिसाई का हाता में 8 लाख रुपए की लागत से रोड का लोकार्पण किया, जिससे क्षेत्र के निवासियों को आवागमन में सुविधा होगी । महापौर ने कहा कि नगर निगम की ओर से क्षेत्र के विकास के लिए लगातार काम किया जा रहा है, महापौर ने कहा कि क्षेत्रवासियों की समस्याओं का समाधान करना हमारी प्राथमिकता है, इस रोड के निर्माण से क्षेत्र के निवासियों को आवागमन में सुविधा होगी और उनका जीवन स्तर सुधरेगा, महापौर ने कहा कि नगर निगम की ओर से क्षेत्र के विकास के लिए लगातार काम किया जा रहा है, महापौर ने कहा कि क्षेत्रवासियों की समस्याओं का समाधान करना हमारी प्राथमिकता है। इस दौरान क्षेत्रीय पार्षद कुसुम लता गुप्ता, रमीज अहसन, महाप्रबंधक जलकर कुमार गौरव, अधिशासी अभियंता जलकर सौरभ, जोनल अधिकारी संजय मग्मई, सहायक अभियंता सीएनडी एक्स मिथलेश, मंडल वरिष्ठ नेता नवरत्न कत्याल, अध्यक्ष अपूर्वा चंद्रा, अमित गुप्ता पूर्व मंडल अध्यक्ष गौरव गुप्ता, दिनेश विश्वकर्मा आलोक वैश्य, विष्णु त्रिपाठी मोहम्मद सदमान, भरत केसरी, हिमालय सोनकर रितिका मारवा, सीमा बिहारी, रेखा सिंह सीमा केसरी प्रियंका केसरवानी राम जी सुरेंद्र कुमार श्याम जी दिनेश कुमार आदि ।

बारा समाधान दिवस पर 192 शिकायती पत्र चार का निस्तारण, 188 का दिया निर्देश

बारा। बारा तहसील में सनिवार को आयोजित समाधान दिवस तहसीलदार बारा रोशनी सोलंकी के अध्यक्षता में संपन्न हुआ।कुल 192 शिकायती पत्र फरियादियों के तरफ से अपनी अपनी समस्या को लेकर दिया,जिसमें भूमि सम्बंधित चार का राजस्व टीम के द्वारा तत्काल निस्तारण किया गया।188 शिकायती पत्रों को सम्बंधित को देकर जल्द निस्तारण करने का दिशा निर्देश दिया।सभी अधिकारियों ने बारी-बारी से लोगों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देश जारी किए।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए प्रशासन प्रतिबद्ध है और हर शिकायत को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जाएगा। समाधान दिवस के दौरान नायब तहसीलदार शंकरगढ़, नायब तहसील दार बारा एवं सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

न्यूज झरोखा

शैक्षणिक भ्रमण के दौरान शिक्षक पहुंचे कड़ाधाम लिया मां का आशीर्वाद

सहसों। राजाराम तिवारी पूर्व माध्यमिक विद्यालय गुलालपुर सहसों के शिक्षकों का एक दल मन में दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ हृदय में आध्यात्मिक, धार्मिक भक्ति भावना का अलख जागते हुए आदिशक्ति के शक्तिपीठों के दर्शनार्थ भ्रमण यात्रा पर निकले और आध्यात्मिक चिंतन मनन के साथ आदि शक्ति माता शीतला के कड़ा धाम पहुंचकर दर्शन पूजन किया और मां का आशीर्वाद प्राप्त किया। शिक्षकों ने बताया कि हमारे विद्यालय द्वारा आयोजित शैक्षणिक भ्रमण के दौरान 51 शक्तिपीठों में से एक कड़ाधाम में विराजमान शीतला माँ के पावन दरबार में पहुंच कर दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। शिक्षक दल के साथ इस पवित्र स्थल की यात्रा ने सभी के मन में नई ऊर्जा, भक्ति और उत्साह भरा संचार का प्रवाह किया। यह भ्रमण यात्रा आध्यात्मिक अनुभव सभी के लिए यादगार और प्रेरणादायक रहा। तत्पश्चात शिक्षकों का दल भगवान श्री राम और निषाद राज गुह के पावन संगम स्थली श्रृंगवेरपुर धाम के लिए रवाना हुआ। पवित्र भ्रमण यात्रा में प्रमुख रूप से विद्यालय के प्रधानाचार्य शिव प्रकाश तिवारी, शिक्षक नेता रमेश कुमार द्विवेदी, राजेश मिश्रा, कमलाकांत शुक्ला, शशांक तिवारी, जबर सिंह, बलवंत सिंह, शालिनी सिंह एवं पूजा विश्वकर्मा सहित आदि रहे।

सुदामा संसार में सबसे अनोखे भक्त रहे आचार्य : मारुति नंदन महाराज

मांडा। आहोपुर नेवढ़िया गांव में भगवती प्रसाद शुक्ला के आवास पर आयोजित संगीतामय श्रीमद्भागवत कथा का समापन हुआ। कथा के अंतिम दिन आचार्य मारुति नंदन महराज ने सुदामा चरित्र का वर्णन किया। आचार्य मारुति नंदन महराज ने कहा कि सुदामा संसार के सबसे अनोखे भक्त रहे हैं। वे जीवन में भले ही गरीब दिखते थे, लेकिन मन से अत्यंत धनवान थे। उन्होंने अपने सुख और दुखों को भगवान की इच्छा पर छोड़ दिया था।उन्होंने श्रीकृष्ण और सुदामा के मिलन प्रसंग का वर्णन करते हुए बताया कि जब सुदामा भगवान श्रीकृष्ण से मिलने आए, तो श्रीकृष्ण ने उनके फटे वस्त्रों पर ध्यान नहीं दिया, बल्कि मित्र की भावनाओं को देखा। यह प्रसंग सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो गए। आचार्य ने यह भी कहा कि मनुष्य को अपना कर्म नहीं भूलना चाहिए और सच्ची मित्रता श्रीकृष्ण व सुदामा जैसी होनी चाहिए।इस अवसर पर देवी प्रसाद शुक्ला (उर्फ सुद्धू), हरिनारायण शुक्ला (उर्फ सप्पू), मणिशंकर शुक्ला, संजय शुक्ला, सूर्यकांत शुक्ला, वरिष्ठ पत्रकार हरीप्रसाद पाण्डेय, प्रधान संघ अध्यक्ष प्रतिनिधि राजमणि द्विवेदी, तुलसीदास तिवारी, सुरेश सिंह, लल्लू शुक्ला और राधेश्याम बिन्द सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

दहेज उत्पीड़न का आरोपः पति समेत पांच पर केस विवाहिता को कम दहेज लाने पर ससुराल से निकाला

मांडा। थाना क्षेत्र में दहेज उत्पीड़न का मामला सामने आया है। एक विवाहिता की शिकायत पर पति समेत पांच ससुरालियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोप है कि विवाहिता को कम दहेज लाने का ताना देकर ससुराल से निकाल दिया गया। कोसड़ाकला गांव निवासी रंजना देवी पटेल ने मांडा थाने में तहरीर दी है। उन्होंने बताया कि उनकी शादी ढाई साल पहले मेजा थाना क्षेत्र के पहाड़पुर, निबेया गांव निवासी अनिल कुमार पटेल से हुई थी। शादी के बाद से ही पति अनिल कुमार पटेल, ससुर त्रिशूल नाथ पटेल, जेठ मनोज कुमार, जेठानी अंजू और देवर केवला प्रसाद पटेल उन्हें कम दहेज लाने का आरोप लगाकर प्रताड़ित करने लगे थे। पीड़िता के अनुसार, इस मामले को सुलझाने के लिए बिरादरी पंचायतें भी आयोजित की गईं, लेकिन ससुरालियों के व्यवहार में कोई सुधार नहीं आया। लगभग एक साल पहले ससुरालियों ने कथित तौर पर रंजना देवी को पीटकर उनके मायके छोड़ दिया था। तब से वह अपने मायके में ही रह रही हैं और उनकी कोई संतान नहीं है। पुलिस ने रंजना देवी की तहरीर के आधार पर पति अनिल कुमार पटेल, ससुर त्रिशूल नाथ पटेल, जेठ मनोज कुमार, जेठानी अंजू और देवर केवला प्रसाद पटेल के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा और धमकी देने सहित संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है। मांडा इंस्पेक्टर अनिल कुमार वर्मा ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर ससुरालजनों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर आगे की जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है।

प्रोफेसर डॉ. सर्वेश सिंह का निधन

लखनऊ विश्वविद्यालय हिंदी विभाग अध्यक्ष, पूर्व न्यायाधीश के पुत्र थे

मांडा। हिन्दी दैनिक पत्रकार कमलेश सिंह के चचेरा भाई डॉ. भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के हिंदी विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. सर्वेश सिंह (50) का शनिवार सुबह निधन हो गया। उन्होंने लखनऊ के अपोलो अस्पताल में अंतिम सांस ली। वे पूर्व उच्च न्यायालय के न्यायाधीश और वर्तमान में भोपाल एनजीटी के सदस्य शिव कुमार सिंह के पुत्र थे। पुत्र के निधन की सूचना मिलने पर उनके पिता शिव कुमार सिंह गहरे शोक में डूब गए। शिव कुमार सिंह इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के सदस्य व अध्यक्ष भी रह चुके हैं। प्रोफेसर डॉ. सर्वेश सिंह मूल रूप से प्रयागराज जिले के मांडा क्षेत्र के बादपुर गांव के निवासी थे। वे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के अवध प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष भी रहे थे। उनके छोटे भाई सत्येन्द्र प्रताप सिंह लखनऊ हाई कोर्ट में एआरओ के पद पर कार्यरत हैं। डॉ. सर्वेश सिंह का अंतिम संस्कार लखनऊ में गोमती नदी के किनारे किया जाएगा। उनके निधन की खबर से मांडा क्षेत्र के बादपुर गांव सहित पूरे प्रयागराज में शोक की लहर दौड़ गई।

ग्राम पंचायत गिरधरपुर में बिना मुनादी ग्राम चौपाल की औपचारिकता पूरी

मांडा। गिरधरपुर ग्राम पंचायत में शुक्रवार को बिना मुनादी कराए ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। ग्राम प्रधान ने पंचायत भवन में अपने चुनिंदा लोगों के साथ बैठक कर चौपाल की औपचारिकता पूरी की। इस दौरान कोई सक्षम अधिकारी मौजूद नहीं रहा।

उत्तर प्रदेश सरकार ने ग्राम पंचायतों की समस्याओं के समाधान के लिए महीने में दो बार तहसील समाधान दिवस, संपूर्ण थाना समाधान दिवस और ब्लॉक समाधान दिवस/चौपाल आयोजित करने के सख्त निर्देश दिए हैं। इन आयोजनों में संबंधित सक्षम अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य है।

हालांकि, सरकार के इन निदेशों का पालन अक्सर केवल कागजों पर ही सिमट कर रह जाता है। गांव की समस्याओं के समाधान के लिए पंचायत भवन पर चौपाल लगाकर औपचारिकता पूरी की जा रही है, लेकिन खुली बैठक के बजाय यह प्रक्रिया गोपनीय तरीके से की जा रही है। बैठक में ग्राम प्रधान हीरावती देवी, प्रधान प्रतिनिधि/रोजगार सेवक प्रेम कुमार, पूर्व प्रधान प्रतिनिधि मिथिलेश पांडेय, ग्राम पंचायत अधिकारी संदीप कुमार, पंचायत सहायक सर्वेन्द्र कुमार सोनकर, सफाई कर्मी राजेंद्र कुमार, आंगनवाड़ी संगीता कुशवाहा, आशा इसरावती देवी, समूह की महिला उषा देवी, मनोज उपाध्याय (समाज कल्याण), धर्मेन्द्र प्रताप (कृषि विभाग) सहित विनोद कुमार, कामता प्रसाद, रविंद्र कुमार, लाल जी पाल, राज नारायण पाल, राम सजीवन, जयप्रकाश विश्वकर्मा, मौजी लाल, राधेश्याम, उदय शंकर पांडेय और शंभूनाथ पाठक उपस्थित रहे।

इसी कार्यक्रम के दौरान सफाई कर्मी राजेंद्र कुमार को सफाई करते समय बिच्छू ने डंक मार दिया। इससे उनका शारीरिक संतुलन बिगड़ गया, जिसके बाद उन्हें तुरंत मांडा सीएचसी ले जाया गया।

मुकदमा में सुलह न होने पर युवती को मारा पीटा गया मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। शादी समारोह में गयी युवती को मुकदमा में सुलह होने की बात कही गई न होने पर उसे मारा पीटा और जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम महरौंडा निवासनीय सैयद सिमाब पुत्री सऊद आलम का आरोप है कि वह मानीउमरपुर गेस्ट हाउस में एक शादी समारोह में गयी थी। आरोप है कि एक युवक ने कहा कि तुम्हारी खाला ने मुझ पर मुकदमा कर दिया है। उससे कहो कि सुलह हो जाए। सैयद सिमाब का आरोप है कि इंकार करने पर उसे गिरा कर मारा पीटा गया और जान से मारने की धमकी दी गई। सैयद सिमाब ने मऊआइमा थाने में ग्राम जमखुरी निवासी नौशाद अली पुत्र अहमद अली के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दी है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

फ्रेशर पार्टी - आरम्भ : प्रयाग इंस्टीट्यूट में आधुनिक गानों पर झूमे छात्र

अखंड भारत संदेश

करछना। प्रयाग इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट बेन्दों करछना नवप्रवेशित छात्रों के स्वागत के लिए फ्रेशर पार्टी आरम्भ 2025 का आयोजन किया गया। फ्रेशर पार्टी की शुरूआत दीप प्रज्वलन, माल्यार्पण एवं तृषा, संस्कृति व आस्था द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुई। फ्रेशर पार्टी में मुख्य अतिथि भाजपा काशी क्षेत्र के अध्यक्ष दिलीप सिंह एवं विशिष्ट अतिथि अमरनाथ यादव भाजपा काशी क्षेत्र उपाध्यक्ष, राजेश शुक्ला भाजपा जिलाध्यक्ष यमुनापार एवं कविता पटेल निवर्तमान भाजपा जिलाध्यक्ष गंगापार रहे। दिलीप सिंह जी ने नवप्रवेशित छात्रों को तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के अवसर का सही दिशा में उपयोग करने की सलाह दी और कहा संस्कार के साथ प्राप्त शिक्षा ही छात्रों को उच्च शिखर पर ले जाती है। संस्थान के चेयरमैन ज्ञान सिंह ने छात्रों को अपने उद्देश्य की प्राप्ति के लिए अपना ध्यान शिक्षा के क्षेत्र में केंद्रित करने की बात कही। कार्यक्रम में स्वागत डांस तनिषा ने प्रस्तुत किया। फ्रेशर पार्टी में आर्य, आस्था, नैना, खुशी, मानसी, कोमल, अंशिका, कुणाल, अमरनाथ, अमन, अमृत, धीरज, विकास, आकाश, अनिकेत, जय, सचिन ने ग्रुप डांस प्रस्तुत किया। विजेंद्र, आकाश, कृतिका, दिव्यांशी, अदिति नैना ने सोलो डांस की प्रस्तुति दी। मिस्टर फ्रेशर अनिकेत तिवारी एवं मिस फ्रेशर आर्या सिंह रहे। संस्थान के प्राचार्य डा पवन कुमार सिंह ने नवप्रवेशित छात्रों को बताया कि अनुशासन के साथ शिक्षा ग्रहण करने से उसकी गुणवत्ता बनी रहती है। विकास सिंह, डॉ पवन सिंह, डॉ मुकेश मिश्रा एवं आशीष तिवारी ने मिस्टर एवं मिस फ्रेशर को स्मृति चिन्ह व बैच दिया। एकेटीयू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय एवं जोन स्तरीय खेल प्रतियोगिता में पदक विजेताओं शिवानी पाण्डेय, विनय कुमार, संस्कृति तिवारी, सत्यम शुक्ला, तृषा मिश्रा, रोहित गुप्ता को संस्थान की ओर से सम्मानित किया गया। संस्थान के कुलसचिव आशीष तिवारी ने नवप्रवेशित छात्रों का स्वागत किया ।संस्थान के सचिव विकास सिंह ने कार्यक्रम के सफल बनाने के लिए बी टेक, डिप्लोमा एवं डी फॉर्म के सभी छात्रों एवं कार्यक्रम कॉर्डिनेटर मोमिश पाण्डेय को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में संस्थान के महिपाल सिंह,वीरेंद्र सिंह, हिमांशु द्विवेदी, मनीष सिंह, भोला पाण्डेय, रविन्द्र सिंह, एच एल पटेल, आस्मा नंद, अरविंद पाण्डेय, आशुतोष तिवारी, अनिल सिंह, प्रमोद मिश्रा, आयुष चौरसिया, मनीषा निषाद, मयूरी श्रीवास्तव, आनंद यादव, अंकित सिंह प्रकृत सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

सृजन नर्सिंग कॉलेज में भव्य लैंप लाइटिंग का हुआ आयोजन

छात्र-छात्राओं ने पेशेवर दायित्व निभाने का लिया संकल्प

अखंड भारत संदेश

समारोह में उपस्थित अतिथिगण व सम्मानित छात्र-छात्राएं

कौंधियारा। विकास खंड कौंधियारा के जारी सड़वा खुर्द स्थित सृजन एकेडमी इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंसेस में शनिवार को भव्य और गरिमामय लैंप लाइटिंग समारोह का आयोजन किया गया। नर्सिंग पेशे की पवित्र परंपरा का प्रतीक यह कार्यक्रम छात्र-छात्राओं के लिए एक नए सफर की शुरूआत लेकर आया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि बारा विधायक डॉ. वाचस्पति ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इसी के साथ नर्सिंग प्रशिक्षण से जुड़े पवित्र दायित्व को निभाने का विद्यार्थियों ने संकल्प लिया। लैंप लाइटिंग के दौरान छात्र-छात्राओं ने एक-दूसरे को ग्रोथ देते हुए पेशेवर जिम्मेदारियों और मानवीय सेवा के मूल्य को अपनाने का संदेश दिया। इस भावपूर्ण क्षण ने समारोह को विशेष और यादगार बना दिया। कार्यक्रम में विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भी लोगों का मन मोहा। देशभक्ति गीत, आकर्षक नृत्य और समूह गायन ने पूरे माहौल को ऊर्जा से भर दिया।

मुख्य अतिथि डॉ. वाचस्पति ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नर्सिंग केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सर्वोच्च सेवा है। उन्होंने सभी प्रशिक्षु नर्सों को ईमानदारी, समर्पण और संवेदनशीलता को अपने कार्य का मूल आधार बनाने की प्रेरणा दी। समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया, जिससे विद्यार्थियों में उत्साह भर गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ. बी.बी. अग्रवाल, कनिका अग्रवाल, शरणजीत कौर, उदयकांत मिश्रा, नेहा प्रजापति, डॉ. बिहारी यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

हंडिया बाईपास पर सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत चेकिंग अभियान

अखंड भारत संदेश

हंडिया । हंडिया बगहा बाईपास पर शनिवार को सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत एक व्यापक वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। एसीपी हंडिया सुनील कुमार सिंह के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करना और लोगों में जागरूकता बढ़ाना था।

इस अभियान के दौरान एसडीएम हंडिया राघवेंद्र प्रताप सिंह सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा। अधिकारियों ने दोपहिया और चारपहिया वाहनों की गहन जांच की। इस दौरान वाहन चालकों को हेलमेट, सीट बेल्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन पंजीकरण प्रमाणपत्र और प्रदूषण प्रमाणपत्र की अनिवार्यता के बारे में जागरूक किया गया।

एसीपी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत क्षेत्र में विशेष रूप से अनियमित गति, ओवरलोडिंग, नाबालिगों द्वारा वाहन चलाना और बिना हेलमेट के वाहन चलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने जोर दिया कि यातायात नियमों का पालन कर प्रत्येक नागरिक न केवल अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करता है, बल्कि सड़क पर दूसरों की सुरक्षा में भी योगदान देता है।

एसडीएम राघवेंद्र प्रताप सिंह ने लोगों से अपील की कि वे यातायात नियमों का पालन करें और अपने परिवार तथा समाज की सुरक्षा को प्राथमिकता दें। अधिकारियों ने यह भी बताया कि यह अभियान पूरे सप्ताह जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इस बार भी मुख्य समाधान दिवस में नहीं आए जिलाधिकारी, लोग दिखे मायूस

एडीएम और डीडीओ, तहसीलदार ने संभाली कमान

शहजादे

कोरांव। शनिवार को मुख्य तहसील संपूर्ण समाधान दिवस में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जिलाधिकारी प्रयागराज मनीष वर्मा के न पहुंचने से फरियादियों में मायूसी दिखी।

जिलाधिकारी मनीष वर्मा के आने की सूचना पर सुबह से ही भारी संख्या में फरियादी तहसील पहुंच गए थे। लेकिन जब फरियादियों को यह पता चला कि अब जिलाधिकारी किसी कारण समस्या वस नहीं आएंगे तब उनमें मायूसी भी देखी गई। किंतु तहसील कोरांव के संपूर्ण समाधान दिवस में पहले सत्र में जिला विकास अधिकारी प्रयागराज जी पी कुशवाहा एवं एडीएम सिविल सप्लाई प्रयागराज विजय शर्मा, पीडी भूपेंद्र कुमार सिंह, तहसीलदार विनय बरनवाल, खंड विकास अधिकारी मनोज कुमार सिंह, नायब तहसीलदार रणविजय सिंह व राम मूरत आदि के द्वारा फरियादियों की समस्याएं सुनी गई और उनके निस्तारण के निर्देश दिए गए।

शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस में कुल 513 फरियादियों ने अपनी शिकायतें दर्ज कराई। जिनमें राजस्व से जुड़ी 15 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। जबकि शेष 498 शिकायतों को गुणवत्तापूर्ण तरीके से निस्तारित करने के लिए निर्देशित किया गया। फिलहाल जिलाधिकारी के आने को लेकर भारी संख्या में फरियादी तहसील मुख्यालय पर पहुंचे थे। लेकिन जिलाधिकारी के न आने के बाद फरियादियों में मायूसी देखी गई। संपूर्ण समाधान दिवस में सर्वाधिक शिकायतें राजस्व विभाग की 321आईं जो टॉप रहे, पुलिस विभाग की 56, विकास विभाग की 57, शिक्षा की एक, स्वास्थ्य से तीन, समाज कल्याण की 7, आपूर्ति विभाग की 24, बिजली विभाग की 15 व 29 शिकायतें अन्य विभागों की पाई गई। जिनको जिम्मेदार अधिकारियों ने समयबद्ध तरीके से संबंधित जिम्मेदारों को निस्तारित करने के लिए निर्देशित किया।

ज्यादातर राजस्व विभाग के मामले जो लोकल राजस्व कर्मियों के कारण उत्पन्न हैं भरमार रही, क्योंकि निष्पक्षता पूर्वक निस्तारण नहीं किया जाता और न ही इस तहसील के राजस्व कर्मचारी डीएम एवं एसडीएम कोरांव से ही डरते हैं, जिस कारण राजस्व मामलों की बाढ़ सी दिखती है। चकरोड, नाली, ग्राम समाज की जमीनों पर अवैध कब्जे की शिकायतें सही निस्तारण न होने की दशा में बार बार शिकायतें आ रही हैं। यह समस्या तभी समाप्त होगी जब तक लोकल लेखपाल कानूनगो अन्यत्र तहसील ट्रांसफर नहीं किए जाते। अवैध ढंग से कब्जा दखल भूमि की कार्यवाही न होने से भू माफियाओं के मनोबल बड़े हैं। ग्राम प्रधान अल्हवा ने एक अपराधी द्वारा सुविधा शुल्क मांगे जाने न देने पर तरह तरह की धमकियां देने की शिकायत किया जिस पर थाना प्रभारी कोरांव को निर्देशित किया गया। धान की फसल ग्राम समाज की भूमि में बुआई कर जबरन काटने के प्रयास हेतु प्रधान अलहवा ने फसल कर्क कर ग्राम सभा को सुपुर्द करने के लिए तथा केस दर्ज किए जाने की तहरीर दी।

संपूर्ण समाधान दिवस में एक्सियन सिंचाई एसपी चौधरी, एक्सियन विद्युत, एक्सियन पीडब्ल्यूडी,एवं ए ई,समेत शिक्षा स्वास्थ्य बाल विकास बन विभाग,श्रम आदि विभागों के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे। तहसील कैंपस में शिक्षा विभाग एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा स्टाल लगा कर योजनाओं, कार्यों की जन जागरूकता कार्यक्रम के तहत प्रदर्शनी भी लगाई। जिले के अधिकारियों ने भी स्टाल पर जा कर जायजा लिए और होंसला आफजाई की।

कड़ी मेहनत व लगन से सपने को पूरा करें : विनोद बी. लाल

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। क्रिस्टी मेमोरियल स्कूल एंड कॉलेज, कर्मा, हथिगन द्वारा छात्रों, अभिभावकों और अतिथियों के लिए भव्य फेट का आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ किया गया। चेयरमैन विनोद बी. लाल ने प्रेरणादायक भाषण देते हुए बच्चों को शिक्षा, चरित्र और जिम्मेदारी पर विशेष ध्यान देने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि बच्चे देश के भविष्य की नींव हैं, इसलिए उन्हें बड़े सपने देख कर मेहनत और लगन से आगे बढ़ना चाहिए। यह कार्यक्रम भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जी की स्मृति में, बाल दिवस के अवसर पर आयोजित हुआ जिसमें शुआट्स के पूर्व प्रति कुलपति प्रो. डॉ. एस. बी. लाल, स्कूल मैनेजर श्री कमल मसीह, प्रिंसिपल, वाइस-प्रिंसिपल, शिक्षकगण और समाजसेवी उपस्थित रहे। फेट में फूड स्टॉल, कठपुतली शो, भारतीय थीम सजावट और अनेक मनोरंजक गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

प्रो. डॉ. एस. बी. लाल सर ने बाल दिवस का महत्व समझाया और बच्चों को अनुशासन, संस्कार और अच्छे मूल्यों के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। श्री कमल मसीह सर ने सभी बच्चों को बाल दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन, गुब्बारे उड़ान और शांति के प्रतीक कबूतर उड़ान के साथ हुई। कार्यक्रम में 1000 से अधिक अभिभावकों ने भाग लिया। लकी ड्रा द्वारा पुरस्कार वितरण हुआ जिसमें काजल कुमारी को प्रथम पुरस्कार स्मार्ट टीवी, सौम्या तिवारी को द्वितीय पुरस्कार वाशिंट मशीन, नागेन्द्र केसरी को तृतीय पुरस्कार साईकिल दी गई, साथ ही 10 सांत्वना पुरस्कार बांटे गये। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

25 वर्षीय अज्ञात महिला का मिला शव जाँच पड़ताल में जुटी रही पुलिस

सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचे डीसीपी गंगानगर

अखंड भारत संदेश

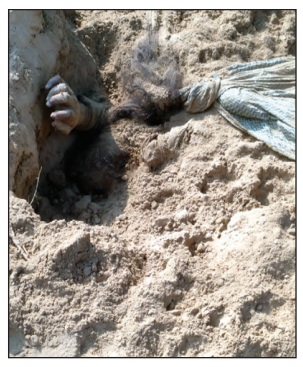

थरवई। थाना थरवई अंतर्गत लखरावां गांव समीप बाग में ग्रामीणों द्वारा सुबह बाग में पेड़ के नीचे जमीन में दफन एक शव दिखलाई दिया तभी इसकी सूचना ग्रामीणों द्वारा डायल 112 को देते हुए स्थानीय थाना थरवई में दी गई। तभी सूचना पर इंस्पेक्टर थरवई संतोष कुमार पाण्डेय अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की छानबीन करते रहे तभी कुछ ही समय में एसीपी थरवई चंद्रपाल सिंह, डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत, एडीसीपी गंगानगर पुष्कर वर्मा भी घटना स्थल पर पहुंचकर हर पहलुवों से जाँच पड़ताल करते रहे। वहीं एसोजी व फॉरेंसिक टीम पहुंची। मौके पर जब पुलिस पहुंची तो अज्ञात महिला का शव जमीन में गड़ा हुआ है जिसके हाथ का कुछ हिस्सा बाहर से दिख रहा रहा था। शव को बाहर निकलवाया गया जिसमें शरीर पर हरे रंग की कुर्ती पहनी हुई पायी गई थी। डीसीपी गंगानगर द्वारा बताया गया की हाल ही में गुमशुदगी की रिपोर्ट कहाँ कहाँ दर्ज है पता लगवाने की बात कही वहीं महिला की हत्या कैसे हुई क्या कारण है हर एंगल से जाँच पड़ताल में जुटे रहे। एसीपी थरवई चंद्रपाल सिंह ने बाइट में बताया की शनिवार की सुबह करीब साढ़े आठ बजे ग्रामीणों द्वारा पुलिस की सूचना मिली की थाना क्षेत्र थरवई के लखरावा गांव समीप बाग में जमीन में एक शव गड़ा हुआ है जिसकी सूचना पर पुलिस पहुंची एवं एसीपी थरवई ने बताया की प्रथम दृष्टया सिर पर चोट के निशान होना प्रतीत हो रहा है। लेकिन शव की पहचान नहीं हो सकी है। जिसकी उम्र करीब 25 वर्ष बताई जा रही है। जिसकी जाँच पड़ताल की जा रही है। पुलिस शव को कब्जे लेते हुए पीएम हेतु भेजा गया। पीएम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो पायेगा। पुलिस हर तरह से जाँच पड़ताल कर रही है।

रेप पीड़िता को धमकाने के आरोप में केस दर्ज

झूंसी। थाना क्षेत्र में रेप पीड़िता को धमकाने का एक गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस ने रेप के आरोपी की पत्नी और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। कीडगंज की रहने वाली एक महिला ने पैथोलॉजी संचालक विनोद मिश्रा पर उसकी मजबूरी का फायदा उठाकर शारीरिक संबंध बनाने और वीडियो वायरल करने का आरोप लगाया था, जिसके बाद विनोद मिश्रा के खिलाफ रेप का मामला दर्ज किया गया था। दो महीने बीत जाने के बाद भी मुख्य आरोपी विनोद मिश्रा फरार है। अब पीड़िता का आरोप है कि फरार आरोपी की पत्नी अमृता मिश्रा उसे मुकदमे में सुलह समझौते के लिए लगातार धमकी दे रही है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए शनिवार को अमृता मिश्रा और एक अज्ञात के खिलाफ धमकाने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी झूंसी महेश मिश्रा का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

शिवकुटी क्षेत्र में भांग विक्रेता पर बदमाशों ने की फायरिंग

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। शहर के शिवकुटी क्षेत्र में शनिवार सुबह बाइक सवार बदमाशों ने शिवकुटी इलाके में दहशत फैलाई। भांग विक्रेता अंशुल साहू पर फायर झोंक दिया। इससे स्थानीय लोगों में खलबली मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस छानबीन की तो कारतूस के खोखे मिले। पीड़ित से पूछताछ करते हुए सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। अभी तक घटना का कारण साफ नहीं हुआ है।बताया गया है कि शिवकुटी थाना क्षेत्र में आंबेडकर पार्क के भांग की लाइसेंसी दुकान है। वहां पर शिवकुटी का अंशुल भांग बेचता है। पीड़ित का आरोप है कि शनिवार सुबह जब वह दुकान पर मौजूद था, तभी एक बाइक से दो बदमाश आए और गाली-गलौज करते हुए तमंचे से फायरिंग की।एक-एक करके तीन गोली चलाई जिससे दुकान की शटर में छेद हो गया। अंशुल ने किसी तरह छिपकर अपनी जान बचाई। ताबड़तोड़ फायरिंग से स्थानीय लोगों में खलबली मच गई। खबर मिलते ही शिवकुटी पुलिस मौके पर पहुंची। घटना स्थल की जांच में तीन खोखे बरामद किए गए।

आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाला जा रहा है, ताकि हमलावरों को ट्रेस किया जा सके। घटना की वजह स्पष्ट नहीं है, लेकिन माना जा रहा है कि भांग खरीदने या बेचने के विवाद में फायरिंग की गई होगी।इस संबंध में इंस्पेक्टर शिवकुटी रुकुमपाल का कहना है कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से फायरिंग करने वालों की तलाश कर रही है। उनके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बिहार में एनडीए की प्रचंड जीत पर मेजा राजनैतिक दिग्गजों ने व्यक्त की अपनी प्रतिक्रिया

कहा - विहार चुनाव में देश के यशश्वी पीएम मोदी के अटूट विश्वास विकास और यूपी के कर्मयोगी सीएम योगी बाबा के बुलडोजर और नीतीश के सुशासन पर जनता ने जताया भरोसा

अखंड भारत संदेश

पंडित रामकृष्ण त्रिपाठी

प्रेमशंकर सिंह

प. नित्यानंद उपाध्याय

अशोक तिवारी समाजसेवी

संजय गौतम

रुचि तिवारी

मेजा। बिहार चुनाव में भाजपा की प्रचंड एवं ऐतिहासिक जीत होने पर मेजा के राजनैतिक दिग्गजों ने अपनी अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए देश के जनप्रिय यशस्वी पीएम मोदी, यूपी के कर्मयोगी सीएम योगी आदित्यनाथ और गृहमंत्री अमितशाह का आभार प्रकट किया है।

भाजपा नेता एवं वरिष्ठ समाजसेवी पंडित रामकृष्ण त्रिपाठी ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि देश की जनता ने पीएम मोदी के अटूट विश्वास व विकास और यूपी के सीएम योगी बाबा के बुल्डोजर एक्शन और नीतीश बाबू के सुशासन पर एक बार फिर से विश्वास जताया है। इसी क्रम गिरिराज चैरिटेबल के अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय सैनिक संस्था के प्रदेश अध्यक्ष प्रेमशंकर सिंह ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि प्रतिष्ठा बना विहार जीतकर पार्टी ने न केवल विपक्षी दलों का गुरूर तोड़ा है बल्कि उनकी तुष्टिकरण की राजनीति को भी ध्वस्त कर अपना राजनैतिक परचम लहराया है। वरिष्ठ समाजसेवी एवं विश्व हिंदू परिषद के यमुनापार जिलाध्यक्ष प. नित्यानंद उपाध्याय ने कहा कि विहार चुनाव में भाजपा की हुई प्रचंड एवं ऐतिहासिक जीत वहां के देवतुल्य मतदाताओं और कार्यकताओं के विश्वास की गौरवशाली तथा बड़ी जीत है।

भाजपा नेता एवं समाजसेवी अशोक तिवारी ने अपनी टिप्पणी में कहा कि पीएम मोदी के विकास की गारंटी और सीएम योगी बाबा के सुशासन बुल्डोजर एक्शन और सनातन धर्म की बड़ी जीत है। इसी क्रम में रिपब्लिकन पार्टी आफ इंडिया के प्रयागराज जिलाध्यक्ष संजय गौतम ने कहा कि बिहार में देश के यशश्वी पीएम के विकास की गारंटी,यूपी के सीएम योगी बाबा के बुल्डोजर एक्शन और बिहार के सीएम नीतीश बाबू पर बिहार की जनता ने एक फिर विश्वास जताया है। शिवसेना की प्रदेश सचिव रुचि तिवारी ने बिहार में भाजपा की प्रचंड एवं ऐतिहासिक जीत पर देश के भरोसे मंद जनप्रिय तथा यशश्वी पीएम मोदी और यूपी के सीएम योगी के साथ साथ सभी शीर्ष नेताओं का आभार जताते हुए इस जीत को बड़ी एवं ऐतिहासिक बताया है। उन्होंने कहा कि आने वाले 2027 के यूपी विधान सभा चुनाव में पार्टी इससे भी बड़ी जीत दर्ज करेगी।

गरीबों के बैंक खातों के दुरुपयोग का बड़ा खुलासा अंतरराष्ट्रीय फंडिंग नेटवर्क पर गंभीर आरोप

सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल मामला

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जिले में गरीब और भोली-भाली जनता के बैंक खातों के दुरुपयोग का एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। तहसील करछना अंतर्गत ग्राम गौरा अकोढ़ा, थाना कौंधियारा निवासी एक पीड़ित ने मुख्यमंत्री, पुलिस आयुक्त प्रयागराज, क्राइम ब्रांच प्रयागराज व एसीपी कौंधियारा और खीरी को संबोधित पत्र में बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। मामला इतना संवेदनशील है कि पिछले दो दिनों से सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। कई महिलाएँ भी वीडियो और पोस्ट के माध्यम से कौंधियारा क्षेत्र के कुछ लोगों पर आरोप लगा रही हैं, जिनकी पुष्टि हिन्दुस्तान अखबार नहीं करता है।पीड़ित के अनुसार, लगभग आठ लोगों के एक समूह द्वारा गरीब व अनपढ़ ग्रामीणों को बहला-फुसलाकर उनके खाते इंडियन पोस्ट बैंक सहित विभिन्न बैंकों में खुलवाए जाते हैं। आरोप है कि खाता खुलवाने के बाद पासबुक, एटीएम कार्ड व सिम कार्ड ग्रामीणों से ले लिया जाता है। इसके बाद प्रति खाते में कथित रूप से 40झ45 लाख रुपये तक विदेशों से हवाला के जरिए मंगाकर तुरंत निकाल लिए जाते हैं। खाते में करोड़ों रुपये के लेनदेन के बाद उसे सीज कर दिया जाता है, जबकि खाता धारकों को केवल 2 से 4 हजार रुपये देकर उन्हें वास्तविक गतिविधियों से अंजान रखा जाता है।पीड़ित का कहना है कि इस नेटवर्क से जुड़े लोग स्थानीय स्तर पर दबंगई करते हैं और ग्रामीणों को धमकाते हैं। कई खाताधारकों की पासबुक, एटीएम और सिम कार्ड महीनों से उनके पास हैं। जब ग्रामीण अपनी पासबुक मांगते हैं, तो उन्हें जान से मारने की धमकी दी जाती है।पीड़ित का आरोप है कि शिकायतें कई बार थाना कौंधियारा, खीरी और करछना में की गईं, लेकिन कथित रूप से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे ग्रामीणों में भय और असुरक्षा का माहौल बन गया है। पीड़ित ने उच्चस्तरीय कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि यह नेटवर्क न केवल आर्थिक अपराध है, बल्कि ग्रामीणों के जीवन पर गंभीर खतरा भी पैदा कर रहा है।प्रार्थना पत्र में पीड़ित ने मांग की है कि क्राइम ब्रांच, एसीपी कौंधियारा और एसीपी खीरी की संयुक्त टीम बनाकर मामले की गहन जांच की जाए और आरोपितों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

एसीपी कौंधियारा अब्दुस सलाम खान ने बताया कि स्थानीय लोगों के माध्यम से मामला संज्ञान में आया है। मामले की जांच की जा रही है और दोषियों को जेल भेजा जाएगा।

बेनी माधव सिंह पीजी कॉलेज का अंतर महाविद्यालयीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में दबदबा कायम

- 5 गोल्ड मेडल सहित 12 पदक
- अच्छी स्किल ही अच्छे विकास की ओर बढ़ाती है : सचिव माधुरी सिंह

अखंड भारत संदेश

थरवई। अंतर महाविद्यालयीय एथलेटिक्स एवं गोला फेंक खेल प्रतियोगिता प्रो राजेंद्र सिंह रज्जू भैय्या विश्वविद्यालय प्रयागराज में शुक्रवार को आयोजित हुआ जिसमें कई महाविद्यालयों के खिलाड़ियों ने प्रतिभा किया। इस दौरान प्रयागराज के चर्चित महाविद्यालय बेनी माधव सिंह पीजी कॉलेज बिगहिया जो निरंतर शिक्षा के साथ खेल में भी पदक हासिल करता हुआ अपना परचम लहरा रहा है।शुक्रवार को हुई एथलेटिक्स एवं गोला फेक में भी पांच गोल्ड मेडल सहित 12 पदक हासिल किया। जिसमें अंजली 100 मीटर सिल्वर मेडल बी ए सेकंड ईयर, रेशम 800 मीटर दौड़ गोल्ड मेडल बी ए तृतीय वर्ष, रूद्र प्रकाश तिवारी 800 मीटर दौड़ में सिल्वर मेडल एम ए प्रथम वर्ष, सागर सिंह 800 मीटर दौड़ ब्रांज मेडल बी ए प्रथम वर्ष, सागर सिंह 1500 मीटर दौड़ में सिल्वर मेडल बीए प्रथम वर्ष, महिला वर्ग में कविता पटेल 1500 मीटर दौड़ में ब्रांज मेडल बीपीएड प्रथम वर्ष, महिला वर्ग में रेशमा 5 किमी दौड़ में सिल्वर मेडल बीए तृतीय वर्ष, एवं रिले रेस में पुरुष वर्ग में गोल्ड मेडल, रिले रेस महिला वर्ग गोल्ड मेडल, रिले रेस मिक्स में गोल्ड मेडल एवं गोला फेंक में सुशील गोल्ड मेडल बीए तृतीय वर्ष महिला वर्ग गोला फेंक में पलक ब्रांज मेडल बीपीएड प्रथम वर्ष। इस जीत की खुशी में कॉलेज के प्राचार्य डॉ डी वी सिंह सचिव माधुरी सिंह, अध्यक्ष कृपा राम मिश्र, डॉ सीमा सिंह, डॉ बबिता सिंह, बीपीएड विभाग अध्यक्ष वी डी सिंह, राम प्रसाद, राम कैलाश, करुणेश शुक्ल, परवीन जहां, सुप्रीती मिश्रा, शालू पाण्डेय कॉलेज की प्रशासनिक अधिकारी गोपाल सिंह, सत्यनारायण मिश्र आदि सभी ने इस जीत की खुशी पर आभार जताया एवं ऐसे ही सफलता हासिल करते रहने की प्रेरणा दी।

प्रेस मीट का उद्देश्य मीडिया के साथ परियोजना प्रगति साझा करना और सुदृढ़ संबंध बनाना : अशेष कुमार

मेजा ऊर्जा निगम ने प्रेस मीट 2025 का किया आयोजन, निगम की उपलब्धियों और प्रमुख कार्यों की साझा की गई जानकारी सामुदायिक विकास एवं सतत वृद्धि के प्रति प्रतिबद्धता पर भी डाला गया प्रकाश

अखंड भारत संदेश

मेजा ऊर्जा निगम में आयोजित प्रेस मीट कार्यक्रम में प्रतिभाग करते मीडिया कर्मी

मेजा। मेजा ऊर्जा निगम ने शनिवार को सफलतापूर्वक प्रेस वार्ता 2025 का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के प्रमुख प्रेस और मीडिया संगठनों के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम की शुरूआत विवेक चंद्रा, विभागाध्यक्ष (मानव संसाधन) द्वारा स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने सभी मीडिया प्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया। इसके पश्चात मेजा ऊर्जा निगम के स्टेशन प्रदर्शन, सामाजिक उत्तरदायित्व पहलों, प्रमुख उपलब्धियों तथा पर्यावरणीय प्रयासों पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई।निगम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अशेष कुमार चट्टोपाध्याय ने मीडिया को संबोधित करते हुए मेजा ऊर्जा निगम की उपलब्धियों और प्रमुख कार्यों की जानकारी साझा की। उन्होंने संगठन की सामुदायिक विकास एवं सतत वृद्धि के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण तथा अन्य सामाजिक दायित्व गतिविधियों सहित के बारे में भी मीडिया से बात की। कार्यक्रम में अविजीत चटर्जी, मुख्य महाप्रबंधक (तकनीकी सेवाएँ),एन एन सिन्हा, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण), आनंद प्रकाश, महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट), अशोक कुमार सामल महाप्रबंधक (मेंटेनेंस), अमित रौतेला, मुख्य वित्तीय अधिकारी, डॉ. मनीषा पांडे (मुख्य चिकित्सा अधिकारी), एवं अजय सिंह, उप महाप्रबंधक मानव संसाधन–शामिल रहे। इस प्रेस मीट का मुख्य उद्देश्य मीडिया प्रतिनिधियों के साथ संवाद को सुदृढ़ करना तथा परियोजना की प्रगति और सामाजिक उत्तरदायित्व पहलों के संबंध में जानकारी साझा करना था।

जमानत आवेदन में अधूरे दस्तावेज और डिजिटलीकरण खामियों पर हाईकोर्ट की सख्त नाराजगी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अधिवक्ताओं द्वारा जमानत याचिका दाखिल करते समय पूर्ण दस्तावेज न जमा करने और डिजिटलीकरण प्रक्रिया में कमियों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की बेंच ने यह निर्देश औरैया निवासी जैनू यादव उर्फ नीरज उर्फ अंकुश यादव की जमानत अर्जी खारिज करते हुए जारी किए।

कोर्ट ने टिप्पणी की कि कई मामलों में अधिवक्ता जमानत याचिका की नोटिस देते समय अधूरे दस्तावेज पेश करते हैं और बाद में पूरक हलफनामों के जरिए अन्य दस्तावेज दाखिल करते हैं। लेकिन इन्हें रजिस्ट्री द्वारा स्कैन नहीं किया जाता, जिससे उच्च न्यायालय में दस्तावेजों के डिजिटलीकरण की प्रक्रिया का उद्देश्य विफल हो जाता है। इसके अलावा, स्कैनिंग की गुणवत्ता बेहद खराब होने की शिकायत भी की गई, जिससे दस्तावेज पढ़ने में कठिनाई होती है और अक्सर फाइल की हार्ड कॉपी देखने की आवश्यकता पड़ती है।

न्यायालय ने डिजिटलीकरण केंद्र के प्रभारी को निर्देश दिया कि यह सुनिश्चित किया जाए कि नए मामलों में दायर सभी पूरक हलफनामों को भी स्कैन कर डिजिटल मैनेजमेंट सिस्टम (डीएमएस) पर अपलोड किया जाए। साथ ही मामला उच्च न्यायालय आईटी समिति के समक्ष भी प्रस्तुत करने का आदेश दिया गया।जमानत अर्जी खारिज करते हुए कोर्ट ने बताया कि अपीलार्थी पर बीएनएस की गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज है और घायल पक्ष द्वारा सिर में गंभीर चोट पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। राज्य की ओर से एजीए ने जमानत का विरोध करते हुए कहा कि मेडिकल रिपोर्ट गंभीर चोट की पुष्टि करती है और आरोपी का आपराधिक इतिहास भी है। आरोपी 17 जुलाई से जेल में बंद है।

न्यूज झरोखा

एसओजी और मेजा पुलिस टीम ने लूट की घटना का किया अनावरण दो अभियुक्त गिरफ्तार

मेजा। लूट के मामले में वांछित दो आरोपियों को शनिवार को मुखबीर की सूचना पर एसओजी यमुनानगर और मेजा पुलिस की संयुक्त टीम ने मेजा के बोलन तिराहे से गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूट के माल बिक्री से प्राप्त 15,200 नकद एक जोड़ी पायल,दो जोड़ी चांदी की चैन तथा चार जोड़ी बिछिया बरामद करने में सफलता पाई है। उल्लेखनीय है कि मेजा थाना क्षेत्र के सिरसा बाजार निवासी शिकायत कर्ता राज सेठ पुत्र दीनानाथ सेठ ने बीते 17 जुलाई को मेजा थाने में तहरीर दिया था कि दुकान से घर जाते समय रास्ते में बरसैंता गांव के पास अज्ञात बाइक सवार व्यक्तियों ने उसकी बाइक नंबर यूपी 70 सी क्यू 1038 रुकवा कर उसके साथ मारपीट करते हुए बाइक की डिग्गी में काले रंग के बैग में रखा सोने व चांदी के आभूषण लूट लिए थे जिसके संबंध में थाना मेजा में उसकी तहरीर पर मुकदमा अपराध संख्या 379/25 पंजीकृत किया गया था जिसके क्रम में अनावरण हेतु एसओजी और मेजा पुलिस की गठित संयुक्त टीम ने मुखबिर की सूचना पर लूट में संलिप्त अभिषेक पाल और अजय भारतीय को बोलन तिराहे से गिरफ्तार कर उनके कब्जे नकदी सहित उक्त सामग्री बरामद करने में सफलता हासिल किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार दोनों आरोपियों ने लूट की वारदात को कबूल किया है। फिलहाल दोनों गिरफ्तार आरोपियों को पुलिस मेजा पुलिस ने जेल भेज दिया है।

05 स्थानों से हटाया गया अवैध अतिक्रमण

प्रयागराज। जनपद प्रयागराज के सभी तहसीलों में अवैध अतिक्रमण के विरूद्ध जिलाधिकारी के नेतृत्व में अभियान चलाया जा रहा है। शनिवार को बंजर, खलिहान, नवीन परती, चकमार्ग, तालाबी रकबा, सभी भूमि पर हुए अवैध अतिक्रमण के विरूद्ध व्यापक अभियान के क्रम में जनपद के सभी तहसीलों में कार्यवाही करते हुए कुल 05 स्थानों से अवैध अतिक्रमण हटाया गया। तहसील कोरांव के ग्राम बरनपुर में चकमार्ग, ग्राम टंगहा में रास्ता, ग्राम कंचनपुर में रास्ता व ग्राम बरनपुर में चकमार्ग की भूमि को अतिक्रमण मुक्त किया गया है। तहसील फूलपुर के ग्राम धमौर में ऊसर खाते की भूमि को अतिक्रमण मुक्त किया गया है। जिलाधिकारी प्रयागराज मनीष कुमार वर्मा द्वारा सभी तहसील के उपजिलाधिकारियों एवं अन्य अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि अतिक्रमण सम्बन्धित शिकायतों पर अविलम्ब कार्यवाही किया जाय, दूसरी ओर जिलाधिकारी प्रयागराज ने सभी उपजिलाधिकारी व तहसीलदार को निर्देशित किया है कि तहसील स्थित सरकारी भूमि/ग्राम सभा की भूमि का नवीन सर्वे करवायें तथा इसके आधार पर अतिक्रमण की श्रेणियों का निर्धारण करें तथा अतिक्रमण के विरूद्ध तद्नुसार कार्यवाही करें। अब तक इस अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आये तथा आने वाले दिनों में अतिक्रमण के विरूद्ध अभियान निरन्तर जारी रहेगा।

नौकरी के नाम पर लाखों की ठगी : एक महिला सहित तीन पर केस दर्ज

झूंसी। थाना क्षेत्र में नौकरी दिलाने के नाम पर एक दिव्यांग महिला से लाखों रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। कांशी राम आवास योजना निवासी पीड़िता सीमा पत्नी वीरू ने पुलिस को शिकायत की है। ?पीड़िता के अनुसार वर्ष 2022 में विश्वविद्यालय की जूनियर असिस्टेंट परीक्षा में नौकरी दिलाने के लिए हरिकेश द्विवेदी, अशोक मिश्रा उर्फ डॉक्टर और गायत्री पटेल ने उनसे चार लाख रुपये लिए थे। चयन न होने पर जब पीड़िता ने पैसे वापस माँगे तो आरोपियों ने इनकार कर दिया। आरोप है कि पैसे न देने पर तीनों ने मिलकर जातिसूचक गाली दी और मारपीट करने की कोशिश की। पीड़िता की तहरीर पर झूंसी पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ एससी/एसटी और धोखाधड़ी समेत कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस जाँच कर रही है।

सोरांव महोत्सव कार्यक्रम हुआ सम्पन्न : बच्चों ने दी मधुर - मधुर प्रस्तुतियां

सोरांव। शनिवार को जनपद प्रयागराज के विकास खंड सोरांव अंतर्गत राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोहरी प्रयागराज एवं सोरांव इंटर कॉलेज सोरांव के बच्चों ने दी मधुर - मधुर प्रस्तुतियाँ जसमें उपस्थित सभी लोगों ने बच्चों का तालियों के साथ उनका उत्साहवर्धन बढ़ाते रहे। यह कार्यक्रम विकास खंड सोरांव के मेवा लाल इंटर कॉलेज के खेल मैदान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गिरीश यादव व विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद केशरी देवी रहीं। सभी अतिथियों का भव्य स्वागत करते हुए स्वागत गीत के साथ प्रारम्भ हुआ। सोरांव महोत्सव कार्यक्रम में वन्देमातरम कार्यक्रम हुआ एवं उसके पश्चात दोनों विद्यालय के बच्चों ने लोक नृत्य में प्रतिभाग किया। बेहतर लोक नृत्य की प्रस्तुति पर उन्हे स्मृति चिह्न के साथ सम्मानित किया गया। इस मौके पर रवि भूषण एवं टीचर्स में डॉ रीना प्रधान, सरला देवी आदि मौजूद रहीं। लोक नृत्य में छात्राओं में प्रतिभग की थी जिसमें अर्निका मौर्या, शिवांगी यादव, आयुषी मौर्या, अंकिता आयुषी, सानिया जेहरा, रितिका, वंदिता, माधुरी आदि छात्राओं ने मधुर मधुर प्रस्तुतियाँ दीं।

आठ सूत्रीय मांगों को लेकर लेखपाल संघ ने धरना देकर मुख्यमंत्री के नाम सौपा ज्ञापन

बारा। लेखपाल संघ एक जुट होकर बारा तहसील परिसर में 10 बजे से 2 बजे तक प्रदेश संगठन के आव्हान पर अपनी आठ सूत्रीय मांगो को लेकर धरना पर बैठे रहे। मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन तहसीलदार बारा रोशनी सोलंकी को सौंपा।जिसमें सरकार से प्रारंभिक वेतनमान, आए सी पी विसंगति, डी पी सी,भत्तों में बृद्धि,पदनाम परिवर्तन,अंतर मंडलीय स्थानांतरण, पेंशन विसंगति, लेखपाल पदों की बृद्धि की मांग किया। इस मौके पर अशोक कुमार त्रिपाठी अध्यक्ष,नागेंद्र मिश्र, मिथिलेश कुमार मिश्र, अब्दुल कादिर, जयंत पाण्डेय, शिव सागर सिंह, अल्का यादव, प्रीती सिंह सहित कई लेखपाल मौजूद रहे।

कोरांव समाधान दिवस : डीएम के आदेश पर कई निस्तारण कर्ता अफसर कर्मी पर कार्रवाई

कोरांव। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा भले ही नहीं पहुंचे तहसील समाधान दिवस किरण शनिवार को किंतु उनके निदेर्शानुसार विगत तहसील दिवस के 51 निस्तारित प्रकरणों का 17 जिला स्तरीय अधिकारियों से कराया गया था परीक्षण जिसमें 02 कार्मिको के विरूद्ध विभागीय कार्यवाही एवं 06 कार्मिको को प्रतिकूल प्रविष्टि निर्गत किये जाने के दिए निर्देश दिए गए। बता दें कि दिनांक 15.11.2025 को तहसील कोरांव, प्रयागराज में सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार विगत तहसील दिवस के निस्तारित प्रकरणों में से रैण्डम आधार पर 51 निस्तारित प्रकरणों का परीक्षण 17 जिला स्तरीय अधिकारियों से कराया गया, जिसमें 08 ऐसे प्रकरण पाये गये जो जिला स्तरीय अधिकारियों के परीक्षण में शिकायतकताओं से असंतोषजनक फीडबैक प्राप्त हुआ। शिकायत के कम में श्री आशीष सिंह, लेखपाल, पूरालक्षन, कोरांव, श्री शिवशंकर यादव, एस०आई० द्वारा सरसरी तौर पर बिना प्रकरण निस्तारण किये ही आख्या प्रस्तुत की गयी है। इन लोगों के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही से नवाजा गया। शिकायत के क्रम में श्री प्रदीप कुमार, लेखपाल, श्री चन्द्रकान्त द्विवेदी, राजस्व निरीक्षक कोरांव, श्री हरिशचन्द्र, लेखपाल, कोरांव, श्री दलजीत सिंह, लेखपाल कोरांव, श्री नौसाद अहमद सिद्दीकी, लेखपाल, कोरांव, श्री सुभम मिश्र, लेखपाल, ढेरहन, कोरांव द्वारा बिना निस्तारण किये असंतोषजनक आख्या प्रस्तुत की गयी है। (प्रतिकूल प्रविष्टि निर्गत किय जाय) उक्त के क्रम में जिलाधिकारी, प्रयागराज द्वारा यह निर्देश दिया गया कि जिन अधिकारी कर्मचारियों ने सरसरी तौर पर सतही व असंतोषजनक आख्या प्रस्तुत की है जिस हेतु 02 कार्मिको को विभागीय कार्यवाही एवं 06 कार्मिको को प्रतिकूल प्रविष्टि निर्गत किया जाय।

कोतवाल पट्टी के विरोध में उतरे रामलीला कमेटी के कार्यकर्ता, स्थानांतरण के बाद ही मेले का होगा उद्घाटन

- कोतवाल पट्टी के स्थानांतरण तक नहीं लगेगा पट्टी का ऐतिहासिक दशहरा मेला
- नहीं होगा उद्घाटन,नही निकलेगी राम बारात, रावण दहन का भी प्रोग्राम स्थगित

अखंड भारत संदेश

पट्टी। कोतवाल अभिषेक सिरोही द्वारा दुकानदार को जूते से पीटने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। रामलीला समिति ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कोतवाल के स्थानांतरण तक मेले के उद्घाटन सहित अन्य तमाम कार्यक्रमों को स्थगित कर दिया है। विभिन्न संगठनों ने भी इस घटना पर अपना आक्रोश व्यक्त किया है। कोतवाल द्वारा सीतापुर के फर्नीचर व्यापारी को जूतों से पीटे जाने की घटना को लेकर चारों तरफ निंदा हो रही है। वहीं जिले के आलाअफसर इस पूरे घटनाक्रम पर लीपापोती करते नजर आ रहे हैं। बता दें कि शुक्रवार की दोपहर में कोतवाल पट्टी अभिषेक सिरोही अपने कुछ सिपाहियों के साथ मेला ग्राउंड में पहुंचे और उन्होंने दुकानदारों को धमकाना शुरू कर दिया। इसी बीच सीतापुर के फर्नीचर व्यापारी मोहम्मद सफीक को उन्होंने लात और जूते से मारना शुरू कर दिया। कोतवाल कि इस कार्रवाई से आसपास के दुकानदार अपना सामान उठाकर भागने लगे। मामले की सूचना पाते ही मेला समिति के लोग मौके पर पहुंचे तो कोतवाल वहां से थाने जा चुके थे। इधर थोड़ी देर बाद ही कोतवाल पट्टी अभिषेक सिरोही अपने थाने की फोर्स भेज कर व्यापारी को जबरन थाने लाने का प्रयास करने लगे, जिस पर मेला समिति के लोग सामने आ गए और पुलिस तथा समिति के लोगों में नोक झोंक शुरू हो गई। मामला बढ़ता देख मेला समिति के तमाम पदाधिकारी मौके पर इकट्ठा हो गए। मेला समिति के महामंत्री अशोक श्रीवास्तव समिति के लोगों को लेकर थाने पहुंचे और कोतवाल के कृत्य पर नाराजगी जाहिर की। कोतवाल ने कहा मेरी जो मर्जी वही करूंगा, मेरा कोई बाल बांका नहीं कर सकता।इस मामले से आक्रोशित रामलीला समिति ने पूरे घटनाक्रम से पुलिस क्षेत्राधिकारी को रात में ही एक ज्ञापन देकर अवगत कराया। शनिवार के दिन मेला समिति के अध्यक्ष के नेतृत्व में तमाम पदाधिकारी जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से मिले उन्हें भी प्रार्थना पत्र दिया कि जब तक पट्टी कोतवाल अभिषेक सिरोही का स्थानांतरण और उनके विरुद्ध कार्यवाही नहीं हो जाती तब तक मेले का उद्घाटन नहीं होगा। साथ ही रावण दहन और भरत मिलाप का कार्यक्रम भी नहीं कराया जाएगा। समिति द्वारा शनिवार को दोपहर करीब 2 बजे प्रेस कांफ्रेंस करके मामले की जानकारी दी गई। इस घटना को लेकर व्यापार मंडल पट्टी विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, सहित तमाम संगठनों ने निंदा की है। क्षेत्र में भी कोतवाल द्वारा व्यापारी को पीटे जाने का यह मामला चर्चा में है । इस दौरान मेला समिति के अध्यक्ष जुग्गीलाल जायसवाल, महामंत्री अशोक श्रीवास्तव, संरक्षक खेदन लाल जायसवाल, उपाध्यक्ष रामचंद्र जायसवाल, राम प्रकाश, राकेश सिंह, राजू सिंह, अरविंद तिवारी समेत समिति के समस्त पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कोर्ट के आदेश पर भी नहीं हट रहा अतिक्रमण, शिकायत

प्रतापगढ़। बंजर जमीन पर किया गया अतिक्रमण कोर्ट के आदेश के बावजूद खाली नहीं कराया जा सका। अतिक्रमण से बनी समस्या के चलते मामले की शिकायत तहसीलदार से की गयी है। पूरे बहादुर गांव निवासी रवीन्द्र भूषण मिश्र पुत्र रामकिशोर मिश्र ने शनिवार को तहसीलदार को दिये गये शिकायती प्रार्थना पत्र मे कहा है कि ग्राम पंचायत में बंजर भूमि पर हुए अतिक्रमण को हटवाने को लेकर कोर्ट के आदेश के बावजूद अभी तक आरोपी ने अतिक्रमण नही हटाया है। कोर्ट द्वारा निर्धारित समय के बावजूद यथास्थिति बनी हुई है। शिकायतकर्ता ने शिकायती पत्र के जरिये कहा है कि आदेश के बावजूद अतिक्रमणी रामराज व अन्य द्वारा बंजर भूमि को खाली न करके बेखौफी से काबिज है। शिकायतकर्ता ने अतिक्रमण हटवाकर भूमि को अवमुक्त कराने की मांग की है।

न्यूज झरोखा

भगवान के प्रति श्रद्धाभाव में फलीभूत हुआ करता है मंगल : सन्त शरण जी

प्रतापगढ़। अझारा वार्ड के केशवपुर में हो रही श्रीमदभागवत कथा में शनिवार को श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी दिखी। कथाव्यास अयोध्या धाम से पधारे डॉ0 सन्त शरण त्रिपाठी जी ने कहा कि नास्तिक व्यक्ति भी यदि भगवान के शरणागत हो जाया करता है तब भगवान उस पर कृपा किया करते हैं। उन्होने कहा कि भगवान की शरण में पहुंचना ही प्रारब्ध का मंगल हुआ करता है। कथाव्यास ने बताया कि भगवान की कृपा तभी मिला करती है जब आराधना का भाव निर्मल हो। उन्होने भगवान के नामकरण के मांगलिक दिवस का भी भावपूर्ण वर्णन किया। भगवान की कथा में व्यासपीठ से कन्हैया की बाल लीलाओं का प्रसंग सुनकर श्रद्धालु मगन दिखे। शुक्रवार की देर शाम क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना भी कथा सुनने पहुंची। विधायक मोना ने स्वयं तथा राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी की ओर से कथावाचक डॉ0 सन्त शरण त्रिपाठी जी को सम्मानित किया। संचालन वरिष्ठ साहित्यकार विशालमूर्ति मिश्र ने किया। कथा के संयोजक रमाकांत मिश्र व हरिशंकर मिश्र ने व्यासपीठ का पूजन अर्चन किया। सह संयोजक चेतन मिश्र ने आभार जताया। इस मौके पर प्रकाशचंद्र मिश्र, डॉ0 ज्ञानेन्द्रनाथ त्रिपाठी, शिवकृपाल शुक्ला, रामलोचन त्रिपाठी, राजेन्द्र द्विवेदी, संजय सिंह, संतोष सिंह, भास्करपाल मिश्र, देवानंद मिश्र, केडी मिश्र, पप्पू तिवारी, मुरलीधर तिवारी आदि रहे।

मतदाता सूची सत्यापन में लापरवाही, बिना जांच बीएलओ ने भेज दी गलत रिपोर्ट

बेलखरनाथ धाम। मतदाता सूची सत्यापन में घोर लापरवाही का मामला सामने आया है। जिसकी शिकायत युवक ने अधिकारियों से करते हुए कार्रवाई की मांग की है। रानीगंज तहसील क्षेत्र के पिपरी खालसा गांव में मतदाता सूची सत्यापन का कार्य बीएलओ पंकज और यसवन्त कर रहे हैं।आरोप है कि उन्होंने किसी भी मतदाता से संपर्क किए बिना ही तथा बगैर आधार कार्ड लिए ही अपनी रिपोर्ट भेज दी है। गांव के अभिषेक मिश्रा ने इस मामले की शिकायत जिलाधिकारी से करते हुए कार्रवाई की मांग की है।

युवक को लाठी डंडों से मार-पीट कर किया घायल

पट्टी। बारात आए युवक को मार-पीट कर घायल कर दिया। सुल्तानपुर जनपद के चांदा थाना अंतर्गत भौंरियार गांव निवासी अंकित पुत्र खिमालीराम बीती रात विनैका गांव में बारात में शामिल होने आया था। पीड़ित ने बताया कि बारात में पहले घराती बराती में विवाद हो रहा था। कुछ बराती भी बीच बचाव को चले गए थे।एक बराती कोघर लौटतेसमय घरातियों ने रोक कर जमकर मारा पीटा। जिससे वह लहू-लुहान हो गया। शनिवार को पीड़ित ने दोपहर में घरातियो के विरुद्ध प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस घायल को मेडिकल के लिए भेजते हुए अग्रिम कार्रवाई में जुटी हुई है।

मिश्रौली से सूडेमऊ तक जाने वाली सड़क खराब

बेलखरनाथ धाम। मिश्रौली से सूडेमऊ तक जाने वाली पक्की खराब हो गई है।इस पर पैदल चलना भी दूभर हो गया है।यह सड़क बसपा शासन काल में बनाई गई थी।विकासखंड बाबा बेलखरनाथ धाम क्षेत्र के सांगापट्टी से होकर मिश्रौली व सूडेमऊ गांव तक जाने वाली बदहाल हो गई है।इस पर राहगीरों का पैदल चलना दूभर हो गया है। इस सड़क का निर्माण तत्कालीन पूर्व बसपा विधायक राम शिरोमणि शुक्ला द्वारा वर्ष 2008 में कराया गया था। इसके बाद से इस सड़क पर कोई भी मरम्मत का कार्य नहीं हुआ। इस सड़क की हालत इस तरह हो गई है कि पैदल भी नहीं जा सकते क्योंकि बड़े बड़े गिट्टियां ही दिखाई पड रही है। जबकि यह सड़क सूडेमऊ से गजरिया होते हुए बीरापुर और पृथ्वीगंज बाजार को जोड़ती है। गांव के हरिश्चंद्र विश्वकर्मा, उमाशंकर , राजकुमार, कृपा शंकर रमाशंकर यादव सहित के सैकड़ो लोगों में जिला अधिकारी व विभागीय अधिकारियों का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराते हुए सड़क की मरम्मत कराएं जाने की मांग की है।

श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन मनुष्य के पाप-पुण्य का किया वर्णन

पट्टी। पौराणिक धाम बाबा बेलखरनाथ में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन शनिवार को कथा वाचिका किशोरी मनु प्रिया ने मनुष्य द्वारा किए गए पाप-पुण्यों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि मनुष्य द्वारा किए गए पाप-पुण्य की सजा मनुष्य को धरती पर ही मिलती है। जिससे उन्हें अहसास होता है कि उन्होंने जीवन में किस प्रकार की व्यथा को ग्रहण किया है। संसार में भक्ति, ज्ञान और वैराग्य तीन त्रिवेणी है। जिससे मनुष्य को सीखकर आगे की ओर बढ़ना होता है। उन्होंने बताया कि जिस प्रकार राजा को सात दिन में मृत्यु लोक जाने का श्राप दिया गया था। उसी प्रकार मनुष्य द्वारा किए गए पाप-पूण्यों का भी हिसाब परमात्मा द्वारा इसी युग में किया जाता है। मनुष्य द्वारा किए गए पाप का एक ही साधन है श्रीकृष्ण। जिससे हर पाप से मुक्ति मिलना संभव है। कृष्ण की भक्ति से हर विकट परिस्थिति से लड़ा जा सकता है। इस दौरान महिलाओं ने कथा को ध्यानपूर्वक सुना और जीवन में अमल करने की बात कही।इस दौरान बद्रीनाथ गिरी विश्वनाथ गिरी, प्रवीण मिश्रा, प्रदीप पांडेय, श्रवण कुमार मिश्रा, प्रिंस, पंकज कुमार, शिवम पंडित, संतोष कुमार, ओम प्रकाश, रमेश, जितेंद्र सहित तमाम क्षेत्रीय लोग मौजूद रहें।

विभिन्न मांगों को लेकर लेखपाल संघ ने एडीएम को सौंपा ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

लालगंज। तहसील सभागार में चल रहे शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस पर लेखपाल संघ ने एडीएम आदित्य प्रजापति को आठ सूत्रीय मांग पत्र सौपा। लेखपाल संघ ने मांग पत्र पर शीघ्र कार्रवाई न होने पर आंदोलन की चेतावनी भी दी। लेखपाल संघ अध्यक्ष केके सरोज की अगुवाई में लेखपालों ने एडीएम को ज्ञापन के जरिए आठ सूत्रीय मांग पत्र पर कार्रवाई की आवाज बुलन्द की। संघ के अध्यक्ष ने कहा कि ज्ञापन के जरिए लेखपालों का मण्डल स्तरीय स्थानांतरण व्यवस्था, योग्यता इण्टर से स्नातक किये जाने और वेतनमान ग्रेड बढ़ाये जाने समेत आठ मांगों पर कार्रवाई की मांग की गयी है। अध्यक्ष ने कहा कि मामले में मांग पत्र पर कार्रवाई न होने की दशा में लेखपाल संघ विरोध प्रदर्शन तेज करने को मजबूर होगा। इस मौके पर लेखपाल संघ के मंत्री मो0 अकरम, उपाध्यक्ष विनोद यादव, जिला मंत्री प्रतिमा सिंह, जितेन्द्र शुक्ल, आशीष तिवारी, केके सिंह, आनन्द सरोज, इरफान अहमद आदि लेखपाल मौजूद रहे।

पिता पुत्र पर बाइक सवार युवकों ने किया हमला

बेलखरनाथ धाम। आटो पार्ट की दुकान पर बैठकर हिसाब कर रहे पिता पुत्र पर बाइक सवार पांच युवकों ने हाकी राड से हमला कर अधमरा कर दिया।इस मामले में पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कारवाई की मांग की है। दिलीपपुर थाना क्षेत्र के चालाकपुर निवासी राजेश दुबे गुरुवार की शाम बेटे अनुज दुबे के साथ कोठियाही गांव स्थित अपनी आटो पार्ट की दुकान पर बैठकर हिसाब कर रहे थे।इसी बीच दो बाइक से पहुंचे पांच हमलावर पहुंचे और हाकी सरिया से हमला कर दिया।इस हमले में अनुज गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस घायल अनुज को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।इस मामले में पिता राजेश कुमार दुबे की तहरीर पर दिलीपपुर पुलिस ने सागर सिंह, अनुराग सिंह, उर्फ भोला, आदर्श सिंह, उर्फ राणा, आदर्श सिंह उर्फ गोपाल निवासी अमरपुर तथा दर्पण मिश्रा निवासी रतनमई थाना दिलीपपुर के खिलाफ जानलेवा हमला सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।थानाध्यक्ष दिलीपपुर अंकुर कैथवास ने बताया कि कुछ दिन पूर्व अनुज दुबे और आरोपी युवकों के बीच कहासुनी हुई थी, उसी बात को लेकर मारपीट हुई है आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर तलाश की जा रही है।

सुरक्षा एवं अधिकार को लेकर अधिवक्ताओं ने संघर्ष का लिया संकल्प, हुआ सम्मान

अखंड भारत संदेश

लालगंज। स्थानीय तहसील सभागार में शनिवार को संयुक्त अधिवक्ता संघ द्वारा अधिवक्ता सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संघ के अध्यक्ष अनिल तिवारी महेश तथा वरिष्ठ उपाध्यक्ष अम्बुज पाण्डेय एवं उपाध्यक्ष आशीष कुमार तिवारी तथा महामंत्री हरिश्चंद्र पाण्डेय ने वरिष्ठ अधिवक्ता बेनीलाल शुक्ल, टीपी यादव, राजेशचंद्र तिवारी, राकेश त्रिपाठी, गीता सिंह व हिना अंसारी को मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। वकीलों द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बार कौंसिल के चुनाव में संघ के अध्यक्ष अनिल तिवारी महेश को भरपूर समर्थन दिये जाने का भरोसा दिलाया गया। कार्यक्रम में आल इण्डिया रूरल बार एसोसिएसन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने साथियों को अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम के संघर्ष के मसौदे की जानकारियां दी। उन्होने आगामी सत्रह नवंबर को प्रयागराज में बार कौंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश मुख्यालय पर अनिल कुमार तिवारी महेश के नामांकन कार्यक्रमों की भी साथियों को विधिवत जानकारी प्रदान की। अध्यक्षता करते हुए अनिल तिवारी महेश ने बार कौंसिल के चुनाव में सभी पंजीकृत अधिवक्ताओं को हर हाल में मतदाता सूची में शामिल किये जाने की मांग उठाई। उन्होने अधिवक्ताओ के अधिकार तथा सुरक्षा को लेकर प्रदेशव्यापी संघर्ष को मजबूत बनाने का संकल्प जताया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व अध्यक्ष देवी प्रसाद मिश्र ने किया। वरिष्ठ अधिवक्ता अबरार अहमद, सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता राकेश त्रिपाठी, गीता सिंह, टीपी यादव, बेनीलाल शुक्ल ने अधिवक्ताओं की कल्याणकारी योजनाओ को लेकर विचार रखे। आभार प्रदर्शन वरिष्ठ अधिवक्ता अनूप पाण्डेय ने किया। इस मौके पर संतोष पाण्डेय, मस्तराम पाल, संतोष सरोज, पारसनाथ सरोज, सूर्यकांत निराला, विभाकर नाथ शुक्ल, सिंटू मिश्र, नामवर सिंह, प्रमोद सिंह, विपिन शुक्ला, शिवनारायण शुक्ला आदि अधिवक्ता रहे।

मानक विहीन सड़क को लेकर ग्रामीणों ने जताया आक्रोश

अखंड भारत संदेश

पट्टी। मानक विहीन सड़क को लेकर लवेदा गांव के ग्रामीण विरोध जताते हुए शनिवार की सुबह धरना प्रदर्शन किया है। आसपुर देवसरा ब्लॉक क्षेत्र के गांव लवेदा में विभाग की तरफ से दाउदपुर सैफाबाद संपर्क मार्ग से जोड़ने वाली सड़क लबेदा गांव के यादव बस्ती से होकर ब्राह्मण बस्ती को जाती है। इन दिनों सड़क बनाने का काम चल रहा हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि सड़क में इतनी घटिया सामग्री का प्रयोग किया गया है। गाड़ी जाने से गिट्टी व डामर बिखर जा रहा है। जिसको लेकर शनिवार की सुबह 9 बजे ब्राह्मण बस्ती व यादव बस्ती के ग्रामीणों ने विभाग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए सड़क मानक पर बनाने जाने की मांग की है। ग्रामीणों ने जिले की उच्च अधिकारियों का ध्यान आकृष करते हुए समस्या से निजात दिलाए जाने की मांग की है। इस मौके पर ग्रामीण सचिन यादव ,विकास , समर बहादुर, रमजान खान ,शिव प्रकाश वर्मा, जयदीप, सहित दर्जन भर ग्रामीण मौजूद रहे।

पीड़ित की तहरीर बदलकर दर्ज किया केस, सीओ से शिकायत

प्रतापगढ़। पीड़ित की तहरीर बदलकर पुलिस ने मनगढ़न्त कहानी बनाकर आरोपियो के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। इसकी जानकारी होने पर शनिवार को पीड़ित ने सम्पूर्ण समाधान दिवस पर सीओ से शिकायत की है। उदयपुर थाना क्षेत्र के राजापुर गांव निवासी नटवर लाल सोनी पुत्र जीतलाल सोनी भाजपा किसान मोर्चा के मण्डल अध्यक्ष हैं। पीड़ित का आरोप है कि बीते तेरह नवंबर की रात करीब साढ़े आठ बजे उसका पुत्र चित्रांशु सोनी ग्राम पंचायत के उपाई का पुरवा में निमंत्रण गया था। जहां गांव के पूरे पंचम निवासी मनोज यादव पुत्र दीनानाथ प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को गालियां दे रहा था। जिसका पीडित के पुत्र चित्रांशु ने विरोध किया तो वह मारपीट पर आमदा हो गया। किसी तरह बचकर पीड़ित का पुत्र घर पहुंचा। आरोपी मनोज अपने साथियों रोहित यादव पुत्र राजेन्द्र, शिवा यादव पुत्र फूलचंद्र निवासीगण पूरे भगवत वीरगढ़ व समरजीत, अमरजीत पुत्रगण सदाशिव यादव, अनुभव यादव पुत्र कृष्ण कुमार यादव निवासी पूरे सूबेदार बारा थाना डीह, रायबरेली तथा कुछ अज्ञात के साथ घर पर आ पहुंचा। आरोपियो ने गालीगलौज करते हुए मेरे पुत्र को मारापीटा और जान से मारने की धमकी देते चले गये। पीड़ित ने सीओ को दिये गये शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि पुलिस ने उक्त तहरीर बदलकर डीजे पर गाना बजाने को लेकर हुई मारपीट की मनगढ़न्त कहानी खुद बना ली। इसके बाद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। सीओ आशुतोष मिश्र का कहना है कि जांच में डीजे बजाने को लेकर हुए विवाद में मारपीट हुई थी। इसके बावजूद पीड़ित से जांच में अपना पक्ष रखने की बात कही गयी है।

बाल मेला में बच्चों ने लगाया विभिन्न व्यंजनों के स्टाल, उठाया आनन्द

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। बाल दिवस के अवसर पर नगर क्षेत्र के महुली स्थित संस्कार प्रज्ञा वर्धन एकेडमी में बाल दिवस पर मेले का आयोजन बच्चों द्वारा किया गया। इस मौके पर बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार के विद्यालय परिसर में विभिन्न व्यंजनों के स्टाल लगाए गये,जहां पर लोगों ने खरीदारी कर मेले का आनंद उठाया। इस मौके पर विद्यालय की संचालिका राजेश नीतू अग्रवाल , मधुसूदन आचार्य, राजेश अग्रवाल सहित आदि ने मेले में भ्रमण कर बच्चों द्वारा बनाए गए व्यंजनों को चख कर उत्सवर्धन किया।इस मौके पर राजेश अग्रवाल ने बच्चों द्वारा लगाए गए मेले का भ्रमण करने के उपरांत कहा कि बच्चे मन के सच्चे होते हैं, जो कि कल के निमार्ता भी कहे जाते हैं। देश का भविष्य बच्चों पर ही निर्भर है। क्योंकि, यदि बच्चों का अच्छा भविष्य होगा, तो आने वाले समय में भारत का भी बेहतर भविष्य होगा। इस मौके पर विद्यालय की शिक्षक शिक्षिकाओं का सराहनीय सहयोग रहा।

समाधान दिवस में एडीएम ने सुनीं शिकायतें एक सौ बावन में ग्यारह का निस्तारण

अखंड भारत संदेश

लालगंज। तहसील समाधान दिवस में अपर जिलाधिकारी आदित्य प्रजापति ने शिकायतो की सुनवाई की। समाधान दिवस मे एक सौ बावन शिकायतों मे ग्यारह का अफसरो ने निस्तारण कराया। सर्वाधिक शिकायतें राजस्व विभाग की सत्तान्वे, पुलिस इक्तीस, विकास चार, विद्युत विभाग सात, आपूर्ति एक व अन्य विभागों की ग्यारह रही। एडीएम आदित्य ने राजस्व एवं पुलिस से जुडी शिकायतों पर निस्तारण के बाबत संयुक्त टीम का गठन कराया। वही पिछले समाधान दिवस की शिकायतो की समीक्षा करते हुए एडीएम ने अभी तक लंबित शिकायतो को लेकर तहसीलदार गरिमा वर्मा को चेतावनी दी। एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा व सीओ आशुतोष मिश्र ने भी प्रार्थना पत्रो की सुनवाई की। इस मौके पर नायब तहसीलदार पंकज कुमार, नायब तहसीलदार वीरेन्द्र मिश्र, एसडीओ विद्युत आशुतोष कुमार, पूर्ति निरीक्षक अमित शुक्ला, अधीक्षक डा0 अरविंद गुप्ता आदि मौजूद रहे।

लोहे की राड से हमला, चार के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

बेलखरनाथ धाम। दिलीपपुर थाना क्षेत्र के रसोईया निवासी मुश्ताक अली ने पुलिस को तहरीर देते हुए बताया कि गुरुवार की शाम 7 बजे पुरानी रंजिश को लेकर गांव के ही आधा दर्जन से अधिक लोग लोहे की राड तथा लाठी डंडा से हमला कर दिया । शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोगों को आता देख हमलावर भाग निकले।पीड़ित का आरोप है कि इससे पूर्व भी रात 11 बजे उक्त लोगों द्वारा घर पर चढ़कर गाली देने जान से मारने की धमकी दी गई थी।उस दौरान डायल 112 पुलिस को सूचना दी गई थी।बुधवार को हुए हमले की शिकायत पीड़ित ने दिलीपपुर पुलिस से की है ।जांच के बाद पुलिस ने रसोईया गांव के अब्दुल रहमान, रुस्तम तथा जुल्फी इंतजार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

जामताली में ऑल इंडिया ड्राइवर यूनियन द्वारा निकाली गई रैली

ड्राइवरो ने उठाई ड्राइवर कल्याण बोर्ड के गठन की मांग

अखंड भारत संदेश

पट्टी। रानीगंज तहसील क्षेत्र के जामताली चुंगी गांव से रविवार को ऑल इंडिया ड्राइवर यूनियन के बैनर तले ड्राइवर की समस्या को लेकर एक रैली निकाली गई। यह रैली जामताली चुंगी गांव से डीजे के साथ जामताली उड़ैयाडीह होते हुए मुजाही पहुंची। जागरूकता रैली में यातायात नियमों का पालन करने, गाड़ी चलाते समय फोन पर बात न करने, गाड़ी सावधानीपूर्वक चलाने, ओवरटेक करते समय नियम का पालन करने, वाहन चलाते समय यूनिफॉर्म वर्दी अनिवार्य रूप से पहनने, और ड्राइवर के हर सुख दुख में सभी ड्राइवरो को साथ खड़े रहने के लिए जागरूक किया गया।यह रैली शाम को जामताली कमलेश्वर नाथ धाम पहुंची। जहां पर एक सभा के रूप में तब्दील हो गई। रैली को संबोधित करते हुए आल इंडिया ड्राइवर यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश पटेल ने कहा कि ड्राइवर हमेशा जान को जोखिम में डालकर कार्य करता है। ड्राइवर के परिवार के खुशहाली के लिए ड्राइवर कल्याण बोर्ड का गठन होना चाहिए। सरकार से न्यूनतम मजदूरी 25000 रुपए दुर्घटना बीमा, वृद्धा पेंशन, मुफ्त इलाज, मुक्त शिक्षा, शादी अनुदान, ड्राइवर कानून सुरक्षा, ड्राइवर कल्याण बोर्ड के गठन की सरकार से मांग किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ऑल इंडिया ड्राइवर यूनियन के जिलाध्यक्ष कर्नल गौड़ ने ड्राइवरो की समस्या को गंभीरता से लेते हुए कहा कि ड्राइवर को अपनी पहचान नहीं खोनी चाहिए और ड्यूटी के समय ड्राइवर को यूनिफॉर्म वर्दी में रहना चाहिए। यातायात नियम का सदैव पालन करना चाहिए। इससे हो रही दुर्घटनाओं पर अंकुश लगेगा। जिला अध्यक्ष ने ड्राइवर के आकस्मिक मौत पर दुर्घटना मुआवजा, विकलांग होने पर निशुल्क दवा, और ड्राइवर के लिए 24 घंटे एमरजैंसी एम्बुलेंस सेवा की व्यवस्था की सरकार से मांग किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से ऑल इंडिया ड्राइवर यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश पटेल, जिला अध्यक्ष कर्नल गौड़, मनीषा चैहान उत्तराखंड, शेषनारायण शुक्ल, प्रभाषणकर शुक्ल, गणेश चैरसिया, संजय पाल, शेर बहादुर, भानु प्रताप, मनोज, सुरेंद्र, प्रमोद, विवेक, विनोद, चंद्र प्रकाश, सुनील, हंसराज, शिव प्रकाश, अरुण, वीरेंद्र, मंजीत, रामचंद्र, रमाशंकर, राजकुमार,सोनू, वीरेंद्र, शीतला प्रसाद, प्रहलाद, राहुल, रामू,संजय, अखिलेश, सहित सैकड़ो ड्राइवर मौजूद रहे।

बाइक सवारों को चार पहिया ने मारी टक्कर तीन घायल

अखंड भारत संदेश

हर्रायपुर कौशाम्बी। संदीपन घाट थाना क्षेत्र के अंतर्गत मेला बाग मूरतगंज के सामने शनिवार को एक तेज रफ़्तार चार पहिया वाहन ने बाइक सवार तीन लोगो को जोरदार टक्कर मार दिया जिससे बाइक सवार सड़क पर गिर पड़े हैं और घायल हो गए हैं दुर्घटना देखकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे मामले की सूचना पुलिस और एंबुलेंस को दी गई है मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस से घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया है जहां घायलों की हालत गंभीर बताई जाती है दुर्घटना की जानकारी मिलते ही परिवार के लोग भी पहुंच गए हैं। जानकारी के मुताबिक करन पुत्र हीरा लाल निवासी काजीपुर अपने साथी रूपचन्द पुत्र रामबाबू निवासी भीखमपुर व एक अज्ञात व्यक्ति के साथ एक बाइक से तीनों लोग शनिवार की दोपहर बाइक से मूरतगंज की ओर जा रहे थे जैसे ही बाइक सवार मूरतगंज कस्बे के मेला बाग के पास पहुंचे तेजगति अनियंत्रित कार ने बाइक सवारों को जोरदार टक्कर मार दिया जिससे बाइक सवार सड़क पर गिर पड़े और इस दुर्घटना में तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं हादसा देखकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और लोगो ने मामले की सूचना पुलिस और एंबुलेंस को दी है मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को मूरतगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां घायलों की हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया है दुर्घटना के बाद कार सवार मौके से फरार हो गया है जिसकी तलाश पुलिस कर रही है।

दुर्घटना के बाद मौके से फरार हुआ कार चालक पुलिस कर रही तलाश

चार पहिया वाहन ने बाइक सवार को मारी टक्कर एक घायल

हर्रायपुर कौशांबी। कोखराज थाना क्षेत्र के अंतर्गत रोही चौराहा के पास शनिवार लगभग 12:00 बजे दोपहर चार पहिया वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मारी जिससे बाइक सवार गंभीर घायल हो गया स्थानीय लोगों ने 108 पर फोन करके एंबुलेंस की मदद से घायल को मूरतगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर होने की वजह से जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार गोलू पटेल पुत्र ओमप्रकाश निवासी टिकरा थाना कोखराज अपने साथी मुकेश पटेल पुत्र छत्रपाल निवासी चकिया के साथ कहीं जा रहे थे जैसे ही वह रोही चौराहे के पास पहुंचे तभी तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने बाइक सवारों को जोरदार टक्कर मार दिया जिससे एक युवक गंभीर घायल हो गए स्थानीय लोगों ने 108 पर फोन करके एंबुलेंस की मदद से घायल को मूरतगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर होने की वजह से जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

खेत में लगे आम के पेड़ को दबंगों ने काटा

कौशांबी। कड़ा धाम थाना क्षेत्र के सौराई बुजुर्ग गांव निवासी बच्ची लाल पुत्र दुलारे ने अपने खेत में दशहरे आम की बाग लगा रखी है बच्ची लाल के खेत में लगे आम के पेड़ से पड़ोसी अब्दुल पुर सत्तार परेशान है उनका कहना है कि खेत के किनारे पर लगे होने से उनके खेत की फसल प्रभावित होती है बच्ची लाल के खेत के लगे आम के पेड़ को 14 नवंबर को अब्दुल सत्तार काटने लगे बताया जाता है कि आम के कई पेड़ को अब्दुल ने काट दिया है जानकारी मिलने पर मौके पर बच्ची लाल अपने भाई के साथ पहुंचा और पेड़ काटने से मना किया जिस पर अब्दुल ने बच्ची लाल के साथ गाली गलौज किया उसे जान से मारने की धमकी दी है बच्ची लाल ने मामले की शिकायत थाना पुलिस से की है।

न्यूज झरोखा

ग्राम नौडिया मंगल पांडेय नगर के ग्रामीणों के आने जाने का रास्ता पानी भरने से बन्द

रास्ते मे भरे पानी निकालने का अभी तक नही हो सका इन्तजाम ग्रामीणों में ईओ के खिलाफ आक्रोश

कोखराज कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र सिराथू तहसील के नगर पालिका परिषद भरवारी के नौडिया ग्राम वार्ड नम्बर 10 मंगल पांडेय, में लगभग 200 सौ घरों के ग्रामीणों को आने जाने वाले रास्ते मे महीनों से पानी भरा हुआ है जिसकी शिकायत जिलाधिकारी से लेकर ईओ तक से की गई लेकिन पानी निकालने के लिए न नाली निर्माण कराया गया न ही पीड़ित ग्रामीणों के लिए रास्ता निर्माण कराया गया जिससे ग्रामीणों में ईओ के खिलाफ आक्रोश व्याप्त है अधिकारियों ने कहा कि यह हमारे बस में नही है न ही इसका कोई बजट मिलता है जिसको जहाँ जाना है जाए ग्रामीणों का कहना हैं कि ईओ के द्वारा कहा जाता है कि मरो जिओ हमसे कोई मतलब नहीं है सफाई का दम्भ भरने वाले ईओ व नगर पालिका की सच्चाई यह हैं कि इस गन्दगी भरे रास्ते से हो कर गुजरने को ग्रामीण मजबूर है वही करोड़ों रुपये सफाई के नाम पर हजम करने वाले केवल कागज में सफाई करते है जमीन में तो कुछ और ही दिखाई देता है नंगा सुरेमन पाल,ईश्वर दीन साहू ,राजू पांडेय,हरिओम पांडेय,रमा शंकर ,अरविंद आरा,कृष्ण मोहन पांडेय,आदि सैकड़ों ग्रामीणों ने कहा कि जिलाधिकारी मामले को संज्ञान लेकर ग्रामीणों की समस्या का निदान कराए।

विभिन्न मांगों को लेकर लेखपाल संगठन ने किया धरना प्रदर्शन

कौशांबी प्रदेश संगठन के निर्देशन में शनिवार को लेखपाल संगठन ने जनपद के तीनों तहसीलों में शनिवार को धरना प्रदर्शन कर आवाज बुलंद की है और अधिकारियों को ज्ञापन देकर समस्याओं के समाधान की मांग की है मंझनपुर तहसील में लेखपाल संघ के अध्यक्ष प्रमोद कुमार यादव और मंत्री सितेंद्र कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन लेखपालों ने किया है लेखपालों ने विभिन्न समस्याओं के समाधान कराए जाने की मांग की और कहा कि उनकी समस्याओं का समाधान नहीं होगा तो लेखपाल आर पार की लड़ाई लड़ने के लिए मजबूर होंगे।

महेवाघाट पुलिस ने किया पैदल गश्तः लोगों से की बातचीत, वाहनों की चेकिंग की

महेवाघाट कौशाम्बी। पुलिस कप्तान राजेश कुमार के निर्देशन में महेवा घाट थाना क्षेत्र में शांति और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के प्रयास थाना पुलिस द्वारा किए जा रहे हैं। शनिवार शाम कोमहेवाघाट थानाध्यक्ष धीरेन्द्र सिंह ने पुलिस बल के साथ क्षेत्र में पैदल गश्त किया इस दौरान उन्होंने कानून व्यवस्था पर जन मानस से बातचीत भी की और वाहनों की जांच भी की। गस्त के दौरान थानाध्यक्ष धीरेन्द्र सिंह ने स्थानीय लोगों से बातचीत की। उन्होंने लोगों को आश्वस्त किया कि पुलिस हर समय उनके साथ है। किसी भी तरह की परेशानी होने पर पुलिस को तुरंत सूचना दे पुलिस टीम ने गश्त के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की। साथ ही आने-जाने वाले वाहनों की जांच भी की।पुलिस प्रशासन क्षेत्र में अराजक तत्वों पर नजर रख रहा है। प्रतिदिन पैदल गश्त के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। इससे आम नागरिकों में सुरक्षा का भरोसा बढ़ा है।

डीएम ने प्रशिक्षुओं से अपने प्रशासनिक अनुभव किए साझा

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने आज माँ शीतला अतिथि गृह, सयारा में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मंसूरी के 100वें फाउंडेशन कोर्स के प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ बैठक की। जिलाधिकारी ने प्रशिक्षु अधिकारियों से अपने प्रशासनिक अनुभव को साझा करते हुए युवा प्रशिक्षुओं को प्रेरित किया। उन्होंने सभी के प्रश्नों का धैर्यपूर्वक उत्तर देते हुए मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने सभी प्रशिक्षुओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं भी दी।प्रशिक्षुओं ने भी अपने क्षेत्रीय अनुभव चुनौतियां एवं सुझाव जिलाधिकारी के समक्ष रखें। यह संवाद सत्र, प्रशिक्षण कार्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा था, जिसका उद्देश्य प्रशिक्षु अधिकारियों में नेतृत्व क्षमता, संकट प्रबंधन एवं जनकेंद्रित दृष्टिकोण विकसित करना है।

मंझनपुर में सूने घर से चोर उठा ले गए सामान

कौशांब। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के जिला अधिकारी आवास के पीछे कुछ दूरी पर उमा दत्त द्विवेदी पुत्र जगजीत द्विवेदी मूल निवासी कटरी ने अपने आवास बना रखा है गांव में उनके घर में शादी का प्रोग्राम चल रहा है जिस पर 14 नवंबर को घर में ताला बंद करके वह अपने गांव कटरी चले गए सुना घर देखकर घर के अंदर चोर घुस गए और अलमारी का ताला तोड़कर चांदी के चार सिक्का 4000 नगद और दो कसाहड़ी बर्तन उठा ले गए हैं 15 नवंबर को सुबह जब उमा दत्त द्विवेदी अपने घर पर पहुंचे तो अलमारी का ताला टूटा था सामान बिखरे देखकर के उन्होंने चोरी की घटना की जानकारी थाना पुलिस को दी है लेकिन जनपद मुख्यालय में चोरी की घटनाओं के बाद व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े हैं कि अति वीआईपी क्षेत्र में चोर घटनाओं को अंजाम दे रहे है।

लखन लाल बैंकेट हॉल एवं रिजॉर्ट भरवारी का भव्य उद्घाटन

भरवारी कौशांबी। नगर पालिका परिषद भरवारी के मेहता रोड में लखन लाल गेस्ट हाउस को भव्य तरीके से सजाते हुए वर्तमान परिवेश में आम जनता की मांग पर उसे बेहतर बनाया गया है और उसे लखन लाल बैंकेट हॉल एवं रिजॉर्ट बना दिया गया है लखन लाल बैंकेट हॉल एवं रिजॉर्ट का भव्य उद्घाटन शनिवार को किया गया है जहां हजारों लोग उपस्थित रहे हैं लखन लाल बैंकेट हॉल एवं रिजॉर्ट के उद्घाटन के अवसर पर जनसत्ता दल पार्टी के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव एवं पूर्व सांसद शैलेन्द्र कुमार उद्घाटन अवसर पर पहुंचे जहां पूर्व चेयर मैन कैलाश केशरवानी ने उनका स्वागत किया इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष सपा अशोक यादव अश्वनी कुमार सिंह युवा जिलाध्यक्ष जनसत्ता दल पार्टी चुन्ना सिंह रेहान अहमद विकाश केशरवानी अविनाश केशरवानी प्रकाश केशरवानी ने उद्घाटन के अवसर पर पहुंचे अतिथियों का स्वागत किया है उद्घाटन के अवसर पर भव्य भंडारे का आयोजन भी किया गया है जिसमें हजारों लोग शामिल हुए।

फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में लापरवाही पर 15 जनसेवा केन्द्रों की आई.डी. निरस्त

कौशांबी। भारत सरकार द्वारा सचालित फार्मर रजिस्ट्री योजनान्तर्गत एग्री स्टैक पोर्टल पर जनपद के समस्त कृषको के रजिस्ट्रेशन का कार्य जनसेवा केन्द्र (सी.एस.सी.) के माध्यम से किया जाना है। जनपद में कृषको के रजिस्ट्रेशन की प्रगति बहुत ही खराब है, जिसके लिए जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार समस्त ग्राम पंचायतों में स्थापित समस्त जनसेवा केन्द्र से कृषकों का फार्मर रजिस्ट्रेशन का कार्य अभियान चलाकर कराया जा रहा है। इस अभियान में सभी जन सेवा केन्द्र संचालकों द्वारा आवश्यक सहयोग करते हुए अधिक से अधिक कृषकों का रजिस्ट्रेशन किया जाना है, जिसमें पाया गया है कि निरन्तर दिये गये निदेर्शों के बावजूद जन सेवा केन्द्र संचालको- मनीष कुमार-बलीपुर टाटा, अनिल कुमार-फतेहपुर साहबपुर, प्रदीप कुमार-गरिया खालसा, वेद प्रकाश-कमालपुर, सतीश यादव-जलालपुर शाना, अमित पाण्डेय-टीकरडीह, नन्हें लाल व दिनेश कुमार-बम्हरौली, शिवम शर्मा-बालकमऊ, सनातन केसरवानी-भदावा, उमेश चन्द्र गुप्ता-अमीना, धीरज प्रकाश श्रीवास्तव-अठौली, संजीव-ढेढावल, रमेश पाल-मवई एवं विकास सिंह-पूरब शरीरा द्वारा अपने ग्राम पंचायतों से सम्बन्धित कृषको का पंजीकरण कार्य में लापरवाही बरती जा रहीं है, जिसके कारण जनपद की प्रगति में वृद्धि नहीं हो पा रहीं हैं। इन जनसेवा केन्द्र संचालकों की जनसेवा केन्द्र आई.डी. तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दी गई हैं।

प्रभारी मंत्री ने यूनिटी मार्च एकता यात्रा कार्यक्रम में किया प्रतिभाग

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात/प्रभारी मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने शनिवार को ब्लॉक परिसर, मंझनपुर में सरदार बल्लभभाई पटेल की 150वीं0 जयन्ती के अवसर पर आयोजित यूनिटी मार्च/एकता यात्रा कार्यक्रम में प्रतिभाग किया प्रभारी मंत्री ने सरदार बल्लभभाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण एवं श्रद्धा-सुमन अर्पित किया। प्रभारी मंत्री ने कहा कि सरदार बल्लभभाई पटेल सरकार, प्रशासन एवं समाज के सभी वर्गों के लिए प्रेरणा श्रोत है उन्होंने कहा कि यूनिटी मार्च या एकता यात्रा प्रधानमंत्री का मूलमंत्र है, जो आज की आवश्यकता है। हम लोगों को हमारे देश को आज की सबसे बड़ी आवश्यकता एकता है। संगठित होना अपने आप में सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि सरदार बल्लभभाई पटेल जी ने अपने आचारण, कुशल नेतृत्व एवं व्यवहार के कारण संगठित एवं श्रेष्ठ भारत का निर्माण किया। हम, सब सरदार बल्लभभाई पटेल के अनुयायी है, उनके पदचिन्हों पर चलकर संगठित भारत, सुरक्षित भारत एवं श्रेष्ठ भारत के निर्माण में अपनी-अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि सजग होकर अपने कर्तव्यों को करने की प्रेरणा सरदार बल्लभभाई पटेल जीवन देता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी सबको संगठित करने का कार्य कर रहें है, सब संगठित हो जायेंगे तो, हमारे देश को नुकसान पहुँचाने की चेष्टा कोई और देश नहीं कर पायेंगा। मोदी जी के हॉथो में भारत सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जन कल्याणकारी योजनाओ से समाज के सभी वर्गों को लाभान्वित किया जा रहा है। भारत संगठित हो जायेंगा तो, सबसे बड़ा ताकतवर देश बन जायेंगा और हम सब विश्वगुरू बन जाएगा।

विद्युत विभाग के अधिकारियों का आतंक किसान के खेत में जबरिया लगवा रहे विद्युत पोल

नहीं दिया गया किसान को मुआवजा लाखों का हुआ किसान का नुकसान

कौशांबी। विद्युत विभाग के अधिकारियों का खुलेआम आतंक दिखाई पड़ रहा है उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन निगम लिमिटेड सरकार की व्यावसायिक संस्था है और वह विद्युत सप्लाई के बाद उसके बदले में उपभोक्ताओं से बिल की वसूली करती है विद्युत सप्लाई के लिए विद्युत विभाग द्वारा विद्युत पोल किसानों के खेत में जबरिया लगाए जा रहे हैं विद्युत पोल लगाए जाने के बाद विद्युत करंट उतरने का भी खतरा किसानों के खेत में रहता है जिससे आए दिन किसानों के पशु और बेकसूर किसानों की मौत भी होती है किसान जब खेत में विद्युत पोल लगाए जाने का विरोध करते हैं विभागीय अधिकारी मुकदमा लिखाने और पुलिस की मदद लेकर किसानों की जुबान बंद कर देते हैं किसान के खेत को बिजली विभाग के अधिकारी और ठेकेदार अपनी जागीर समझते हैं किसान के खेत में जबरिया विद्युत पोल बिजली विभाग के अधिकारी ठेकेदारों के जरिए लगा देते हैं जिससे तमाम किसान विद्युत विभाग के अधिकारियों के आतंक से परेशान हो चुके हैं इसी तरह का एक मामला मंझनपुर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत हिनौता का सामने आया है। हिनौता निवासी रविंद्र कुमार सिंह पुत्र विश्राम सिंह की आराजी नंबर 929 ग्राम ढेराहा में बिजली विभाग के अधिकारियों ने बिना किसान की अनुमति के किसान के खेत में विद्युत पोल लगा दिया है उसे मुआवजा नहीं दिया गया है जब किसान ने मुआवजे की मांग की तो उसे मुआवजे के नाम पर केवल लॉलीपॉप दिया जा रहा है सरकार के सर्कल रेट से किसान ने मुआवजे की डिमांड की लेकिन उसके बाद किसान को सर्किल रेट से मुआवजा नहीं मिला है विद्युत पोल लगाए जाने का काम जीआर इंफ्रा लिमिटेड कॉरपोरेशन को बिजली विभाग ने दिया था बिजली विभाग के अधिकारी किसान के खेत की जितनी जमीन पर विद्युत पोल लगाते हैं उसके अलावा जितनी जमीन पर किसान के खेत से विद्युत तार सप्लाई जाती है संपूर्ण क्षेत्र में किसान बड़ी फसल का उपज नहीं तैयार कर सकते पेड़ पौधे बगीचे अपने खेत में नहीं लगा सकते हैं जिससे किसान का खेत बर्बाद हो जाता है लेकिन जितनी जमीन पर विद्युत पोल लगाते हैं उतना मुआवजा मनमानी रेट पर देते हैं और जितने खेत से वह विद्युत तार ले जाते हैं उसका मुआवजा नहीं देते हैं किसान रविंद्र कुमार सिंह के खेत में भी लगभग एक बीघा जमीन विद्युत खंभे और विद्युत तार लगाए जाने से बर्बाद हो रही है लेकिन उन्हें 100 वर्ग मीटर जमीन का मुआवजा मनमानी रेट पर देने के लिए विभाग तैयार हैं संपूर्ण प्रभावित जमीन का मुआवजा नहीं दिया जा रहा है जिससे विद्युत विभाग के अधिकारी और ठेकेदारों के आतंक अत्याचार का अंदाजा लगाया जा सकता है कि मनमानी मुआवजा देकर सरकार को गुमराह भी कर रहे हैं और किसान का नुकसान भी कर रहे हैं किसान ने डीएम को पत्र देकर सर्किल रेट के अनुसार मुआवजा दिलाए जाने की मांग की है अब सवाल उठता है कि किसान के खेत का विद्युत विभाग को किस कानून के तहत सरकार ने अधिकारियों को अधिकार दिया है इसका जवाब अधिकारियों के पास नहीं है।

अदालत के आदेश पर भारी पड़ी पुलिस दाना पानी को तरस रहे पशु

अदालत के आदेश के विपरीत चौकी पुलिस तानाशाही पर कब तक उतारू रहेगी

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। संदीपन घाट थाना क्षेत्र के नसीरपुर उच्चवा गांव में जमीनी विवाद को लेकर सुरेंद्र सिंह ने जिला जज की अदालत में मुकदमा दाखिल किया सुरेंद्र सिंह बनाम मुलायम सिंह के मुकदमे की सुनवाई करते हुए जनपद न्यायाधीश न्यायालय ने निर्देशित किया है कि न्याय हित में उभय पक्ष और पुलिस बल को निर्देशित किया जाता है कि नियत तिथि तक कोई उत्पीड़क कार्यवाही ना हो लेकिन जनपद न्यायाधीश के आदेश के आगे चायल सर्कल की पुलिस भारी पड़ रही है न्यायालय की अवमानना करने में चायल सर्किल के मूरतगंज चौकी पुलिस को तनिक भी भय संकोच और दहशत नहीं महसूस हो रहा है अदालत के आदेश के विपरीत मौके पर मकान में विपक्षियों ने ताला लगा लिया है मुकदमा वादी सुरेंद्र सिंह ने विपक्षियों का ताला खुलवाने की मांग पुलिस से की इस संबंध में मूरतगंज चौकी इंचार्ज से बात की गई तो चौकी इंचार्ज का कहना है कि सीओ चायल का कहना है कि मुकदमा वादी सुरेंद्र सिंह अपना मकान से पशु बाहर निकाल ले और कब्जा खाली कर दे जबकि मकान खाली करने और पशु को बाहर निकलने का अदालत ने किसी प्रकार का निर्देश नहीं दिया है सवाल उठता है कि क्या जिला जज से बड़े चायल सीओ हो गए हैं मकान के अंदर कई पशु बंद हैं जिनको चारा पानी नहीं मिल रहा है जिससे पशु दाना पानी के लिए तड़प रहे हैं अदालत के आदेश के विपरीत मौके पर जमीन में विपक्षियों ने अपने सामान रख दिए हैं और कब्जे का पूरा प्रयास हो रहा है कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ रही है मुकदमा दाखिल करने वाले सुरेंद्र सिंह के साथ मारपीट का प्रयास किया जा रहा है जिससे वह पुलिस की मदद के लिए पुलिस चौकी से लेकर के समाधान दिवस तक फरियाद कर रहा है लेकिन धीरे-धीरे कई दिन बीत जाने के बाद भी विपक्षियों पर कार्रवाई नहीं हुई उनके हौसले बढ़े हैं और चौकी पुलिस अदालत के निर्देश के विपरीत बलपूर्वक विपक्षियों को मकान कब्जा करने का प्रयास कर रही है चौकी पुलिस के संरक्षण में विपक्षी आतंक अत्याचार कर रहे हैं चौकी पुलिस अप्रत्यक्ष रूप से अदालत के आदेश का उल्लंघन कर अवमानना करने वाले लोगों को बल दे रही है जिसके पीछे उसका निजी स्वार्थ छिपा है जबकि अदालत ने विपक्षी के साथ-साथ पुलिस को भी दंडात्मक कार्यवाही से रोका है अदालत के निर्देश पर कब तक चौकी पुलिस भारी पड़ती रहेगी और कब तक अदालत के आदेश का पालन करने के लिए चौकी पुलिस तानाशाही पर उतारू रहेगी यह बड़ा सवाल खड़ा है।

सीओ चायल ने किया त्रैमासिक निरीक्षण

हर्रायपुर कौशांबी। क्षेत्राधिकारी चायल अभिषेक सिंह ने शनिवार को थाना पिपरी एवं थाना संदीपनघाट का त्रैमासिक निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान थाना कार्यालय, सीसीटीएनएस कक्ष, मालखाना, शस्त्रागार, बन्दी गृह, अपराध रजिस्टर सहित अन्य समस्त रजिस्टरों एवं अभिलेखों का गहनता से अवलोकन किया गया क्षेत्राधिकारी द्वारा सभी रजिस्टरों व अभिलेखों को अद्यावधिक रखने, कार्यालय कार्य में पारदर्शिता बनाए रखने तथा थाने की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

दुष्कर्म के वांछित अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

महेवा घाट कौशांबी। पश्चिम शरीरा थाना पर 16 अक्तुबर को महिला द्वारा सूचना दी गयी कि अभियुक्त अरविन्द तिवारी द्वारा शादी का झासा देकर मेरे साथ कई बार दुष्कर्म किया गया है तथा फोटो वीडियों बनाकर वायरल करने की धमकी देते हुये गाली गलौज किया जाता है पश्चिम शरीरा पर सुसंगत धाराओं मे अभियोग पंजीकृत हुआ उपरोक्त क्रम में दिनांक 15.11.2025 को थाना पश्चिम शरीरा पुलिस टीम ने मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त अरविन्द तिवारी पुत्र सुभाष तिवारी निवासी सेलरहा पूरब थाना मंझनपुर हाल पता ग्राम चिल्लीमल थाना सरधुआ जनपद चित्रकूट को गिरफ्तार किया गया।

बिजली बिल राहत योजना 2025 से उपभोक्ताओं को मिलेगी ऐतिहासिक राहत

एकमुश्त भुगतान पर सरचार्ज में 100 प्रतिशत तथा मूलधन में 25 प्रतिशत तक की छूट • तीन चरणों में लागू होगी योजना, मासिक किस्तों में भुगतान की भी सुविधा

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। उत्तर प्रदेश सरकार के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा ने प्रदेश के करोड़ों बिजली उपभोक्ताओं के हित में एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए बिजली बिल राहत योजना 2025ह्न लागू करने की घोषणा की है। इस योजना के अंतर्गत नेवरपेड और लॉन्ग अनपेड उपभोक्ताओं को सुविधा मिलेगी। यह जानकारी अधीक्षण अभियंता,विद्युत इंजीनियर श्याम नारायण ने देते हुए बताया कि विद्युत बिल राहत योजना 2025 के अंतर्गत बकाया धनराशि को एक मुश्त जमा करने पर सरचार्ज में 100 प्रतिशत एवं मूलधन में 25 प्रतिशत तक छूट देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। प्रदेश सरकार का उद्देश्य है कि कोई भी उपभोक्ता बिजली बिल के बोझ तले दबा न रहे और साथ ही राज्य की बिजली वितरण व्यवस्था आर्थिक रूप से सुदृढ़ बने। इस योजना से एक ओर जहां सरकारी खजाने में भारी राजस्व की वृद्धि होगी, वहीं दूसरी ओर घरेलू व वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को बड़ी आर्थिक राहत प्राप्त होगी।

एकमुश्त भुगतान पर सरचार्ज में 100 प्रतिशत तथा मूलधन में 25 प्रतिशत तक की छूट

कौशांबी। अधीक्षण अभियंता, विद्युत इंजीनियर श्याम नारायण ने बताया कि योजना के अंतर्गत यदि कोई उपभोक्ता अपना बिजली बिल एकमुश्त जमा करता है, तो उसे सरचार्ज में 100 प्रतिशत के साथ-साथ बकाए के मूलधन में 25 प्रतिशत छूट मिलेगी। यह छूट तीन चरणों में दी जाएगी। प्रथम चरण (1 दिसंबर 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक) पंजीकरण कराने पर 25 प्रतिशत, द्वितीय चरण (1 जनवरी 2026 से 31 जनवरी 2026 तक) में 20 प्रतिशत तथा तृतीय चरण (1 फरवरी 2026 से 28 फरवरी 2026 तक) पंजीकरण कराने में 15 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। जो उपभोक्ता पहले पंजीकरण कर भुगतान करेंगे, उन्हें अधिक लाभ मिलेगा। इसलिए जनपद के नागरिकों से उन्होंने अपील है कि वे योजना के प्रथम चरण में ही भाग लें।

घरेलू और वाणिज्यिक दोनों वर्गों को लाभ

कौशांबी।अधीक्षण अभियंता,विद्युत इंजीनियर श्याम नारायण ने बताया कि यह योजना घरेलू उपभोक्ताओं (2 किलोवाट तक) और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं (1 किलोवाट तक) दोनों के लिए लागू होगी।इतना ही नहीं, बिजली चोरी से संबंधित प्रकरणों में राजस्व निर्धारण धनराशि पर भी छूट देने का प्रावधान किया गया है। इससे उन उपभोक्ताओं को भी राहत मिलेगी जो अनजाने में तकनीकी अथवा मीटर संबंधी त्रुटियों के कारण विवादों में फंसे हुए थे।

मासिक किस्तों में भुगतान की सुविधा, गरीब उपभोक्ताओं के लिए राहत

कौशांबी अधीक्षण अभियंता,विद्युत इंजीनियर श्याम नारायण ने बताया कि सरकार ने गरीब और मध्यमवर्गीय उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मासिक किस्तों में भुगतान की सुविधा भी दी है। इससे वे उपभोक्ता, जो एकमुश्त भुगतान करने में असमर्थ हैं, वे भी योजना का लाभ उठाकर अपने बकाया बिलों का निस्तारण कर सकते हैं। यह कदम प्रदेश के लाखों छोटे उपभोक्ताओं को आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने वाला होगा।

ओवर बिलिंग व अंडर बिलिंग वाले उपभोक्ताओं के लिए भी राहत

कौशांबी अधीक्षण अभियंता,विद्युत इंजीनियर श्याम नारायण ने बताया कि योजना के दौरान विभाग ओवर बिलिंग और अंडर बिलिंग वाले उपभोक्ताओं के बिलों का भी संशोधन करेगा, जिससे उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त वित्तीय भार न पड़े और उन्हें सही व पारदर्शी बिलिंग का लाभ मिले। उन्होंने कहा कि यह केवल एक छूट योजना नहीं, बल्कि उपभोक्ता के विश्वास और पारदर्शिता को पुनः स्थापित करने की मुहिम है। ऐसे उपभोक्ताओं को बिल की धनराशि जमा करने हेतु एक मासिक औसत धनराशि निधारित की गई है। बिलिंग सिस्टम द्वारा इन उपभोक्ताओं के विद्युत बिल, नारमेटिव धनराशि के आधार पर संसोधित किए जायेंगे।

सुविधाजनक पंजीकरण प्रक्रिया

कौशांबी अधीक्षण अभियंता,विद्युत इंजीनियर श्याम नारायण ने बताया कि इस योजना के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को अत्यंत सरल बनाया गया है। उपभोक्ता विभागीय वेबसाइट पर,संबंधित खंड/उपखंड कार्यालय, जन सेवा केंद्र (उरउ) एवं किसी भी विभागीय कैश काउंटर से पंजीकरण कर सकते हैं। पंजीकरण के संबंध में मंत्री श्री शर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी उपभोक्ता को प्रक्रिया में कोई कठिनाई न हो और सभी आवेदन समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से स्वीकार किए जाएं साथ ही पूरी प्रक्रिया की सतत निगरानी भी की जाए।

विद्युत चोरी के प्रकरणों में राजस्व निर्धारण धनराशि में भी छूट

कौशांबी अधीक्षण अभियंता,विद्युत इंजीनियर श्याम नारायण ने बताया कि योजना के अंतर्गत चोरी के प्रकरणों में सम्मिलित व्यक्तियों को राजस्व निर्धारण धनराशि में छूट प्राप्त करने हेतु व्यक्ति को पंजीकरण करना होगा। पंजीकरण कराने के लिए व्यक्ति को 2000 रुपए अथवा राजस्व निर्धारण धनराशि का 10 प्रतिशत धनराशि जो भी अधिक हो, का भुगतान करना होगा।

सम्पादकीय

जवाहर की ज्योति

हब सदर, कई वर्ष हुए कि हमने किस्मत से एक बाजी लगाई थी, एक इकरार किया था, प्रतिज्ञा की थी। अब वक्त आया है कि हम इसे पूरा करें, बल्कि वह पूरा तो शायद अभी भी नहीं हुआ लेकिन फिर भी एक बड़ी मंजिल पूरी हुई है। हम वहां पहुंचे हैं।

मुनासिब है कि ऐसे वक्त में हमारा पहला काम यह हो कि हम एक प्रण और एक नई प्रतिज्ञा फिर से करें– इकरार करें कि आइन्दा हम हिन्दुस्तान और हिन्दुस्तान के लोगों की खिदमत करेंगे।

कुछ मिनटों में यह असेम्बली पूरी तौर से आजाद और खुदमुख्तार असेम्बली हो जाएगी, और यह असेम्बली एक आजाद और खुदमुख्तार मुल्क की नुमाइंदगी करेगी। चुनांचे, इसके ऊपर जबरदस्त जिम्मेदारियां आती हैं। और अगर हम इन जिम्मेदारियों को पूरी तौर से महसूस न करें, तब शायद हम अपना काम ठीक तौर से न कर सकेंगे। इसलिए यह जरूरी हो जाता है कि इस मौके पर सोच-समझकर यह इकरार करें। जो प्रस्ताव मैं आपके सामने पेश कर रहा हूं, वह इसी इकरार और इसी प्रतिज्ञा का है।

हमने एक मंजिल पूरी की है और आज उसकी खुशियां मनाई जा रही हैं। हमारे दिल में भी खुशी है, एक गुरूर है, एक इत्मीनान है। लेकिन हम यह भी जानते हैं कि हिन्दुस्तान भर में आज खुशी पूरी नहीं है। हमारे दिल में रंज के टुकड़े भी हैं और दिल्ली से बहुत दूर नहीं, बड़े-बड़े शहर जल रहे हैं। वहां की गर्मी यहां आ रही है। इसलिए खुशी पूरी तौर से नहीं हो सकती।

लेकिन फिर भी हमें इस मौके पर हिम्मत से इन सब बातों का सामना करना है। न हाय-हाय करनी है न परेशान होना है। जब हमारे हाथ में बागडोर आ गई है, तो अब हमें गाड़ी को ठीक तरह से चलाना है।

आम तौर पर मुल्क आजाद होते हैं तो बहुत सी परेशानियों, मुसीबतों और खूरेजी के बाद होते हैं। हमारे यहां भी ऐसी खूरेजी हुई है, और बहुत तकलीफदेह ढंग से हुई है। फिर भी, हम आजाद हुए, बाअमन और शांतिमय तरीकों से, और एक अजीब मिसाल दुनिया के सामने रखी। लेकिन आजादी के साथ मुसीबतें और बोझ भी आते हैं। उनका हमें सामना करना है, उन्हें ओढ़ना है और अपने स्वप्न को हकीकत बनाना है। मुल्क को सिर्फ विदेशी शासन से आजाद करना ही मकसद नहीं था। जब तक हिन्दुस्तान का एक-एक इंसान आजादी की हवा में न जी सके, जब तक उसकी तकलीफें न हटाई जाएं तब तक हमारा काम पूरा नहीं होता।

बड़े-बड़े सवाल हमारे सामने हैं। कुछ सवालों को देखकर दिल दहल जाता है। लेकिन हिम्मत यह सोचकर आती है कि पुराने जमाने में हमने इससे भी बड़े काम किए हैं तो क्या हम इन सवालों से दब जाएंगे?

हमारा गुरूर निजी नहीं है। कुछ गुरूर है अपने मुल्क पर, और इत्मीनान है अपनी कौम की ताकत पर, उन लोगों पर जिन्होंने बहुत मुसीबतें झेली हैं। इसलिए हमें विश्वास है कि जो परेशानियों का बोझ हमारे सामने है, हम उसे भी उठाएंगे और उन सवालों को भी हल करेंगे। जब हम आजादी के दरवाजे पर खड़े हैं, यह याद रखना होगा कि हिन्दुस्तान किसी एक फिरके, एक धर्म या एक समुदाय का मुल्क नहीं है।

नक्कालों से सावधान, क्योंकि खेद नहीं है

सर्वमित्रा सुरजन

भारतीय पत्रकारिता के पुरखों ने जिन कष्टों के साथ जनता की आवाज को उठाने का काम किया है, उसी प्रताप की फसल आज के पत्रकार काट रहे हैं। आजादी के वक्त अंग्रेजी शासन की नाराजगी के खतरे मोल लेकर, कम साधनों के साथ पत्र-पत्रिकाएं प्रकाशित होते थे, ताकि जनता में आजादी और बाकी अधिकारों के लिए जागरुकता लाई जाए। आजादी के बाद भी यह सिलसिला जारी रहा। ब्रिटिश प्रसारक बीबीसी के प्रमुख टीम डेवी और समाचार की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डेबोरा टर्नेस ने रविवार 9 नवंबर को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। दरअसल बीबीसी के एक कार्यक्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भाषण को गलत संदर्भ में दिखाने के आरोप लगे थे। व्हाइट हाउस ने बीबीसी को 'प्रोपेगैंडा मशीन' (प्रचार मशीन) करार दिया था। बीबीसी के पैनोरमा कार्यक्रम में ट्रंप के भाषण के दो हिस्सों को एक साथ इस तरह संपादित किया गया था, मानो ट्रंप जनवरी 2021 के कैपिटल हिल दंगों को प्रोत्साहित कर रहे थे। ज्ञात हो कि ट्रंप उस वक्त राष्ट्रपति चुनाव हार गए थे और तब उनके समर्थकों ने कैपिटल हिल पर हमला किया था, जो अमेरिका के लोकतंत्र के लिए बड़ी चुनौती माना गया था। इस प्रकरण पर बीबीसी की पैनोरमा डॉक्यूमेंट्री में ट्रंप अपने समर्थकों से कहते हुए दिखाई दिए थे कि 'हम कैपिटल तक पैदल चलेंगे' और 'पूरी ताकत से लड़ेंगे'। लेकिन बाद में यह बताया गया कि यह टिप्पणी ट्रंप ने अपने भाषण के एक अलग हिस्से में की थी। असल में ट्रंप ने कहा था कि वे 'हमारे बहादुर सीनेटरों और कांग्रेसियों का उत्साहवर्धन करेंगे।' बीबीसी की इस डॉक्यूमेंट्री पर ट्रंप की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बीबीसी को '100 प्रतिशत फर्जी खबर' बताया था। इसके दो दिन बाद ही बीबीसी में दो बड़े इस्तीफे हो गए।

गौरतलब है कि बीबीसी पर हाल के वर्षों में निष्पक्ष समाचारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखने में विफल रहने के, साथ ही ध्रुवीकृत हो चुके राजनीतिक और सामाजिक माहौल में तालमेल न बिठा पाने के आरोप लगे हैं। हालांकि बीबीसी सीईओ डेबोरा टर्नेस ने कर्मचारियों को भेजे एक ईमेल में कहा कि हालांकि गलतियां हुई हैं, पर 'मैं बिल्कुल स्पष्ट कर देना चाहती हूं कि बीबीसी न्यूज के संस्थागत रूप से पक्षपाती होने के हालिया आरोप गलत हैं।'

बीबीसी के इस पूरे प्रकरण को यहां उद्धृत करने का मकसद पाठक समझ ही चुके होंगे। मीडिया जगत में विश्वसनीयता केवल शब्द नहीं है, उसका प्राणतत्व है। भाषा में अशुद्धि हो सकती है, लिखने का तरीका अरुचिकर हो सकता है, तथ्यों का दोहराव हो सकता है। लेकिन खबर गलत और पक्षपातपूर्ण नहीं होनी चाहिए, यही पत्रकारिता की पहली और आखिरी शर्त है। मानवीय या तकनीकी त्रुटि से खबर गलत बन भी गई तो भूल सुधार कर पाठकों तक सही जानकारी पहुंचानी चाहिए। बीबीसी अभी इन बुनियादी शर्तों पर टिका नजर आ रहा है, लेकिन भारत के मीडिया के संदर्भ में क्या यही दावा किया जा सकता है, यह कठिन सवाल हमारे सामने है।

2007 में कनाडा के पत्रकार क्रेग सिल्वरमैन की एक किताब आई थी : रिग्रेट द एरर यानी त्रुटि के लिए खेद है। इस किताब में उन्होंने बताया है कि त्रुटि के लिए खेद है, यह वाक्य लगभग हर रोज हम अखबारों और पत्रिकाओं में देखते हैं। सिल्वरमैन ने बड़े रोचक तरीके से कभी हास्यास्पद, कभी चौंकाने वाली और कभी-कभी परेशान करने वाले पत्रकारिता की गलतियों और सुधारों का संग्रह इस किताब में दिया है। इसमें सभी प्रकार की अशुद्धियां हैं, एक जीवित और स्वस्थ व्यक्ति का मृत्युलेख छापने से लेकर पूर्ण और घोर नैतिक चूक तक सबका उल्लेख है। इस किताब में मीडिया की गलतियों के इतिहास के जरिए समकालीन पत्रकारिता में जनता के प्रति जवाबदेही की कमी की गंभीर प्रवृत्ति को

उकेरा गया है। शायद इस समय भारतीय मीडिया के स्वघोषित धुरंधरों और खुद को फिल्मी कलाकारों या खिलाड़ियों की तरह सेलिब्रिटी मानने वाले पत्रकारों को इस किताब पर एक नजर दौड़ाने की जरूरत है। क्योंकि खबरों को सबसे पहले ब्रेक करने के फेर में बिना तथ्यों की जांच के खबर दे दी जाती है और अगर खबर गलत निकले तो डिलीट कर दी जाती है। न कोई भूल सुधार, न कोई खेद प्रकट। मानो अपनी गलती मान लेंगे तो ओहदा थोड़ा छोटा हो जाएगा। ये उथले पत्रकार इतना भी विचार नहीं करते कि आखिर इनका ये ओहदा बना कैसे, जनता इनके कहे-लिखे पर यकीन क्यों करती है।

दरअसल भारतीय पत्रकारिता के पुरखों ने जिन कष्टों के साथ जनता की आवाज को उठाने का काम किया है, उसी प्रताप की फसल आज के पत्रकार काट रहे हैं। आजादी के वक्त अंग्रेजी शासन की नाराजगी के खतरे मोल लेकर, कम साधनों के साथ पत्र-पत्रिकाएं प्रकाशित होते थे, ताकि जनता में आजादी और बाकी अधिकारों के लिए जागरुकता लाई जाए। आजादी के बाद भी यह सिलसिला जारी रहा, हालांकि पूंजीपतियों के हाथों में मीडिया की बागडोर जैसे-जैसे आती गई, प्रायोजित खबरों, इकतरफा विश्लेषण, सरकारी मदद की अपेक्षा में चापलूसी का सिलसिला बढ़ता गया। फिर भी जब तक प्रिंट मीडिया का जमाना था, आंखों का पानी बचा रहा, कि पाठक को भी जवाब भी तो देना है। प्रिंट मीडिया में पोस्ट और डिलीट जैसे त्वरित विकल्प नहीं रहते हैं। मगर इलेक्ट्रानिक मीडिया का चलन बढ़ने यानी टीवी पर निजी चैनलों की बाढ़ आने के बाद से तो जनता तक सही सूचनाएं पहुंचाने की जवाबदेही से चैनल मालिकों और उनके बंधुआ पत्रकारों ने बिल्कुल ही हाथ झटक दिया। अब जनता को टार्गेट (लक्ष्य) की तरह देखा जाता है कि इसे कैसे अपने चंगुल में फंसाया जाए। शुरूआत नाग-नागिन, भूतिया महल, चमत्कारी बाबा जैसे समाचारों से हुई, जनता को समाचारों के बीच इस तरह का मनोरंजन पसंद आ गया तो फिर समाचारों को पूरी तरह किनारे कर केवल मनोरंजन आगे कर दिया गया और अब नफरत ही समाचारों का प्रधानतत्व हो गई है। टीवी की बहसों के बीच मार-पीट, अपशब्दों का प्रयोग होने लगे तो जनता को समझ लेना चाहिए कि उसे किस कदर गिरा हुआ मानकर उसे खबरें परोसी जा रही हैं। यह पत्रकारिता के पेशे का अपमान तो है ही जनता का तिरस्कार भी है। अब अपना सम्मान अपने हाथों रहता है, तो जनता को ही इस पर सोचना होगा।

फिलहाल जिस भाजपा के दौर में पत्रकारिता में आए सबसे बड़े क्षरण को देखा गया है, बुधवार को उस पर भाजपा सांसद हेमा मालिनी तक परेशान दिखीं। दरअसल उनके पति और दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र को लगभग तीन हफ्ते पहले सांस लेने में तकलीफ और निमोनिया होने के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था और बुधवार की सुबह धर्मेंद्र को अस्पताल से घर ले जाया गया है। लेकिन मंगलवार को आज तक, इंडिया टुडे इन सबमें धर्मेन्द्र की मौत की खबर आ गई। इसके साथ ही धर्मेन्द्र का फिल्मी जीवन, निजी जीवन सब पर सामग्री भी दे दी गई। इंडिया टुडे ने तो बाकायदा पोस्ट में लिखा कि उनकी टीम ने इस खबर की पुष्टि की है। इसके बाद धर्मेन्द्र को सोशल मीडिया पर श्रद्धांजलियां भी दी जाने लगीं। इससे नाराज होकर हेमा मालिनी ने लिखा कि 'जो हो रहा है उसे माफ नहीं किया जा सकता है! जिम्मेदार चैनल ऐसे व्यक्ति के बारे में झूठी खबर कैसे फैला सकते हैं जिस पर इलाज का असर दिख रहा है और वह ठीक हो रहा है? यह बेहद अपमानजनक और गैर जिम्मेदाराना है। कृपया परिवार और उसकी निजता का सम्मान करें।' धर्मेन्द्र की बेटी ईशा देओल और अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने भी मीडिया की आलोचना की है। जब खुद पर बीतती है तो नाराजगी होती है। हेमा मालिनी समेत अब पूरी भाजपा को सोचना चाहिए कि जो भस्मासुर उन्होंने खड़ा किया है, वो कभी भी उनके सिर पर हाथ रख सकता है। किसान आंदोलन, शाहीन बाग, ऑपरेशन सिंदूर जैसे अनेक मौकों पर मीडिया में झूठी खबरें चलीं। सोशल मीडिया भी फर्जी खबरें धड़ल्ले से चलाता है। अभी दिल्ली के आतंकी हमले में गलत तस्वीरें दिखाई गईं, जो 2024 में लेबनान के बेरूत में हुए इजरायली एयरस्ट्राइक की तस्वीरें हैं। बिहार चुनाव में भी ऐसी झूठी खबरें खूब चलीं। सरकार ने लोगों से अपील की है कि किसी भी तस्वीर या वीडियो को साझा करने से पहले उसकी सत्यता की जांच करें। हालांकि पहले सरकार को सोचना चाहिए कि उससे कहां चूक हुई है, जो अब खबरों को भी परखने की नौबत आ गई। नकली उत्पाद से बचने के लिए जिस तरह नक्कालों से सावधान की चेतावनी बड़े अक्षरों में लगाई जाती है, ।

करुणा एवं संवेदनाओं से ही दुनिया में संतुलन संभव

-ललित गर्ग-

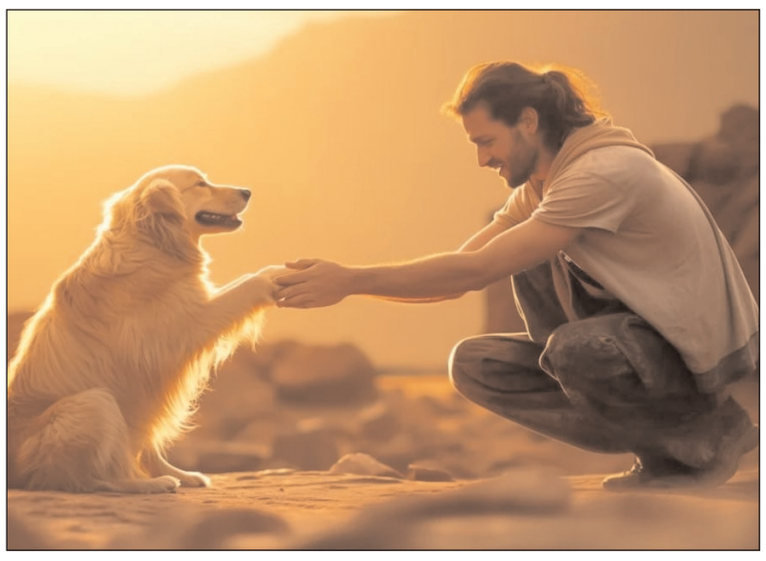

आज का मनुष्य जितनी तीव्रता से भौतिक प्रगति कर रहा है, उतनी ही तेजी से मानवीय मूल्यों और संवेदनाओं से दूर होता जा रहा है। विज्ञान ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, परंतु उसने मनुष्य को आत्मकेंद्रित भी कर दिया है। प्रतिस्पर्धा, उपभोगवाद, स्वार्थ और सत्ता की भूख ने मनुष्य के भीतर की दयालुता को जैसे कुंद कर दिया है। ऐसे समय में जब विश्व हिंसा, आतंक, युद्ध, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और वैमनस्य के दौर से गुजर रहा है, तब ह्लविश्व दयालुता दिवसह्व मनाने का महत्व और भी बढ़ जाता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि सभ्यता के विकास की असली पहचान तकनीकी उपलब्धियों से नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर की करुणा, सहानुभूति और प्रेम से होती है। दयालुता कोई कमजोरी नहीं, बल्कि जीवन की सबसे बड़ी शक्ति है। यह मनुष्य को पशुता से ऊपर उठाकर देवत्व की ओर ले जाती है। इतिहास साक्षी है कि जिन समाजों ने दया, करुणा और प्रेम को अपनाया, वहीं शांति और समृद्धि का आधार बने। बुद्ध, महावीर, यीशु और गांधी जैसे महापुरुषों ने दया को जीवन की सबसे बड़ी साधना माना। महात्मा गांधी ने कहा था, ह्लअहिंसा कोई निष्क्रिय वस्तु नहीं, यह सबसे सक्रिय और जीवंत शक्ति है।ह्व दयालुता उसी अहिंसा की आत्मा है, जो मनुष्य को दूसरों के सुख-दुःख से जोड़ती है।

आज जब दुनिया में युद्ध की विभीषिका मंडरा रही है, जब समाज हिंसा, कट्टरता और असहिष्णुता से आक्रांत है, तब दया और करुणा का महत्त्व केवल नैतिकता का विषय नहीं, बल्कि अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। यूक्रेन-रूस युद्ध, गाजा और इस्राइल का संघर्ष, आतंकवाद की विभीषिका और भीतर तक उतर चुकी नफरत की राजनीति-ये सब इस बात के संकेत हैं कि हमने दयालुता को अपने जीवन से बाहर कर दिया है। मनुष्य ने मशीनों की तरह व्यवहार करना शुरू कर दिया है। संवेदना की जगह संदेह ने ले ली है, और करुणा की जगह क्रूरता ने। ऐसे में विश्व दयालुता दिवस केवल एक प्रतीकात्मक आयोजन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है कि क्या हम अब भी मनुष्य बचे हैं या केवल उपभोग की दौड़ में शामिल यांत्रिक प्राणी बन गए हैं।

विश्व दयालुता दिवस मनाने की पहल सबसे पहले 1998 में ह्लवर्ल्ड काइंडनेस मूवमेंटह्व नामक अंतरराष्ट्रीय संगठन ने की थी, जिसका उद्देश्य था-मानवता में करुणा, सहानुभूति और प्रेम के बीजों को फिर से सींचना। इस दिन का मकसद यह स्मरण कराना है कि दया कोई एक दिन की बात नहीं, बल्कि जीवन का स्थायी संस्कार होना चाहिए। दयालुता एक ऐसी भाषा है जो सभी सीमाओं, धर्मों, भाषाओं और विचारधाराओं से परे है। यह वह सूत्र है जो मनुष्यता को जोड़ता है, जो टूटे हुए रिश्तों में प्राण फूंकता है। आज की दुनिया में भौतिक विकास ने व्यक्ति को आराम तो दिया है, लेकिन आत्मिक शांति छीन ली है। हर कोई सफलता की होड़ में है, पर किसी के पास किसी के लिए समय नहीं है। परिवारों में संवाद घट गया है, समाज में सहयोग की भावना कम हुई है, और राजनीति में विरोध ने वैमनस्य का रूप ले लिया है। इंटरनेट और सोशल मीडिया के इस युग में हम जुड़ते तो बहुत हैं, पर वास्तव में अलग-थलग पड़ गए हैं। दया और करुणा की कमी के कारण मानसिक तनाव, अवसाद, आत्महत्या और असंतोष जैसी समस्याएँ बढ़ रही हैं। इस स्थिति से उबरने का एकमात्र उपाय है-दयालुता की भावना को जीवन का आधार बनाना। दयालुता केवल दूसरों के प्रति व्यवहार नहीं, बल्कि आत्मा की शुद्धि का माध्यम है। जब हम किसी की सहायता करते हैं, किसी के दुःख को समझते हैं, किसी की भूल को माफ करते हैं, तब हम अपने भीतर की नकारात्मकता को भी दूर करते हैं। दयालु व्यक्ति न केवल समाज को सुंदर बनाता है, बल्कि स्वयं के भीतर भी शांति का अनुभव करता है। करुणा से मनुष्य का हृदय विस्तृत होता है, दृष्टि उदार होती है, और जीवन में संतुलन आता है। आज की जटिल दुनिया में संतुलन खोना बहुत आसान है। मनुष्य अपनी इच्छाओं, आकांक्षाओं और महत्वाकांक्षाओं में उलझकर आत्मविनाश की ओर बढ़ रहा है। पर्यावरण का संकट, सामाजिक विषमता, नैतिक पतन-ये सब उसी असंतुलन के परिणाम हैं, जहाँ दयालुता और करुणा का स्थान स्वार्थ और लोभ ने ले लिया है। यदि मनुष्य में करुणा का भाव जाग जाए, तो न युद्ध रहेगा, न आतंकवाद, न हिंसा। दुनिया में जितनी भी क्रूरताएं हुई हैं, वे दया के अभाव से हुई हैं। अतः दया केवल नैतिक मूल्य नहीं, बल्कि विश्व शांति का आधार है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था-ह्लजब तक एक भी जीव भूखा या दुखी है, तब तक तुम्हारी उपासना अधूरी है।ह्व यह वाक्य हमें याद दिलाता है कि सच्चा धर्म केवल पूजा या प्रार्थना नहीं, बल्कि दूसरों के प्रति करुणा का भाव है। यदि दयालुता जीवन का हिस्सा बन जाए, तो धर्म अपने वास्तविक रूप में प्रकट होता है। चाहे वह जैन धर्म का ह्लअहिंसा परमो धर्मःह्व का संदेश हो या बौद्ध धर्म की ह्लमैत्री भावनाह्व, सभी ने दया को ही मानवता की सर्वोच्च साधना माना है। वास्तव में दया का अर्थ केवल किसी पर कृपा करना नहीं है, बल्कि दूसरों के दुख को अपना समझना है। दया एक ऐसी ऊर्जा है जो न केवल संबंधों को मजबूत बनाती है, बल्कि समाज में सह-अस्तित्व की भावना को भी जन्म देती है। आज जब मनुष्य अपने अस्तित्व को लेकर संघर्ष कर रहा है, तो दया ही वह सूत्र है जो जीवन में संतुलन और अर्थ दोनों ला सकती है।

भारत को घरेलू रासायनिक उर्वरक उत्पादन बढ़ाने के उपाय करने ही होंगे

नन्तू बनर्जी

भारत के लिए अपने कृषि उत्पादन को आयातित उर्वरक पर अत्यधिक निर्भर बनाना कोई अच्छी बात नहीं है। देश को रासायनिक उर्वरकों का घरेलू उत्पादन बढ़ाना होगा। जहां मौजूदा उर्वरक उत्पादकों को अपनी-अपनी क्षमता का व्यापक विस्तार करने के लिए प्रेरित करने की आवश्यकता है, वहीं नई इकाइयों को तेजी से स्थापित करने के लिए आकर्षक प्रोत्साहन दिए जाने चाहिए। रणनीतिक दृष्टि से, खाद्य सुरक्षा से जुड़े भारत के कृषि उत्पादन को आयातित उर्वरकों पर अत्यधिक निर्भर बनाना गलत होगा। यह समझना मुश्किल है कि अपनी आजादी के 78 साल बाद भी, दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश भारत अपनी 1.46 अरब से ज्यादा आबादी का पेट भरने के लिए आयातित उर्वरक पर भारी निर्भरता बनाए हुए है। चीन द्वारा अक्टूबर के मध्य से निर्यात निलंबित करने के बाद, भारत में सर्दियों के सबसे महत्वपूर्ण रबी फसल सीजन से पहले, उर्वरक मूल्य में अचानक वृद्धि हुई और इसमें आगे भी वृद्धि की संभावना बलवती हो गयी है, जो विशेष रूप से गेहूं के साथ-साथ चना, मटर, सरसों और जौ जैसी अन्य फसलों के उत्पादन और मूल्य को प्रभावित करेगी।

चीन के बाद भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा गेहूं उत्पादक देश है। रबी की फसलें शरद ऋतु (अक्टूबर-नवंबर) में बोई जाती हैं और वसंत (मार्च-अप्रैल) में काटी जाती हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा उर्वरक आयातक बना हुआ है, जबकि रूस के बाद चीन दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उर्वरक निर्यातक रहा है। चीन ने अगली सूचना तक उर्वरक के निर्यात को निलंबित कर दिया है। चीन से टीएमएपी (तकनीकी मोनोअमोनियम फॉस्फेट) जैसे विशेष उर्वरकों और एडब्लू जैसे यूरिया-समाधान उत्पादों के साथ-साथ डीएपी (डायमोनियम फॉस्फेट) और यूरिया सहित पारंपरिक मृदा पोषक तत्वों की आपूर्ति नहीं होगी। बताया जाता है कि भारत लगभग 95 प्रतिशत विशेष उर्वरक चीन से आयात करता है। देश में सालाना लगभग 2,50,000 टन विशेष उर्वरकों की खपत होती है, जिनमें से लगभग 65 प्रतिशत का उपयोग रबी मौसम के दौरान किया जाता है। वैकल्पिक आपूर्ति स्रोतों में दक्षिण अफ्रीका, चिली और क्रोशिया शामिल हैं।

भारत में रासायनिक उर्वरक उत्पादन इतना कम है कि चालू वित्त वर्ष के पहले सात महीनों के दौरान देश में सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाले यूरिया का आयात भी दोगुने से अधिक बढ़कर 58.62 लाख टन हो गया है। पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान, भारत ने 24.76 लाख टन यूरिया का आयात किया था। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के अनुसार, नवम्बर महीने और दिसंबर के लिए लगभग 17.5 लाख टन उर्वरकों का आयात प्रस्तावित है। उर्वरकों की कमी को पूरा करने के लिए, सरकार चीन द्वारा निर्यात निलंबन के मद्देनजर आयात बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास कर रही है ताकि न केवल बढ़ती घरेलू मांग को पूरा किया जा सके, बल्कि निकट भविष्य के लिए बफर स्टॉक भी बनाया जा सके। हाल के निर्यात मूल्य आंकड़ों के आधार पर, उर्वरकों के प्रमुख आयात स्रोत रूस, केनडा, अमेरिका, मोरक्को, सऊदी अरब और नीदरलैंड हैं।

भारत अपने लोगों का पेट भरने के लिए अपने मजबूत कृषि उत्पादन को बनाए रखने हेतु यूरिया, डाइ-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) और म्यूरेट ऑफ पोटाश (एमओपी) जैसे कई प्रकार के उर्वरकों के साथ-साथ विभिन्न एनपीके कॉम्प्लेक्स उर्वरकों का आयात करता है। सरकार की प्राथमिक मुफ्त खाद्यान्न आपूर्ति योजना राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के अंतर्गत आने वाले लगभग 81.35 करोड़ लाभार्थियों को मुफ्त खाद्यान्न प्रदान करती है। इस योजना को दिसंबर 2028 तक बढ़ा दिया गया है। इस योजना के तहत खाद्यान्न (चावल, गेहूं या मोटा अनाज) पूरी तरह से मुफ्त प्रदान किया जाता है। यह पूरी तरह से केंद्र सरकार द्वारा वित्त पोषित है, जिसका अनुमानित वित्तीय परिव्यय इस अवधि में लगभग 11.80 लाख करोड़ रुपये है। इसके लिए कृषि उत्पादन में निरंतर वृद्धि आवश्यक है। देश में साल-दर-साल उर्वरकों के बड़े पैमाने पर आयात के कारण, कृ षि उत्पादन में तीव्र वृद्धि देखी जा रही है। वित्त वर्ष 2024-2025 में कृषि उत्पादन में रिकॉर्ड 5.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वर्ष 2025-26 के लिए, विकास लक्ष्य 3.5 प्रतिशत है। बड़े पैमाने पर उर्वरक आयात और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों को सरकार द्वारा दी जाने वाली नकद सहायता ने खाद्य उत्पादन को बढ़ावा देने में मदद की है। भारत के लिए अपने कृषि उत्पादन को आयातित उर्वरक पर अत्यधिक निर्भर बनाना कोई अच्छी बात नहीं है। देश को रासायनिक उर्वरकों का घरेलू उत्पादन बढ़ाना होगा। जहां मौजूदा उर्वरक उत्पादकों को अपनी-अपनी क्षमता का व्यापक विस्तार करने के लिए प्रेरित करने की आवश्यकता है, वहीं नई इकाइयों को तेजी से स्थापित करने के लिए आकर्षक प्रोत्साहन दिए जाने चाहिए। रणनीतिक दृष्टि से, खाद्य सुरक्षा से जुड़े भारत के कृषि उत्पादन को आयातित उर्वरकों पर अत्यधिक निर्भर बनाना गलत होगा। यह विशेष रूप से तब और भी कठिन हो जाता है जब प्रमुख आयात स्रोत सीमित हों। इन स्रोतों में रूस, सऊदी अरब, ओमान, मोरक्को और चीन शामिल हैं। विशिष्ट प्रकार के उर्वरक की आवश्यकता की पूर्ति के लिए भारत उन पर निर्भर करते हैं।

गुम हुए 102, मोबाइल फोन स्वामित्व को किया गया सुपुर्द

अखंड भारत संदेश

भदोही । गुम हुये मोबाईल फोनों की बरामदगी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत भदोही पुलिस द्वारा आम जन मानस के गुम/खोये हुए 102 मोबाईल फोन, कीमत करीब ? 16,82,000 (सोलह लाख बयासी हजार रुपये), बरामद कर मोबाईल स्वामियों को सुपुर्द किया गया। अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही के दिशा-निर्देशन में जनपद भदोही में गुम हुये मोबाईल फोनों की बरामदगी हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य आम जनमानस के गुम हुए मोबाइल फोनों की बरामदगी कर उनके वास्तविक स्वामियों तक पहुँचाना है। उक्त निदेर्शों के अनुपालन में , शुभम अग्रवाल, अपर पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा जनपद के समस्त थानों पर नियुक्त कंप्यूटर ऑपरेटरों को (उएक्ष) पोर्टल के प्रभावी उपयोग के माध्यम से गुम हुए मोबाइलों की बरामदगी को और अधिक तीव्र करने हेतु पोर्टल, जनसुनवाई, डायल 112 इत्यादि माध्यम से शिकायत प्राप्त होते ही तुरंत उएक्ष पोर्टल पर मोबाइल का क्एएक नंबर और संबंधित जानकारी दर्ज कर,पोर्टल से प्राप्त ट्रेसबिलिटी डिटेल्स, जैसे सिम नंबर और लोकेशन, का गहन विश्लेषण कर त्वरित कार्यवाही करते हुए।

जनपद के सभी तहसीलों में आयोजित हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

अखंड भारत संदेश

भदोही । जन शिकायतो के त्वरित निस्तारण एवं कार्यवाही के दृष्टिगत ह्यह्यसम्पूर्ण समाधान दिवसह्लह्ल जनपद के सभी तहसीलों में आयोजित किया गया। तहसील औराई में जिलाधिकारी शैलेष कुमार, मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविन्द शुक्ल, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 संतोष कुमार चक, उप जिलाधिकारी श्याममणि त्रिपाठी, तहसील ज्ञानपुर में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 कुंवर वीरेन्द्र मौर्य, उप जिलाधिकारी भानसिंह, तहसीलदार व तहसील भदोही में अपर जिलाधिकारी न्यायिक विजय नारायण सिंह, उप जिलाधिकारी अरूण गिरि, पुलिस क्षेत्राधिकारी भदोही एवं अन्य अधिकारियो द्वारा सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपस्थित होकर फरियादियों की समस्याओ को गंभीरता से सुनकर निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने सभी जनपद स्तरीय अधिकारियों को कड़ा निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतों को निस्तारण करने हेतु शिकायतकर्ता से बात करें, मौके पर जाये, स्पष्ट रूप से आख्या लिखे, कागजी खानापूर्ति न करें। शिकायतों को पारदर्शी ढंग से गुणवत्तानुरूप निस्तारण कराये। सबसे अधिक शिकायतें विद्युत विभाग, पंचायत विभाग, जल निगम, राजस्व विभाग के है।

8.35 करोड़ न भरने पर काशी कंस्ट्रक्शन पर गिरी गाज, कुर्की और ब्लैकलिस्ट की तैयारी

- खनन पट्टा रद्द करने की तलवार लटकी
- काशी कंस्ट्रक्शन संकट में

अखंड भारत संदेश

खनन साइट में मौजूद अधिकारीगण

चित्रकूट। जिले में अवैध खनन, राजस्व वसूली और सरकारी देयकों को लेकर लंबे समय से जारी प्रशासनिक सख्ती ने शुक्रवार को बड़ा मोड़ ले लिया। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने 14 नवम्बर को खनिज विभाग की समीक्षा बैठक में वह जबरदस्त कार्रवाई निर्देशित कर दी, जिसने खनन क्षेत्र में हड़कंप मचा दिया है। समीक्षा के दौरान यह गंभीर तथ्य सामने आया कि ग्राम बरुआ एहतमाली स्थित मोरम क्षेत्र, गाटा संख्या 392/1, रकबा 17.7100 हेक्टेयर के पट्टाधारक-काशी कंस्ट्रक्शन कंपनी (प्रो अखिलेश कुमार, निवासी बड़ी हाट, महोबा)- ने अब तक लगभग 8.35 करोड़ रुपये की बकाया धनराशि शासन को जमा नहीं की है। इतना बड़ा राजस्व बकाया पाते ही जिलाधिकारी ने कंपनी को नोटिस जारी करते हुए साफ चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समय के भीतर पूरा धनराशि जमा नहीं की गई तो प्रशासन वसूली प्रमाण पत्र (आरसी) जारी कर देगा। इसके बाद कंपनी की चल-अचल संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई तत्काल शुरू होगी। डीएम गर्ग ने यह भी स्पष्ट किया कि आरसी जारी होने के बाद सिर्फ कुर्की ही नहीं, बल्कि खनन पट्टे को पूर्णतः निरस्त किया जाएगा। इतना ही नहीं, कंपनी और इसके प्रोपराइटर अखिलेश कुमार को काली सूची (ब्लैकलिस्ट) में डालने की सख्त कार्यवाही भी प्रस्तावित है, जिससे भविष्य में जिले ही नहीं, प्रदेश के किसी भी खनन कार्य में इनकी भागीदारी संभावित रूप से समाप्त हो सकती है। जिलाधिकारी के इस फैसले से पूरे खनन क्षेत्र में और खनन माफियाओं में खलबली मची हुई है।

58.29 लाख जमा, फिर भी खनन पर रोक

जिलाधिकारी पुलकित गर्ग और पुलिस अधीक्षक ने 15 नवंबर को जिले के ग्राम सरधुवा स्थित उपखनिज बालू/मोरम के प्रस्तावित खनन क्षेत्र (गाटा संख्या 2495, रकबा 8.030 एकड़) का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खान अधिकारी ने बताया कि आवेदित क्षेत्र के लिए पर्यावरण स्वच्छता प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया गया है तथा रॉयल्टी, डीएमएफ, टीसीएस और स्टाम्प मद में कुल 58.29 रुपए लाख जमा कराए जा चुके हैं। जिलाधिकारी ने मौके पर मौजूद आवेदक के प्रतिनिधि को स्पष्ट निर्देश दिए कि नियमित अनुमति प्राप्त होने के बाद ही किसी भी प्रकार का खनन या परिवहन कार्य किया जाए, अन्यथा कार्रवाई होगी।

दो खाद केंद्रों की शटरबंदी पर प्रशासन सख्त सहकारिता विभाग से स्पष्टीकरण तलब

- मानिकपुर में प्रशासनिक समीक्षा
- कई विभागों को सुधार के निर्देश

अखंड भारत संदेश

मानिकपुर/चित्रकूट। जनसुनवाई को प्रभावी बनाने और सरकारी सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने के उद्देश्य से शुक्रवार को मानिकपुर में आयोजित तहसील दिवस में चित्रकूटधाम मंडल बांदा के आयुक्त अजीत कुमार तथा डीआईजी राजेश एस ने प्रतिभाग किया। अधिकारियों ने जनता की समस्याएँ सीधे सुनीं और उनके समयबद्ध निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आयुक्त ने कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि नागरिकों को मूलभूत सुविधाएँ- बिजली, पेयजल, स्वच्छता, स्वास्थ्य और शिक्षा- बिना विलंब उपलब्ध हों। तहसील दिवस में आयुक्त ने उप जिलाधिकारी और तहसीलदार को निर्देशित किया कि पैमाइश तथा अविवादित वरासत से जुड़े सभी लंबित प्रकरणों का शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अनावश्यक विलंब और चक्कर से जनता को राहत मिले, यही प्रशासन की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के बाद आयुक्त ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मानिकपुर का निरीक्षण किया, जहाँ डॉक्टरों की उपस्थिति, दवाओं और साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक पाई गई। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मानिकपुर और सरैया के दो खाद केंद्र बंद मिले, जिस पर आयुक्त ने सहायक आयुक्त, सहकारिता से स्पष्टीकरण मांगा। अंत में, आयुक्त ने इंग्लिश मीडियम प्राथमिक विद्यालय सरैया का निरीक्षण कर शिक्षकों से आधुनिक तकनीक, डिजिटल बोर्ड और नैतिक शिक्षा के माध्यम से शिक्षण गुणवत्ता बढ़ाने पर बल दिया।

राजापुर समाधान दिवस बना कार्रवाई दिवस- चकबंदी, राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीमें एक्टिव

- 113 फरियादें, 7 का तुरंत निपटारा
- मौके पर निपटेंगे जमीन विवाद

अखंड भारत संदेश

जनसुनवाई में मौजूद अधिकारीगण

राजापुर/चित्रकूट। तहसील सभागार राजापुर में शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस प्रशासनिक सख्ती और जनता की आवाज की गूंज से भर उठा। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग की अध्यक्षता तथा पुलिस अधीक्षक की मौजूदगी में हुए इस समाधान दिवस ने एक बात साफ कर दी- जमीन हो या चकबंदी, विवाद अब फाइलों में नहीं, मौके पर जाकर संयुक्त टीम ही निपटाएगी। डीएम ने निस्तारण रजिस्टर और आख्या का बारीकी से परीक्षण करते हुए अधिकारियों को दो-टूक निर्देश दिए कि निस्तारण का संतोष जनता को महसूस होना चाहिए, केवल कागजी कार्यवाही से काम नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि भूमि और चकबंदी संबंधी विवादों पर राजस्व, चकबंदी और पुलिस की संयुक्त टीम मौके पहुंचकर वास्तविक स्थिति देखकर निपटारा करेगी। गढवारा गांव की किसान चुन्नी देवी द्वारा पैमाइश न होने की शिकायत पर डीएम ने चकबंदी विभाग को निर्देशित किया कि आज ही लेखपाल और कानूनगो भेजकर पैमाइश कराई जाए। तहसील में अधिवक्ताओं ने अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा कार्य कराने के नाम पर पैसों की मांग का मुद्दा उठाया, जिस पर डीएम पुलकित गर्ग सख्त हो गए। साफ कहा कि जो भी कर्मचारी रुपए माँगे, उसका ऑडियो-वीडियो बनाइए, त्वरित कार्रवाई की जाएगी। लंबित वादों पर अधिवक्ताओं की शिकायत पर उन्होंने जल्द बैठक कर निस्तारण तेज करने का आश्वासन दिया। राजापुर समाधान दिवस में कुल 113 प्रार्थना पत्र आए, जिनमें 7 मामलों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया और बाकी मामलों पर एक सप्ताह में कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कार्यक्रम में एसडीएम राजापुर फूलचंद यादव, एसडीएम न्यायिक राकेश कुमार पाठक और क्षेत्राधिकारी राजकमल सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्मृतियों की चौखट पर लौट आए राजेंद्र पांडेय प्रथम पुण्यतिथि पर गूँजी भागवत कथा

कथा के प्रथम दिवस पर कलश यात्रा में पूरा परिवार

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुरानी बाजार स्थित स्वर्गीय राजेंद्र पांडेय के घर शनिवार को श्रद्धा, संस्कार और स्मृतियों का दुर्लभ संगम देखने को मिला। उनकी प्रथम पुण्यतिथि पर आयोजित भागवत कथा ने घर के आँगन को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। पत्रकारिता की दुनिया में अपनी निर्भीक लेखनी और संवेदनशीलता के लिए पहचाने जाने वाले दिवंगत राजेंद्र पांडेय को उनके परिवार ने इस अवसर पर पूरे मन से याद किया। कथा के मुख्य श्रोता उनकी धर्मपत्नी श्रीमती रेखा पांडेय रहीं, जो पूरे समय अपने जीवनसाथी की स्मृतियों में डूबी रहीं- जैसे कथा के हर शब्द में उन्हें अपने पति की उपस्थिति महसूस हो रही हो। परिवार के सभी सदस्यों की उपस्थिति ने इस आयोजन को न सिर्फ भावुक बनाया बल्कि यह भी दर्शाया कि राजेंद्र पांडेय भले ही शारीरिक रूप से मौजूद नहीं हैं, पर उनकी सीख, उनके संस्कार और उनकी पत्रकारिता का उजाला अब भी परिवार और समाज दोनों को मार्ग दिखा रहा है। भागवत कथा का वाचन नया गांव के प्रसिद्ध व्यास रवि शास्त्री द्वारा किया गया, जिनकी मधुर वाणी और गूढ़ व्याख्या ने वातावरण को आध्यात्मिकता से सराबोर कर दिया। कथा के दौरान बार-बार ऐसा लगा जैसे दिवंगत राजेंद्र पांडेय स्वयं इस पावन आयोजन के साक्षी बनकर अपने परिवार को आशीष दे रहे हों। भावनाओं और अध्यात्म के इस मिलन ने यह स्पष्ट कर दिया कि सच्चे कर्मयोगी कभी विदा नहीं होते- वे अपनी स्मृतियों, अपने मूल्यों और अपनी प्रेरणा के रूप में सदैव जीवित रहते हैं।

उप परिवहन आयुक्त का औचक निरीक्षण, आयुक्त ने दिखाया अनुशासन का असली रंग

- 21 चालान, सख्त संदेश
- सीटबेल्ट-हेलमेट की अनदेखी पड़ेगी भारी

चित्रकूट। जिले में शुक्रवार की सुबह परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली अचानक तेज पड़ गई, जब उप परिवहन आयुक्त (परिक्षेत्र) झांसी, केडी सिंह गौर ने उप संभागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने दफ्तर की साफ-सफाई, राजस्व प्राप्ति, प्रवर्तन से जुड़े अभियानों और सड़क सुरक्षा से संबंधित गतिविधियों की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि जिले में बिना हेलमेट दोपहिया चलाने वालों और बिना सीटबेल्ट चारपहिया वाहनों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो। निरीक्षण के दौरान कार्यालय भवन निर्माण की पत्रावली भी देखी गई, जिसके बाद उन्होंने वित्त नियंत्रक परिवहन विभाग से बात कर सीएनडीएस बांदा को भवन निर्माण के लिए आवश्यक धनराशि जल्द रिलीज करने को कहा। उन्होंने कार्यालय निर्माण हेतु जिला प्रशासन द्वारा आवंटित भूमि का स्थलीय निरीक्षण भी किया। इसके बाद उप परिवहन आयुक्त, एआरटीओ (प्रशासन) आरपी सिंह और यात्रीकर अधिकारी श्रीमती दीपिता त्रिपाठी ने सड़क पर उतरकर नियम तोड़ने वालों को रोका, समझाया और सड़क सुरक्षा के नियमों का महत्व बताया। विशेष अभियान के दौरान 21 वाहनों का मौके पर चालान किया गया।

नवजातों की जिंदगी को नई ढाल- चित्रकूट में शुरू हुआ देखभाल सप्ताह अभियान

- कंगारू मदर केयर से लेकर टीकाकरण तक
- कमजोर जन्म, मजबूत सुरक्षा

अखंड भारत संदेश

देखभाल सप्ताह अभियान में मौजूद अधिकारीगण

चित्रकूट। जिले में शनिवार से नवजात शिशु देखभाल सप्ताह शुरू हो गया है, जो 15 से 21 नवम्बर तक पूरे जनपद में नवजात सुरक्षा और वैज्ञानिक देखभाल के संदेश को घर-घर तक पहुंचाएगा। जनपद स्तरीय कार्यशाला में विशेषज्ञों ने बताया कि समय से पूर्व जन्मे और कम वजन वाले शिशुओं की देखभाल में जरा-सी लापरवाही भी गंभीर जोखिम बन सकती है, इसलिए समुदाय को सही और वैज्ञानिक जानकारी देना बेहद जरूरी है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ भूपेश द्विवेदी ने बताया कि प्रदेश में नवजात मृत्यु दर में सुधार हो रहा है। एसआरएस-2023 के अनुसार एनएमआर 27 से घटकर 26 प्रति हजार जीवित जन्म हुआ है, जो बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का संकेत है। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ महेंद्र कुमार जतारया ने कहा कि जनपद में संस्थान आधारित और समुदाय आधारित नवजात देखभाल कार्यक्रम पहले से प्रभावी रूप से चल रहे हैं। स्पष्ट किया कि प्रसव अस्पताल में ही हों और नवजात व माँ कम से कम 48 घंटे वहीं रुकें। जन्म के बाद बच्चे को नहलाने के बजाय साफ कपड़े पहनाना, जन्म के पहले घंटे में माँ का गाढ़ा पीला दूध पिलाना, छह महीने तक सिर्फ माँ का दूध देना और समय पर सभी टीकाकरण कराना अनिवार्य है। कम वजन वाले शिशुओं के लिए कंगारू मदर केयर सबसे प्रभावी तरीका बताया गया। विशेषज्ञों ने चेताया कि नवजात को घुट्टी, शहद या घरेलू पदार्थ देना नुकसानदायक है। मुख्य कार्यशाला में डॉ जतारया, डॉ रतमेले, डॉ एचसी अग्रवाल सहित सभी ब्लॉकों के चिकित्सा अधीक्षक और अधिकारी उपस्थित रहे।

पटेल तिराहा पर दर्दनाक टक्कर- पूर्व प्रधान के भतीजे की मौत

चित्रकूट। थाना कोतवाली कर्वी क्षेत्र के कर्वी माफी में शनिवार को गहरा मातम छा गया, जब पूर्व प्रधान कल्लू प्रसाद के भतीजे हर्ष वर्मा की सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गई। बताया गया कि हर्ष अपने घर से पटेल तिराहा की ओर जा रहा था, तभी चित्रकूट इंटर कॉलेज कर्वी के सामने सामने से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में हर्ष गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे पहले स्थानीय अस्पताल और फिर प्रयागराज ले गए, जहां वह चार दिनों तक जीवन-मौत से जूझता रहा और शनिवार को दम तोड़ दिया। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा, जिसके बाद मंदाकिनी तट पर देर शाम अंतिम संस्कार किया गया। हर्ष अपने माता-पिता, दो भाई और दो बहनों को रोता-बिलखता छोड़ गया।

किसान की पीड़ा बनाम सरकारी रिपोर्ट- राजस्व टीम के खिलाफ किसानों का गुस्सा फूटा

- बड़े आंदोलन की चेतावनी
- धान/बाजरा 90 प्रतिशत चौपट, पर रिपोर्ट आधी

चित्रकूट। बेमौसम बारिश से धान और बाजरा की फसलें 80 से 90 प्रतिशत तक बरबाद होने के बाद किसानों का गुस्सा अब उबाल पर है। भारतीय किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष राम सिंह राही के नेतृत्व में राजापुर और मऊ तहसीलों में सैकड़ों किसानों ने उपजिलाधिकारियों को ज्ञापन सौंपते हुए साफ कहा कि उनकी उम्मीदें अब सिर्फ न्याय पर टिकी हैं। राही ने बताया कि 3 नवंबर को भारी संख्या में किसान कलेक्ट्रेट पहुंचे थे और जिलाधिकारी पुलकित गर्ग से मिलकर फसल बबार्दी का उचित मुआवजा मांगा था, जिस पर डीएम ने तत्काल सर्वे की बात कही थी। लेकिन लवेद, खनडेहा, लक्ष्मीपुर दबवा समेत कई गांवों में आज तक सही सर्वे नहीं हुआ। किसानों का आरोप है कि राजस्व विभाग नुकसान कम दिखाकर गलत रिपोर्ट भेज रहा है। जिलाउपाध्यक्ष शिवदयाल सिंह बघेल ने भी तहसील दिवस में डीएम को ज्ञापन देकर पूरी पुनः जांच की मांग की। वहीं जिलामहामंत्री अरुण कुमार पांडेय ने नहरों में सिल्ट सफाई में अनियमितता उजागर करते हुए कहा कि खोदी गई मिट्टी फिर से नहर में बह जाएगी। जिला उपाध्यक्ष नीलकंठ द्विवेदी ने बाजरा खरीद केंद्रों पर सत्यापन न होने से किसानों की हो रही दौड़धूप को गंभीर मुद्दा बताया। गांव-गांव से पहुंचे किसानों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द मुआवजा और सही सर्वे नहीं हुआ, तो आंदोलन और मजबूत होगा।

चित्रकूट आरटीओ में 97 हजार की लूट का आरोप, पंजीकरण के नाम पर दलाली का खेल उजागर

चित्रकूट। जिला आरटीओ कार्यालय में भ्रष्टाचार का जिन्न एक बार फिर बोतल से बाहर आ गया है। फतेहपुर जिले के रारी गांव निवासी भूपेन्द्र सिंह ने सनसनीखेज आरोप लगाया कि उनके 18-चक्का वाहन (यूपी 96 एटी 0822) के पंजीकरण के नाम पर कार्यालय के कर्मचारियों ने उनसे कुल 97 हजार रुपये नकद वसूले। भूपेन्द्र के अनुसार 17 मई 2025 को यह रकम 65 हजार, 2 हजार और 30 हजार की तीन किश्तों में ली गई। पैसे न देने पर उन्हें धमकाया गया और गाली-गलौज तक की गई। भूपेन्द्र ने इस पूरे प्रकरण का वीडियो भी उपलब्ध कराया है, जिसे वह जांच अधिकारी को दिखाने को तैयार हैं। पीड़ित ने एफआईआर दर्ज करने, बची हुई राशि वापस दिलाने और शामिल सभी कर्मचारियों एवं अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है। स्थानीय पुलिस ने शिकायत पर जांच शुरू कर दी है और कहा है कि वीडियो व रसीदों की पुष्टि के बाद कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस बीच एआरटीओ चित्रकूट राम प्रकाश सिंह ने बयान जारी करते हुए कहा कि विभाग में किसी भी प्रकार की अनियमितता या भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जा रही है। लेकिन पीड़ित द्वारा लगाए गए आरोपों में एआरटीओ की भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं, जिससे पूरा कार्यालय कटघरे में खड़ा हो गया है और दलाली के जख्म फिर हरे हो गए हैं।

चित्रकूट पर्यटन की बदहाली पर डीएम का प्रहार कचरा, मलबा और लापरवाही उजागर

- राही यात्री भवन में सफाई से लेकर नीलामी तक
- पर्यटन कार्यालय में गंदगी का अड्डा

अखंड भारत संदेश

राही पर्यटक गृह में निरीक्षण करते डीएम

चित्रकूट। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने शनिवार को राही यात्री भवन और क्षेत्रीय पर्यटन कार्यालय का औचक निरीक्षण कर विभागीय लापरवाही की परतें एक-एक कर खोल दीं। निरीक्षण के दौरान जब डीएम पर्यटन कार्यालय पहुंचे, तो परिसर के आसपास पसरी गंदगी, जमा कचरा और बदहाल सफाई व्यवस्था देखकर उन्होंने तीखा असंतोष जताया। उन्होंने निर्देश दिए कि नगर पालिका से तत्काल संपर्क कर कचरे का निस्तारण कराया जाए और पूरे ग्राउंड की गहन सफाई सुनिश्चित की जाए। कार्यालय से उन्होंने चित्रकूट के पर्यटक स्थलों की पुस्तक भी प्राप्त की और पर्यटन प्रचार को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। इसके बाद डीएम जब राही यात्री भवन पहुंचे, तो वहां भी अव्यवस्था का आलम कम नहीं था। पर्यटक बंगले में पड़े निष्प्रयोज्य सामान को देख वे भड़क उठे। उन्होंने प्रभारी को स्पष्ट निर्देश दिए कि इस सामग्री की तत्काल नीलामी कराई जाए और परिसर को व्यवस्थित किया जाए। डीएम ने यात्रियों की सुविधा के लिए कमरों की ऑनलाइन बुकिंग व्यवस्था शुरू करने का आदेश दिया, ताकि बाहर से आने वाले पर्यटकों को सहज और पारदर्शी सुविधा मिल सके। प्रभारी ने बताया कि यात्री भवन में 60 बेड क्षमता के कई श्रेणी के कमरे हैं- आठ बेड के तीन कमरे, छह बेड और चार बेड के अन्य कमरे भी उपलब्ध हैं। डीएम ने निर्देश दिया कि परिसर में बच्चों के खेलने की सामग्री लगवाई जाए, ताकि यह स्थान परिवारों के लिए भी आकर्षक बन सके। पर्यटन विभाग को सख्त निर्देश दिया गया कि सीतापुर चौराहा स्थित फाउंटेन का फव्वारा तुरंत ठीक कराया जाए। डीएम के इस औचक निरीक्षण ने पर्यटन विभाग की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है और साफ संदेश दे दिया है कि अब ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

ट्रम्प से 1 बिलियन डॉलर के मानहानि विवाद पर बीबीसी ने मांगी माफी

मानी अपनी गलती

अमेरिका

बीबीसी ने आखिरकार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से माफी मांग ली है, लेकिन साथ ही यह भी साफ कर दिया है कि उसने ट्रम्प की छवि को बदनाम नहीं किया है। मामला 6 जनवरी 2021 के उस भाषण से जुड़ा है, जिसे बीबीसी की एक डॉक्यूमेंट्री में गलत तरीके से एडिट कर दिखाया गया था।

मौजूद जानकारी के अनुसार, बीबीसी चेयर समीर शाह ने व्हाइट हाउस को निजी पत्र भेजकर इस एडिट पर खेद जताया है। उन्होंने माना कि भाषण को ऐसे जोड़ा गया कि ऐसा लगा जैसे ट्रम्प ने लगातार एक ही हिस्से में हिंसा भड़काने जैसे शब्द बोले हों, जबकि असल में दोनों हिस्से लगभग एक घंटे के अंतर पर कहे गए थे।

बता दें कि यह विवाद उस समय बढ़ा जब डॉक्यूमेंट्री प्रसारित होने के बाद ट्रम्प के वकील ने बीबीसी को 1 बिलियन डॉलर के मानहानि मुकदमे की धमकी दी थी और माफी के लिए समयसीमा भी तय कर दी थी। कहा गया था कि इस गलत एडिट से ट्रम्प की छवि को भारी नुकसान पहुंचा है और उन्हें उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए।

गौरतलब है कि विवादित डॉक्यूमेंट्री बीबीसी की मशहूर श्रृंखला पैनोरमा का हिस्सा थी, जिसका शीर्षक ह्लट्रम्पः ए सेकंड चांस?ह्व था। यह एपिसोड 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से ठीक पहले प्रसारित हुआ था और यहीं से पूरा विवाद शुरू हुआ था।

डॉक्यूमेंट्री बनाने वाली थर्ड-पार्टी प्रोडक्शन कंपनी ने भाषण के तीन हिस्सों को जोड़कर एक ही बयान जैसा बना दिया था। इसमें उस हिस्से को हटा दिया गया था जिसमें ट्रम्प ने शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करने की बात कही थी।

मौजूद रिपोर्टों के मुताबिक, बीबीसी इस विवाद से इतनी गहरी तरह प्रभावित हुआ कि इसके डायरेक्टर-जनरल टिम डेवी और न्यूज हेड डेबराह टर्नेस ने भी 9 नवंबर को अपने पद छोड़ दिए। दोनों ने स्वीकार किया कि यह गलती संगठन की साख के लिए नुकसानदायक बनती जा रही है।

कानूनी जानकारों के अनुसार, ट्रम्प का मुकदमा अदालत तक पहुंचना मुश्किल है, क्योंकि इंग्लैंड में मानहानि मामलों की समय सीमा काफी पहले समाप्त हो चुकी है और यह डॉक्यूमेंट्री अमेरिका में दिखाई भी नहीं गई थी। ऐसे में यह साबित करना कठिन होगा कि अमेरिकी जनता की राय इस प्रसारण से प्रभावित हुई है।

हालांकि एक दिलचस्प पहलू यह भी है कि अगर यह मामला अदालत तक जाता, तो बीबीसी यह दिखा सकता था कि इस प्रकरण से ट्रम्प को कोई वास्तविक नुकसान नहीं हुआ क्योंकि आखिरकार वे 2024 का राष्ट्रपति चुनाव जीत चुके हैं। बीबीसी ने साथ ही यह भी कहा है कि वह डेली टेलीग्राफ की उस रिपोर्ट की जांच कर रहा है जिसमें दावा किया गया है कि 2022 में न्यूजनाइट ने भी ट्रम्प के इसी भाषण को मिलाकर दिखाया था।

कुल मिलाकर, बीबीसी ने अपनी गलती मान ली है, लेकिन यह भी साफ कर दिया है कि जानबूझकर किसी को बदनाम करने की उसकी मंशा नहीं थी, और यही बात अब पूरे मामले की दिशा तय कर रही हैं।

अमेरिकी B1B बॉम्बर्स को सुखोई-मिराज ने घेरा

अमेरिका

दक्षिण भारत का आसमान इस हफ्ते कुछ अलग ही नजारा पेश कर रहा है। भारतीय वायुसेना के तेजतर्रार लड़ाकू विमान जब अमेरिकी बी वन बी लैंसर बमबर के साथ उड़ान भरते दिखे तो यह सिर्फ एक सैन अभ्यास नहीं था। यह भारत और अमेरिका की बढ़ती साझेदारी का एक सबूत भी था। 10 से 13 नवंबर तक चले इस 4 दिन के बटरल एयर एक्सरसाइज में दोनों देशों की वायु सेनाएं एक साथ मिशन प्लानिंग, एयर कॉम्बैट, स्ट्राइक पैकेज कोऑर्डिनेशन और तमाम तरह के अभ्यास करते दिखी। इस ड्रिल में अमेरिका की तरफ से इ1इ लैंसर लाया गया। एक सुपरसोनिक बमबर जिसे दुनिया बून के नाम से जानती है और दूसरी तरफ भारत की तरफ से मोर्चा संभाल रहे थे। सुखोई 30 और मिराज 2000 जैसे दिग्गज फाइटर जेट्स। बी1बी लेंसर के साथ भारतीय लड़ाकू विमानों का यह ड्रिल।

सुखोई और मिराज ने इ1इ को स्कॉट किया। यह दृश्य हमें रोज देखने को नहीं मिलता। देखिए अमेरिकी वायुसेना का इ1इ लेंसर एक सुपरसोनिक लॉन्ग रेंज हैवी पेलोड बॉम्बर है। इसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह लंबी दूरी तय कर सकता है। तेजी से उड़ सकता है और बहुत भारी मात्रा में हथियार ले जा सकता है। अमेरिका के बेहद शक्तिशाली हथियारों में से एक यह माना जाता है। और अगर इसकी खूबियों को देखें तो इसकी टॉप स्पीड लगभग मैक 1 2 यानी आवास की गति से भी तेज।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के आक्रामक सैन्य विस्तार ने क्वाड राष्ट्रों, भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया, को पहले से कहीं अधिक करीब ला दिया है। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि भारतीय वायु सेना के साथ यह संयुक्त अभ्यास केवल एक सैन्य अभ्यास नहीं है; यह क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने के लिए दृढ़ संकल्पित दो लोकतंत्रों के बीच रणनीतिक विश्वास का प्रतीक है। यह सुपरसोनिक बमवर्षक विमान दोनों वायु सेनाओं को एक-दूसरे की रणनीतियों, तकनीकों और परिचालन प्रक्रियाओं को पहले से कहीं अधिक बेहतर ढंग से समझने में सक्षम बनाएगा, जिससे भविष्य के किसी भी संकट के लिए महत्वपूर्ण अंतर-संचालन क्षमता का निर्माण होगा।

बी-1बी लांसर को 'आसमान का बेताज बादशाह'

बी-1बी लांसर 1985 से अमेरिकी वायु सेना की मारक क्षमता की रीढ़ रहा है। मूल रूप से परमाणु अभियानों के लिए डिजाइन किया गया, इस घातक मशीन को 1990 के दशक में पारंपरिक हथियारों के संचालन के लिए परिवर्तित किया गया और यह अपनी श्रेणी का सबसे तेज और बहुमुखी बमवर्षक बना हुआ है।

यह विमान मैक 1.25, लगभग 1,500 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से उड़ान भरता है, और एक ही ईंधन टैंक पर 12,000 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय करता है, बिना ईंधन भरे दुनिया के किसी भी कोने तक पहुँच सकता है। इसकी 34 टन की हथियार पेलोड क्षमता बेजोड़ है, जो पारंपरिक बमों से लेकर सटीक-निर्देशित मिसाइलों तक, सब कुछ ले जा सकता है।

ट्रंप के कबूलनामे बाद ईरान का यूएन से कड़ा संदेशः अमेरिका-इजरायल को परमाणु हमलों का हिसाब देना होगा

ईरान

ईरान ने संयुक्त राष्ट्र से अमेरिका और इजराइल के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने का आग्रह किया है और जून में ईरानी परमाणु स्थलों पर किए गए कई सैन्य हमलों के लिए दोनों देशों को ज़िम्मेदार ठहराया है। विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पिछले हफ़्ते यह स्वीकार करने के बाद कि उन्होंने ही ईरान पर इजराइल के शुरूआती हमले का निर्देश दिया था, अमेरिका आपराधिक ज़िम्मेदारी लेता है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बुधवार को लिखे एक पत्र में अराघची ने मांग की कि ईरान के खिलाफ आक्रामक कृत्यों के लिए वाशिंगटन और तेल अवीव दोनों पर उचित कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि दोनों देशों को क्षतिपूर्ति के माध्यम से जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए, जिसमें क्षतिपूर्ति और हुए नुकसान की भरपाई भी शामिल है। पत्र में कहा गया है कि अमेरिका और इजराइली शासन को क्षतिपूर्ति का सामना करना चाहिए, जिसमें ईरान में हुए नुकसान की भरपाई और मुआवजा भी शामिल है।

ईरानी मंत्री ने कहा कि हमलों को अधिकृत करने में अपनी भूमिका की ट्रंप द्वारा सार्वजनिक रूप से स्वीकारोक्ति, अमेरिका की संलिप्तता के निर्विवाद प्रमाण प्रदान करती है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र से अंतर्राष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों के तहत कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप और अन्य अमेरिकी अधिकारी 13 जून के हमलों के लिए आपराधिक रूप से ज़िम्मेदार हैं।

सामान समेटकर निकलो! चीन पर बुरी तरह भड़का पाकिस्तान

बंद होगा CPEC?

चीन

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की महत्वकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएट का सबसे बड़ा शोपीस प्रोजेक्ट है सीपीसी यानी कि चाइना पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर और अब इसी प्रोजेक्ट को लेकर पाकिस्तान ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। पाकिस्तान ने यह बात खुद मानी है कि सीपीईसी से पाकिस्तान को अब तक कोई लाभ नहीं मिला और चीनी निवेशक देश छोड़कर भाग भी रहे हैं। दरअसल पाकिस्तान के एक मंत्री ने यह स्वीकार किया कि चीन पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर से उनका मुल्क कोई लाभ नहीं उठा सका और पिछली सरकारों की वजह से चीनी निवेशकों को देश छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के योजना मंत्री एहसान इकबाल ने कहा कि पाकिस्तान ने ऐसे कई मौके गवाए जब हमारी अर्थव्यवस्था लंबी छलांगे लगा सकती थी। हमने गेम चेंजर साबित हो सकने वाले सीपीईसी से लाभ नहीं उठाया। सीपीईसी से होने वाले लाभ को भी नहीं भुना सके।

बता दें कि यह पहली बार है जब किसी पाकिस्तानी मंत्री ने यह स्वीकार किया है कि सीपीईसी के लक्ष्य हासिल नहीं किए जा सके। सीपीसी चीन का एकत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है। चीन के राष्ट्रपति जिमपिंग की बहु अरब डॉलर कीत्वाकांक्षी योजना बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का प्रमुख प्रोजेक्ट माने जाने वाला 60 अरब अमेरिकी डॉलर का सीपीसी चीन के शिंजियांग क्षेत्र को पाकिस्तान के बलूचिस्तान स्थित ग्वादर बंदरगाह से जोड़ता है।

यह परियोजना चीन की वैश्विक प्रभाव बढ़ाने की उस रणनीति का हिस्सा था। जिसके तहत वह विभिन्न देशों में चीन की पूंजी से बने बुनियादी ढांचे के जरिए अपनी मौजूदगी मजबूत करना चाहता है।

कुल मिलाकर चीन के इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का हाल पाकिस्तान में बहुत बुरा है। अब तक बलूचिस्तान क्षेत्र में इस इंफ्रा पर काम कर रहे कई चीनी इंजीनियर्स की मौत भी हो चुकी है और पाकिस्तान उस क्षेत्र में पूरी तरह से विफल रहा है। इसी के चलते सीपीसी एक तरह से ठप पड़ा है।

पाकिस्तान में बगावत की आग, बलूचिस्तान में इंटरनेट 16 तक बंद

पाकिस्तान

सुरक्षा अलर्ट के बाद पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में राजधानी क्वेटा को छोड़कर बाकी जगहों पर मोबाइल इंटरनेट सेवाएं सस्पेंड कर दी गई हैं। प्रांतीय सरकार के गृह विभाग ने बुधवार को अलर्ट जारी किया था। मोबाइल इंटरनेट सेवा 16 नवंबर तक निलंबित रहेंगी। एक अधिकारी ने बताया कि इंटरनेट सेवाओं को निलंबित करने का फैसला सुरक्षा अलर्ट के कारण लिया गया है। क्वेटा के छावनी क्षेत्र के सभी स्कूल भी 16 नवंबर तक बंद कर दिए गए हैं। अधिकारियों ने कहा कि अधिकारियों ने कहा कि पूरे प्रांत के ग्रामीण इलाकों में इंटरनेट सेवा निर्लंबित रहेगी। उन्होंने आगे कहा कि क्वेटा ज़िले को इस प्रतिबंध से छूट दी जाएगी। हालाँकि, क्वेटा में इंटरनेट उपयोगकताओं ने बुधवार (12 नवंबर, 2025) से इंटरनेट सेवाओं के काम न करने की शिकायतें दर्ज कराई हैं। गृह विभाग ने सभी ज़िला प्रशासनों, पुलिस और संबंधित अधिकारियों को इस फैसले का तत्काल क्रियान्वयन सुनिश्चित करने और जनता की सुविधा के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने का निर्देश दिया है पूरे प्रांत के ग्रामीण इलाकों में इंटरनेट सेवा निर्लंबित रहेगी।

युद्ध खत्म करवाने की सोच रहे ट्रंप, इधर रूस ने कीव पर ताबड़तोड़ हमले कर बता दिए अपने इरादे

रूस

रूस द्वारा बुनियादी ढाँचे पर हमले तेज करने के बीच, मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कहा कि शुक्रवार सुबह कीव के लगभग हर ज़िले में बड़े पैमाने पर हमला हुआ। कम से कम 11 लोग घायल हुए, जिनमें से पाँच को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें एक गर्भवती महिला और एक पुरुष बेहद गंभीर हालत में हैं। मास्को 2022 में यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण शुरू किया था, ने हाल के महीनों में विशेष रूप से यूक्रेनी ऊर्जा सुविधाओं और रेल प्रणालियों के साथ-साथ आवासीय क्षेत्रों को निशाना बनाया है।

डारनित्स्की जिले में हमले के बाद मलबा एक आवासीय इमारत और शैक्षणिक संस्थान के परिसर में गिरा। चिंगारी से एक कार में आग लग गई। दिनप्रोव्स्की जिले में हमले के कारण तीन अपार्टमेंट, एक निजी घर और खुले क्षेत्र में आग लग गई। हमले से पोदिल्स्की जिले में पांच आवासीय और एक गैर-आवासीय भवन क्षतिग्रस्त हो गए। शेवचेंकोव्स्की जिले में जलता मलबा गिरने से एक खुले क्षेत्र और गैर-आवासीय भवन में आग लगी। होलोसीव्स्की जिले में हमले की वजह से एक अस्पताल में आग लग गई और एक गैर-आवासीय भवन को नुकसान पहुंचा।

देस्नियान्स्की और सोलोमियान्स्की जिलों में हमलों के बाद रिहायशी इमारतों में आग लग गई, वहीं सवियातोशिन्स्की जिले में एक निजी घर में आग लग गई। कीव क्षेत्र में रूस के हमलों से महत्वपूर्ण अवसंरचना और निजी घर क्षतिग्रस्त हुए।

पाकिस्तान में सेना से भिड़ी अदालत, मुनीर को डिफेंस चीफ बनाने को बताया संविधान से खिलवाड़, लग गई इस्तीफों की जड़ी

पाकिस्तान

पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के बागी तेवर सामने आए हैं। पाक सुप्रीम कोर्ट के दो सीनियर जज मंसूर अली शाह व अतहर मिनल्लाह ने इस्तीफा दे दिया है। जजों ने इस्तीफे में कहा, मुनीर को कानूनी कार्रवाई से सुरक्षा देने और डिफेंस चीफ बनाना संविधान से खिलवाड़ है। जजों ने 27वें संविधान संशोधन का विरोध किया है। पाकिस्तान के जो विपक्षी दल के नेता हैं उन्होंने इसका कड़ा विरोध जताया है।

क्या है 27वां संशोधन

इससे आर्मी चीफ मुनीर अब तीनों सेनाओं के डिफेंस चीफ बन गए हैं। मुनीर के खिलाफ कोई केस दर्ज नहीं हो सकता। सुप्रीम कोर्ट की कई शक्तियों को राष्ट्रपति के अधीन किया है। सुप्रीम कोर्ट की कई शक्तियां इस नए कोर्ट को दी जाएंगी। यानी सुप्रीम कोर्ट की शक्तियां ये जो नया कोर्ट बनाया जाएगा एफसीसी इसको दी जाएंगी। और चुनाव से जुड़ी अपीलें भी एफसीसी में ही जाएंगी। हाई कोर्ट के जजों की नियुक्ति प्रक्रिया भी बदलेगी। यानी आप ही सोचिए कि पाकिस्तान में किस तरह से उथल-पुथल मची हुई है।

2 और जजों का और इस्तीफा संभव

27वें संविधान संशोधन के विरुद्ध पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट में तेवर कड़े हो रहे हैं। सूत्रों के अनुसार जल्द ही दो-तीन जज भी अपना इस्तीफा सौंप सकते हैं। शीर्ष न्यायपालिका का मानना है ।

आर्कटिक का कीमती खजाना, रूस-चीन चाहता है सेंध लगाना, कनाडा की बढ़ी चिंता

कनाडा

कनाडा की स्पाई एजेंसी ने रूस और चीन को लेकर चौंकाने वाला दावा किया है। एजेंसी का मानना है कि कनाडा के आर्कटिक क्षेत्र में रूस और चीन सीक्रेट ऑपरेशन के जरिए देश के सरकारी और प्राइवेट सेक्टर्स को टारगेट कर रहे हैं। मुल्क के सामने मौजूद खतरों को एड्रेस करते हुए अपने बयान में कनाडाई सुरक्षा खुफिया सेवा (सीएसआईएस) के निदेशक डैन रोजर्स ने दुश्मन देशों को लेकर बढ़ती चिंताओं का ज़िक्र किया। उन्होंने बताया कि कैसे ये देश आर्कटिक में तेजी से मजबूत हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि सीएसआईएस ने सरकारी और प्राइवेट सेक्टर्स को निशाना बनाकर साइबर और गैर-साइबर खुफिया जानकारी जुटाने के प्रयासों को नोटिस किया है। कनाडा को देश की सीमाओं से गुजरने वाले नौपरिवहन मार्ग और इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण खनिजों के भंडार के रूप में उत्तर में निवेश बढ़ाने के कारणों के रूप में चिह्नित किया जा रहा है।

पिछले हफ़्ते पेश किए गए संघीय बजट में कनाडा ने नए हवाई अड्डों, बंदरगाहों और बारहमासी सड़कों के निर्माण में मदद के लिए 1 अरब कनाडाई डॉलर (71 करोड़ अमेरिकी डॉलर) के आर्कटिक बुनियादी ढाँचे के कोष की घोषणा की। कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद ने पिछले हफ़्ते पत्रकारों से कहा कि नाटो सैन्य गठबंधन को आर्कटिक पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि यह "एक ऐसा संगठन होना चाहिए जो न केवल पूर्वी सीमा पर ध्यान केंद्रित करे, बल्कि उत्तर की ओर भी देखे।

रूसी और चीनी क्या करना चाह रहे

अपने संबोधन में रोजर्स ने कहा कि सीएसआईएस एजेंटों ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में इस्तेमाल के लिए कनाडा से अवैध रूप से सामान और तकनीक हासिल करने की रूस की कोशिशों को नाकाम कर दिया। उन्होंने कहा कि इस साल, सीएसआईएस ने कई कनाडाई कंपनियों को यह बताकर इसे रोकने के लिए कार्रवाई की कि यूरोप स्थित मुखौटा कंपनियाँ, जो उनका सामान हासिल करना चाहती थीं, वास्तव में रूसी एजेंटों से जुड़ी थीं।

उन्होंने आगे कहा कि कंपनियों ने रूसियों को नकारने के लिए तुरंत कदम उठाए। उन्होंने यह भी कहा कि चीनी जासूसों ने "सूचना और सैन्य विशेषज्ञता वाले कनाडाई लोगों को भर्ती करने की कोशिश की है"। चीन और रूस से खतरों के अलावा, रोजर्स ने बताया कि कैसे एजेंसी ने कनाडा में रहने वाले असंतुष्टों के खिलाफ ईरान से संभावित घातक खतरों को नाकाम कर दिया।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा, प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025
प्रबन्धक
अनूप मिश्रा
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा